राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

गौरवशाली भारत

दिल्ली से प्रकाशित

R.N.I. NO. DELHIN/2011/38334 | वर्षः 11 अंकः 149 | पृष्ट : 08, | नई दिल्ली, शनिवार, 11 दिसम्बर 2021 | मूल्यः 1.50/-

अग्नि साक्षी है...: CDS रावत ने कोई वादा नहीं तोड़ा

न देश से, न फौज से और न ही पत्नी मधुलिका से

तारीख : 14 अप्रैल 1986
दिन : सोमवार
पता : दिल्ली का अशोका रोड

कैप्टन बिपिन रावत, मधुलिका के दिल्ली के अशोका रोड वाले घर पर बारात लेकर आए हैं। बिपिन बैंड-बाजा लिए आगे बढ़ रहे थे। दोस्त और परिवार के लोग पटाखे फोड़ रहे थे। रात करीब 12 बजे पंडित जी ने कहा- 'अब वर-वधु की गांठ बांध दीजिए।'

दुल्हन की बहनों ने बिपिन की सुनहरी शेरवानी के बाएं कोने को मधुलिका की लाल चुनरी के पल्लू से बांध दिया। अग्नि के सात फेरे शुरू हुए। महज पांच मिनट बाद पंडितजी ने कहा- 'अब आप दोनों सात जन्मों के साथी हो गए हैं।'

तारीख : 10 दिसंबर 2021
दिन : शुक्रवार
पता : दिल्ली का आर्मी कैंट

36 साल बाद फिर वही दिल्ली, वही बारात, बैंड बाजा भी। फिर बिपिन और मधुलिका सजाए गए। तोपों ने 17 बार गोले दागकर सलामी दी। फिर मंडप और अग्नि भी वही, लेकिन इस बार पंडित ने कहा- 'तारिणी और कृतिका अपने माता-पिता को मुखाग्नि दीजिए।'

आप जानते ही हैं, दोनों यहां भी साथ रहे। दो चिताएं नहीं सजाई गईं। एक ही चिता पर दोनों लेटे थे। साथ निभाने का हर वादा निभाया। मर कर भी। दरअसल जनरल रावत ने कभी कोई वादा तोड़ा ही नहीं। न देश से, न फौज से और न ही पत्नी मधुलिका से।

जय हिंद!

अनंत यात्रा पर सबसे बड़ा योद्धा

17 तोपों की सलामी, बेटियों ने दी मुखाग्नि...

नई दिल्ली। देश के पहले चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल बिपिन रावत पत्नी मधुलिका समेत हमसे विदा हो गए। दिल्ली के आर्मी कैंट में शुक्रवार को जनरल रावत और उनकी पत्नी की पार्थिव देह को एक ही चिता पर अंतिम विदाई दी गई। दोनों बेटियों कृतिका और तारिणी ने एकसाथ उन्हें मुखाग्नि दी। इसके बाद दोनों के पार्थिव शव पंचतत्व में विलीन हो गए। जनरल रावत और मधुलिका को मुखाग्नि देने के बाद बेटियां कृतिका और तारिणी एकटक चिता को निहारती रहीं। आंखें नम थीं। फिर गले लगीं और फूट-फूटकर रोने लगीं, एक-दूसरे को संभाला भी। अंत्येष्टि स्थल पर मंजर हृदय विदारक था। लेकिन, इस दौरान भी सेना का वही जज्बा दिखा जिसके लिए उसे जाना जाता है। जनरल रावत की अंतिम यात्रा भावुक कर देने वाली रही। सेना के किसी सर्वोच्च अफसर की अंतिम यात्रा के लिए शायद ही दिल्ली में कभी ऐसी भीड़ उमड़ी हो। पूरे रास्ते पर लोगों ने फूल बरसाए और शव वाहन के साथ-साथ तिरंगा लेकर दौड़े। नारे लगाते रहे- जनरल बिपिन रावत अमर रहें। अंतिम संस्कार के दौरान पूरा आर्मी कैंट भारत माता की जय, वंदे मातरम् के नारों से गूंजता रहा।

पापा मेरे हीरो थे, लेकिन शायद यही किस्मत थी...

हेलिकॉप्टर दुर्घटना में CDS जनरल बिपिन रावत के साथ जान गंवाने वाले उनके सलाहकार ब्रिगेडियर एल.एस. लिड्डर का दिल्ली कैंट के बराड़ स्क्वायर में अंतिम संस्कार किया गया। देश के इस जांबाज सिपाही के अंतिम संस्कार की तस्वीरें जिसने देखीं, अपने आंसू रोक नहीं पाया। अंतिम संस्कार के समय लिड्डर की पत्नी बार-बार उनके ताबूत को चूमकर रोती रहीं। इसके

बाद लिड्डर की बेटी ने अपने बहादुर पिता को मुखाग्नि दी।

ब्रिगेडियर लिड्डर की पत्नी गीतिका ने कहा, 'यह मेरे लिए बहुत बड़ा नुकसान है, लेकिन मैं एक सैनिक की पत्नी हूं। हमें उन्हें हंसते हुए एक अच्छी विदाई देनी चाहिए। जिंदगी बहुत लंबी है, अब अगर भगवान को ये ही मंजूर है, तो हम इसके साथ ही जिएंगे।' इसके बाद वे पूरे समय तिरंगे को सीने से लगाकर खड़ी रहीं।

तीनों सेनाध्यक्षों और रक्षामंत्री ने दी श्रद्धांजलि

तीनों सेनाध्यक्षों और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने जनरल रावत को अंतिम श्रद्धांजलि दी। उन्हें 17 तोपों की सलामी दी गई और इस दौरान 800 मिलिट्री जवान मौजूद थे। इस दौरान सेना के जवानों का जज्बा देखने लायक था। उनके चेहरे पर देशभक्ति का वही भाव था, जो देश की सेवा करने के दौरान दिखाई देता है। यही तो भारतीय सेना की पहचान है।

रावत की अंतिम यात्रा में शामिल हुए 4 पड़ोसी देशों के टॉप कमांडर

इस दौरान पाकिस्तान के उच्चायोग में तैनात सुरक्षा सलाहकार भी जनरल रावत को श्रद्धांजलि देने के लिए उनके घर पर पहुंचे थे। सीडीएस जनरल रावत की अंतिम यात्रा में शामिल होने जनरल शेवेंद्र सिल्वा भी पहुंचे, जो श्रीलंका के चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ हैं और आर्मी कमांडर हैं। इसके अलावा रॉयल भूटान आर्मी के

डिप्टी चीफ ऑपरेशंस ऑफिसर ब्रिगेडियर दोरजी रिंचेन भी शामिल हुए। नेपाली सेना के चीफ ऑफ जनरल स्टाफ लेफ्टिनेंट जनरल बालकृष्ण कार्की भी शामिल हुए। यही नहीं बांग्लादेश के प्रिंसिपल स्टाफ ऑफिसर लेफ्टिनेंट जनरल वाकिर-उज-जमान भी अंतिम यात्रा में थे।

श्रीलंका के पूर्व चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ एडमिरल रविंद्र चंद्रश्री विजेगुणारत्ने भी पहुंचे। वह जनरल रावत के कोर्स मेट थे और उनके करीबी दोस्तों में से एक थे।

Short News एक नजर

अफगान से 110 लोग भारत पहुंचे

नई दिल्ली/काबुल। भारत सरकार ऑपरेशन देवी शक्ति के तहत 110 लोगों को हिंसाग्रस्त

अफगानिस्तान से नई दिल्ली ले आई है। शुक्रवार को एक स्पेशल फ्लाइट इन लोगों को लेकर काबुल से रवाना हुई और दोपहर को इसने दिल्ली एयरपोर्ट पर लैंड किया। भारत लाए गए लोगों में कुछ अफगान नागरिक भी हैं, ये सिख और हिंदू धर्म के अनुयायी हैं। ये लोग अपने साहब पवित्र गुरू ग्रंथ साहिब और हिंदू धर्म ग्रंथ जैसे रामायण-भगवद गीता भी लाए हैं। दिल्ली एयरपोर्ट पर इन्हें भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा और केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने रिसीव किया।

गोवा में कांग्रेस को झटका

पणजी। बीते कुछ वक्त से तटीय राज्य गोवा में मुश्किलों का सामना कर रही कांग्रेस को शुक्रवार को एक बार फिर से झटका लगा है। पोरवोरिम विधानसभा सीट के कई नेताओं ने इस्तीफे दे दिए हैं। अहम बात यह है कि ये इस्तीफे शुक्रवार सुबह उस वक्त दिए गए हैं, जब प्रियंका गांधी राज्य के दौरे पर आ रही हैं। इन नेताओं का कहना है कि कांग्रेस राज्य में विधानसभा चुनाव लड़ने को लेकर सीरियस नहीं दिख रही है। कुछ नेताओं के एटिट्यूड से ऐसा लग रहा है कि कांग्रेस चुनाव लड़ने को लेकर गंभीर नहीं है।

जूलियन असांजे के अमेरिकी प्रत्यर्पण को मंजूरी

नई दिल्ली। ब्रिटेन की एक अदालत ने निचली अदालत के फैसले को पलटते हुए विकीलीक्स के संस्थापक जूलियन असांजे के अमेरिकी प्रत्यर्पण को मंजूरी दे दी है। इस फैसले ने ब्रिटेन की अदालत के जनवरी के फैसले को उलट दिया जिसमें कहा गया था कि 50 साल के असांजे को उसके मानसिक स्वास्थ्य पर चिंताओं के कारण प्रत्यर्पित नहीं किया जा सकता जहां आत्महत्या का जोखिम है।

वाराणसी में श्री काशी विश्वनाथ कॉरिडोर का उद्घाटन

काशी में पीएम का स्वागत करेंगे 18 सीएम

अयोध्या में भी करेंगे रामलला का दर्शन

लखनऊ

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 13 दिसंबर को वाराणसी में श्री काशी विश्वनाथ कारिडोर का उद्घाटन करेंगे। इस दौरान विश्व की कई नामचीन हस्तियों के साथ 18 राज्यों के मुख्यमंत्री भी बाबा विश्वनाथ के दरबार में मत्था टेकेंगे।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का ड्रीम प्रोजेक्ट श्री काशी विश्वनाथ कारिडोर बाबा दरबार से गंगधार तक 5,27,730 वर्गफीट क्षेत्र में 345 करोड़ की लागत से बनाया गया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 13 दिसंबर को वाराणसी में श्री काशी विश्वनाथ कारिडोर का उद्घाटन करेंगे। वाराणसी में प्रधानमंत्री का स्वागत करने 18 राज्यों के

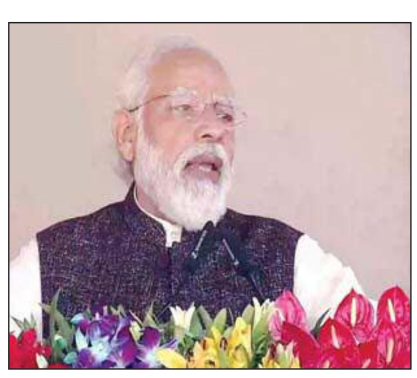

मुख्यमंत्री मौजूद रहेंगे। वहां पर बाबा के दरबार में शीश झुकाने के बाद यह सभी मुख्यमंत्री अयोध्या में श्रीराम लला का दर्शन करने भी जाएंगे। भाजपा शासित राज्यों के मुख्यमंत्री तथा डिप्टी सीएम बाबा विश्वनाथ की नगरी काशी में उनके दर्शन करने के बाद अयोध्या जाकर भगवान श्रीरामलला के दर्शन करेंगे।

पीएम नरेन्द्र मोदी 13 दिसंबर को अपने संसदीय क्षेत्र वाराणसी में श्रीकाशी विश्वनाथ कॉरिडोर का उद्घाटन करेंगे। इस दौरान भाजपा शासित 18 राज्यों के मुख्यमंत्री काशी में पीएम नरेन्द्र मोदी का स्वागत करेंगे। पीएम मोदी के कार्यक्रमों के लिए घाटों और मंदिरों को सजाया जा रहा है। पीएम मोदी मंत्रोच्चारण के बीच देश की विभिन्न नदियों से लाए गए जल से काशीपुराधिपति का अभिषेक करेंगे और उद्घाटन में 12 ज्योतिर्लिंग और 51 सिद्धपीठों के पुजारी होंगे। काशी में देव दीपावली मनाई जाएगी और काशी के अर्धचंद्राकार घाटों पर दीपमाला सजाई जाएगी। पीएम मोदी 13 दिसंबर की शाम खिड़कियों के घाट से अस्सी घाट तक नाव की सवारी भी कर सकते हैं।

धारावी में ओमिक्रॉन की एंट्री

मुंबई में तीन, पीसी में चार केस

मुंबई

महाराष्ट्र में कोरोना के नए वेरिएंट के मामले तेजी से बढ़ते जा रहे हैं। राज्य में ओमिक्रॉन के 7 और नए मामले सामने आने से हड़कंप मच गया है। मुंबई से 3, पिंपरी चिंचवड नगर निगम से 4 नए मामले सामने आए हैं। इसके बाद कुल संक्रमित मरीजों की संख्या 17 हो गई है। यह जानकारी महाराष्ट्र स्वास्थ्य विभाग की तरफ से दी गई है। तीनों मरीजों की हालत स्थिर है और उनके संपर्क में आने वाले लोगों की कोरोना रिपोर्ट निगेटिव आई है। मुंबई में शुक्रवार को तीन मरीज मिलने के बाद महानगर में ओमिक्रॉन संक्रमित मरीजों की संख्या बढ़कर पांच हो गई है।

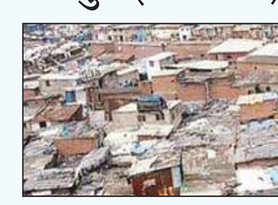

मुंबई महानगरपालिका से मिली जानकारी में कहा गया कि शुक्रवार को नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ वायरोलॉजी की तरफ से मिली जीनोम सीक्वेंसिंग रिपोर्ट में तीन लोगों के ओमिक्रॉन वेरिएंट से संक्रमित होने की पुष्टि हुई है। इन तीनों मरीजों में गंभीर लक्षण नजर नहीं आ रहे हैं और तीनों को मनपा के क्वारंटाइन सेंटर में भर्ती कराया गया है। पहला मरीज 48 वर्षीय पुरुष है, जो तंजानिया से 4 दिसंबर को मुंबई आया था। उसके कोरोना पॉजिटिव पाए जाने पर उसके सैंपल जीनोम सीक्वेंसिंग के लिए भेजे गए थे, जिसकी रिपोर्ट पॉजिटिव मिली है। धारावी निवासी इस व्यक्ति के संपर्क में आए दो लोगों की कोरोना रिपोर्ट निगेटिव आई है। संक्रमित व्यक्ति को इलाज के लिए सेवन हिल्स अस्पताल में भर्ती कराया गया है। ओमिक्रॉन संक्रमित पाया गया दूसरा व्यक्ति 25 वर्षीय युवक है। वह एक दिसंबर को लंदन से मुंबई पहुंचा था। युवक ने कोविड रोधी टीके की दोनों खुराक ले रखी है। इस व्यक्ति के संपर्क में आया कोई भी व्यक्ति कोरोना पॉजिटिव नहीं मिला है।

'भारत में लोकतंत्र है और आगे भी रहेगा'

नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को वीडियो कांन्फ्रेंसिग के जरिए समिट फार डेमोक्रेसी को संबोधित करते हुए कहा कि मुझे इस शिखर सम्मेलन में दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र भारत का प्रतिनिधित्व करने पर गर्व है। लोकतंत्र की भावना हमारी सभ्यता का अभिन्न अंग है। सदियों का प्रवासीय शासन भी भारतीय लोगों की लोकतांत्रिक भावना को नहीं दबा सका था। भारत की कहानी दुनिया के लिए एक स्पष्ट संदेश है कि लोकतंत्र लागू किया जा सकता है। भारत में लोकतंत्र है और लोकतंत्र आगे भी जारी रहेगा।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि सदियों का औपनिवेशिक शासन भारतीय लोगों की लोकतांत्रिक भावना को दबा नहीं सका। इसने भारत की स्वतंत्रता के साथ फिर से पूर्ण अभिव्यक्ति पाई और पिछले 75 वर्षों में लोकतांत्रिक राष्ट्र निर्माण में एक अद्वितीय कहानी रखी। बहुदलीय चुनाव, स्वतंत्र न्यायपालिका और स्वतंत्र मीडिया जैसी संरचनात्मक विशेषताएं लोकतंत्र के महत्वपूर्ण उपकरण हैं। हालांकि लोकतंत्र की मूल ताकत वह भावना और लोकाचार है जो हमारे नागरिकों और समाज में निहित है। दुनिया के विभिन्न हिस्सों ने लोकतांत्रिक विकास के विभिन्न रास्तों का अनुसरण किया है।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि हम एक दूसरे से बहुत कुछ सीख सकते हैं। हम सभी को अपनी लोकतांत्रिक प्रथाओं और प्रणालियों में लगातार सुधार करने की आवश्यकता है। आज की सभा दुनिया के लोकतंत्रों के बीच सहयोग को आगे बढ़ाने के लिए एक सामयिक मंच प्रदान करती है। इसमें भारत को स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव कराने और नवोन्मेषी, डिजिटल समाधानों के माध्यम से शासन के सभी क्षेत्रों में पारदर्शिता बढ़ाने में अपनी विशेषज्ञता साझा करने में खुशी होगी।

पीएम मोदी ने कहा कि लोकतंत्र हमारे नागरिकों की आकांक्षाओं को पूरा कर सकता है और मानवता की लोकतांत्रिक भावना का जश्न मना सकता है।

बेखौफ आतंकी! पुलिस टीम पर हमला

श्रीनगर

जम्मू-कश्मीर के बांदीपोरा जिले में आतंकवादियों ने पुलिसकर्मियों पर हमला किया है। इस हमले में दो पुलिसकर्मियों

दो जवान शहीद, सेना ने आतंकियों को घेरा

मोहम्मद सुल्तान और फयाज अहमद शहीद हो गए हैं। आतंकियों ने उस वक्त यह हमला किया, जब पुलिस टीम बांदीपोरा जिले में स्थित गुलशन चौक पर तैनात थी। इस घटना के बाद इलाके को घेर लिया गया है और आतंकवादियों की तलाश की जा रही है। फिलहाल इस बारे में और अधिक जानकारी का इंतजार है।

बांदीपोरा में शुक्रवार शाम गुलशन चौक पर आतंकवादियों ने पुलिस टीम पर अचानक फायरिंग कर दी। गोलीबारी में दो पुलिसकर्मी घायल हो गए। इन्हें तुरंत नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनकी मौत हो गई। सुरक्षाबलों ने इलाके को घेर लिया है और आतंकियों की तलाशी की जा रही है। इससे पहले 8 नवंबर को श्रीनगर के बटमालू इलाके में आतंकियों ने गोली मारकर 29 साल के एक पुलिसकर्मी की हत्या कर दी थी। जम्मू-कश्मीर की ग्रीष्मकालीन राजधानी में रविवार को एक आतंकवादी ने कायराना हमले में पुलिसकर्मी को शहीद कर दिया।

एनसीबी केस

नवाब ने मांगी माफी

मुंबई। एनसीबी के जोनल निदेशक समीर वानखेड़े के पिता द्वारा दायर मानहानि मामले में राकांपा नेता व महाराष्ट्र के मंत्री नवाब मलिक को शुक्रवार को बॉम्बे हाईकोर्ट से माफी मांगनी पड़ी। मलिक ने हाईकोर्ट से किए वादे को तोड़ते हुए वानखेड़े परिवार के खिलाफ टिप्पणी की थी। इस पर बॉम्बे हाईकोर्ट ने राकांपा नेता मलिक को नोटिस जारी कर एक हलफनामा दायर कर यह जवाब देने को कहा था कि कोर्ट के पूर्ववर्ती आदेश का जानबूझकर उल्लंघन करने के आरोप में क्यों न उनके खिलाफ कार्रवाई की जाए? एनसीबी मुंबई के क्षेत्रीय निदेशक समीर वानखेड़े के पिता ज्ञानदेव वानखेड़े व परिवार के अन्य लोगों के खिलाफ मलिक ने बयान दिए थे, जबकि इससे पूर्व उन्होंने कोर्ट को लिखकर दिया था कि वे वानखेड़े परिवार के खिलाफ कोई टिप्पणी नहीं करेंगे।

सुप्रीम कोर्ट की प्रदूषण मामले में केजरीवाल पर टिप्पणी अब तक के इतिहास में सबसे सख्त टिप्पणी :पूर्व अध्यक्ष विजय गोयल

केजरीवाल का अपना कोई विजन नहीं, कोर्ट की फटकार के बाद किया टास्क फोर्स का गठन

नई दिल्ली। पूर्व केन्द्रीय मंत्री व दिल्ली भाजपा के पूर्व अध्यक्ष विजय गोयल ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी जिसमें कोर्ट ने कहा कि दिल्ली के मुख्यमंत्री नाकाम साबित हो चुके है और अगर प्रदूषण का यही हाल रहा तो हमें केजरीवाल के ऊपर प्रशासक नियुक्त करना पड़ेगा, ये अब तक के इतिहास में किसी भी मुख्यमंत्री के लिए सबसे सख्त टिप्पणी है।

गोयल ने कहा कि दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल प्रदूषण रोकने में पूरी तरह विफल हो चुके हैं। आज दिल्ली की जनता त्रस्त है, लेकिन अफसोस दिल्ली के मुख्यमंत्री दूसरे राज्यों में पॉलिटिक्ल टूरिज्म में व्यस्त है। आज उनको पंजाब, उतराखंड यूपी गोवा की चिन्ता तो है, लेकिन जहां से दिल्ली वालों ने उन्हें चुनकर भेजा है,

गोयल ने कहा कि न सिर्फ प्रदूषण बल्कि आज दिल्लीवासी गन्दे पानी का प्रदूषण भी झेल रहे हैं। मुख्यमंत्री खुद कह चुके हैं कि 2025 से पहले यमुना साफ नहीं होगी, इसका मतलब दिल्ली वालों को 2025 तक पीने का साफ पानी मिलना असंभव है।

उनकी चिन्ता नहीं है। आज कोर्ट की फटकार के बाद मुख्यमंत्री ने टास्क फोर्स का गठन तो किया लेकिन यह फैसला भी सुप्रीम कोर्ट की डांट के बाद बना। ये फैसला यह दिखाता है कि मुख्यमंत्री में अपना कोई विज़न नहीं है और हर काम दूसरों पर थोपने के अलावा उन्हें कुछ नहीं आता।

गोयल ने कहा कि मुख्यमंत्री को तुरन्त दिल्ली के सातों सांसद, एमसीडी, और विपक्ष के चुने हुए प्रतिनिधियों को बुलाकर विचार-विमर्श करना चाहिए कि दिल्ली का प्रदूषण कैसे दूर किया जाए।

पाक-तालिबान में जंग की जमीन तैयार

शरिया कानून को लेकर नहीं बनी बात

नई दिल्ली। तालिबान ने अब पाकिस्तान के साथ एक बार फिर जंग का ऐलान कर दिया है। पाकिस्तान और तहरीक-ए-तालिबान के बीच सीजफायर चल रहा था, लेकिन अब तालिबान ने कहा है कि वो इस सीजफायर को खत्म कर रहे हैं। तालिबान ने अपने लड़ाकुओं से कहा है कि वो अब पाकिस्तान पर हमला शुरू करें।

तालिबान ने पाकिस्तान की इमरान खान सरकार पर आरोप लगाया है कि वो उनके पूर्व में लिए गए फैसलों को सम्मान नहीं दे रही है। गुरुवार को तालिबान ने इमरान खान सरकार के साथ पिछले एक महीने से चले आ रहे सीजफायर को खत्म करने का ऐलान कर दिया। एक रिपोर्ट के मुताबिक इससे पहले टीटीपी और पाकिस्तान के बीच वार्ता के कई दौर चले थे। अफगान तालिबान, पाकिस्तान और टीटीपी के बीच मध्यस्थता कराने के लिए राजी हुआ था और वो दोनों ही तरफ से इसमें अपनी भूमिका निभा रहा था। 25 अक्टूबर 2021 को पाकिस्तान सरकार और टीटीपी 6 बिंदुओं पर समझौते के करीब पहुंचे थे।

उइगरों पर दमन करना अब चीन को पड़ेगा भारी, प्रतिनिधि सभा में 428-1 से पारित हुआ कानून

वाशिंगटन। अमेरिकी प्रतिनिधि सभा ने चीन के शिनजियांग क्षेत्र में उइगर और अन्य मुस्लिम समूहों पर दबाव डालकर श्रम करवाने वाले नियमों को रोकने के लिए कानून पारित किया है। सदन में वोटिंग के बाद कानून लागू किया गया है। 428-1 के भारी बहुमत से ' उइगर जबरन श्रम रोकथाम अधिनियम1 का खुलकर समर्थन किया गया। अब इसे सीनेट के पास भेजा जाएगा। वहां से पास होने के बाद राष्ट्रपति की मुहर लग जाएगी। बता दें कि चीन झिंजियांग में दुर्व्यवहार से इनकार करता है, लेकिन अमेरिकी सरकार और कई अधिकार समूहों का कहना है कि बीजिंग वहां नरसंहार कर रहा है। इस बिल के पास होने जाने से शिनजियांग से मैन्युफैक्चर हुए सामान पर रोक लगाई जा सकती है। रिपोर्ट्स के मुताबिक़ चीनी सरकार ने उइगर और अन्य मुस्लिम अल्पसंख्यकों के लिए डिटेनशन कैम्पस बनाए हुए हैं।

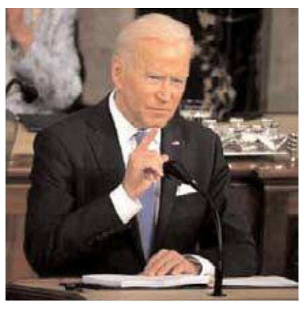

सौर विनिर्माण: भारत के समर्थन में आया अमेरिका, डीएफसी ने कंपनी को दिया 50 करोड़ डॉलर का कर्ज

वाशिंगटन। अमेरिकी अंतरराष्ट्रीय विकास वित्तीय कॉर्पोरेशन (डीएफसी) ने भारत में सौर विनिर्माण सुविधा का समर्थन करने के लिए अमेरिका की सबसे बड़ी सौर निर्माण कंपनी के लिए 50 करोड़ डॉलर के ऋण वित्तपोषण की घोषणा की है। यह कंपनी तमिलनाडु में काम करेगी। अमेरिका ने कंपनी को जलवायु परिवर्तन से निपटने और भारत के साथ रिश्तों को गहरा करने पर ध्यान केंद्रित करने का निर्देश दिया है। वॉल स्ट्रीट जर्नल की एक रिपोर्ट के मुताबिक, इससे पहले 2019 में अमेरिकी संसद ने एक पूर्ववर्ती एजेंसी से डीएफसी को विकासशील देशों में विकास बढ़ाने और सरकारों से समन्वय करने का आदेश दिया था। डीएफसी के कार्यवाहक मुख्य कार्यकारी देव जगदेसन ने कहा, भारत में अपने पहले सौर उद्यम को लेकर हम रोमांचित है। यह भारत स्थित कंपनी के लिए सौर पैनल निर्माण क्षमता को बढ़ावा देगी। फर्स्ट सोलर के सीईओ मार्क विडमार ने कहा, भारत ने माना है कि उसे अपने टिकाऊ ऊर्जा भविष्य को आकार देना है और उसकी घरेलू सौर विनिर्माण क्षमता के विस्तार को बढ़ावा देना है। हम उन्हें यह सुविधा मुहैया कराएंगे।

ब्रिटेन में कोरोना: ओमिक्रॉन के 131 नए मामले आए सामने, पीएम जॉनसन उठाएंगे कड़े कदम

लंदन। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन ने ओमिक्रॉन के बढ़ते मामलों को देख कड़े कदम उठाने की घोषणा की है। उन्होंने कहा कि जहां संभव हो घर से काम करें और मास्क लगाएं और किसी स्थान पर जाने से पहले टीकाकरण का प्रमाणपत्र इस्तेमाल करें। ब्रिटेन में ओमिक्रॉन के कुल मिलाकर 568 नए मामले हो गए हैं। यूके के पीएम जॉनसन ने डाउनिंग स्ट्रीट मीडिया ब्रीफिंग को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि ओमिक्रॉन कोरोना वायरस वैरिएंट पहले के प्रमुख डेल्टा वैरिएंट की तुलना में अधिक तेजी से प्रसारित होता है। इसका पहला मामला दक्षिण अफ्रीका में सामने आया था।

पीएम जॉनसन ने एक बार फिर सभी वयस्क से कोरोना टीकाकरण के लिए आगे आने का आह्वान किया। साथ उन्होंने कहा कि तीसरी टॉप-अप बूस्टर खुराक के लिए पात्र लोग भी बूस्टर डोज ले लें। उन्होंने कहा कि सिनेमाघरों सहित सार्वजनिक इनडोर स्थानों पर फेस मास्क पहनने की कानूनी आवश्यकता को और बढ़ाएंगे। पीएम जॉनसन ने कहा कि हम सोमवार से घर से काम करने के लिए मार्गदर्शन फिर से शुरू करेंगे, यदि आप कर सकते हैं, तो काम पर जाएं, लेकिन यदि आप कर सकते हैं तो घर से काम करें। साथ ही कहा कि हम नाइट क्लबों और स्थानों में प्रवेश के लिए एनएचएस कोविड पास को अनिवार्य बना देंगे। कुल मिलाकर, ब्रिटेन ने पिछले 24 घंटों में 51,342 नए कोरोना वायरस के मामले दर्ज किए और साथ ही कोरोना पॉजिटिव पाए जाने के 28 दिनों के भीतर 161 और लोगों की मौत हो गई। ब्रिटेन की राष्ट्रीय स्वास्थ्य सेवा (एनएचएस) ने कहा कि लगभग 21 मिलियन बूस्टर और तीसरी खुराक दी गई है।

आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस से पता चलेंगी भविष्य में होने वाली बीमारियां, शोधकर्ताओं ने विकसित की नई प्रणाली

न्यूयार्क। बफैलो यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं के एक दल ने आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस (एआइ) की एक नई प्रणाली विकसित की है, जो मरीज में उम्र बढ़ने के साथ होने वाली गंभीर बीमारियों की जानकारी पहले से दे देगी। इस शोध को 'जर्नल आफ फार्माकोकायनेटिक्स एंड फार्माकोडायनेमिक्स' में प्रकाशित किया गया है। इस माडल में मेटाबोलिक (उपापचय) और कार्डियोवस्कुलर (धमनी और हृदय संबंधी) बायोमार्कर का प्रयोग किया जाएगा। इसे मापने की जैविक प्रक्रिया के जरिये शरीर में कोलेस्ट्राल स्तर, बाडी मास इंडेक्स, ग्लूकोज और ब्लड प्रेशर का आकलन करके सेहत का हाल पता लगाया जाएगा। साथ ही लोगों के जीवनकाल में उसे होने वाली बीमारियों का अंदेशा भी वैज्ञानिक आधार पर आंका जाएगा। इस एआइ माडल के जरिये व्यक्ति की

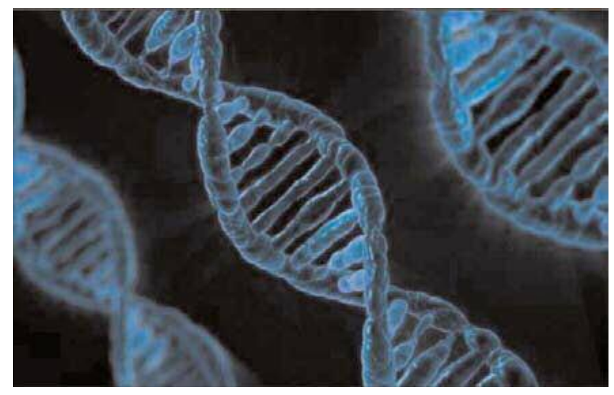

उम्र बढ़ने से उसके पाचन और श्वसन संबंधी रोगों के खतरे का आकलन होगा। उम्र बढ़ने के साथ शरीर में होने वाले परिवर्तन का कोशिकाओं, मानसिक स्थिति और व्यवहार संबंधी गतिविधियों पर विपरीत असर पड़ता है। फार्मास्यूटिकल साइंस के प्रोफेसर मुरली रामनाथन ने कहा कि इस जानकारी से हम किसी रोग के विकास क्रम को बेहतर तरीके से समझ पाएंगे। साथ ही भावी मरीजो को भी अपने बचाव के लिए पर्याप्त समय मिलेगा। कई नैदानिक थेरेपी के जरिये मरीजों को उस बीमारी की ओर बढ़ने से रोका जा सकता है। इस माडल से दीर्घावधिक क्रानिक ड्रग थेरेपी का भी आकलन किया जा सकेगा, जिससे डाक्टरों को डायबिटीज, हाई कोलेस्ट्राल और हाई ब्लड प्रेशर जैसी बीमारियों के इलाज में निगरानी रखने में भी मदद मिलेगी।

जनरल रावत एक सच्चे लीडर, इजरायल के सच्चे दोस्त थे : प्रधानमंत्री बेनेट

यरूशलेम। इजरायल ने जनरल बिपिन रावत, जो भारत के पहले चीफ आफ डिफेंस स्टाफ थे, उनके निधन पर दुख व्यक्त किया है। इजरायल ने कहा, जनरल हमारे सच्चे दोस्त थे और वे एक सच्चे लीडर रहे। इजरायल द्वारा भारत सरकार व देश के लोगों के प्रति इस दखद और भारी नुकसान को लेकर संवेदना व्यक्त की गई है। बता दें कि बुधवार को रावत एक हेलीकाप्टर दुर्घटना में मारे गए थे।

63 वर्षीय त्रि-सेवा प्रमुख को ले जा रहा भारतीय वायु सेना का Mi-17V5 हेलीकाप्टर तमिलनाडु के कुन्नूर के पास दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिसमें उनकी पत्नी और 11 अन्य सशस्त्र बलों के कर्मियों सहित 14 में से 13 लोगों की मौत हो गई। इजरायल के प्रधानमंत्री नफ्ताली बेनेट ने एक ट्वीट में

कहा, 'मेरी संवेदनाएं और प्रार्थनाएं भारत में दुखद हेलीकाप्टर दुर्घटना में मारे गए लोगों के परिवारों के साथ हैं। उनकी आत्मा को शांति मिले।' उन्होनें कहा, 'जनरल बिपिन रावत इजरायल के सच्चे दोस्त थे और वे एक सच्चे लीडर रहे। इस कठिन समय में पीएम नरेंद्र मोदी और भारतीय लोगों को ताकत मिले। रक्षा मंत्री बेनी गैंट्ज, जिन्होंने अतीत में इजरायल रक्षा बलों के चीफ आफ स्टाफ के रूप में कार्य किया है, ने रक्षा प्रतिष्ठान की ओर से संवेदना व्यक्त की और ट्विटर पर व्यक्तिगत दुःख भी व्यक्त किया।

विदेश मंत्री यायर लैपिड ने भी शोक संदेश लिखा। इजरायल केसेट (संसद) के अध्यक्ष मिकी लेवी ने भी दुखद क्षति पर शोक व्यक्त किया। भारत में इजरायल के पूर्व राजदूत डेनियल कारमोन के मुताबिक, रावत जल्द ही इजरायल जाने वाले थे। बत ा दें कि जनरल रावत, अपनी पत्नी मधुलिका रावत के साथ, जिन्होंने आर्मी वाइव्स वेलफेयर एसोसिएशन की अध्यक्ष के रूप में कार्य किया, बुधवार को तमिलनाडु के वेलिंगटन जा रहे थे, जब उनका हेलीकाप्टर उतरने से कुछ मिनट पहले दुर्घटनाग्रस्त हो गया था।

पाकिस्तान हिंसा : श्रीलंकाई की लिंचिंग पर बोले इमरान खान, कहा-धर्म के नाम पर हिंसा बर्दाश्त नहीं

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान ने कहा कि उनकी सरकार धर्म के नाम पर भीड़ की हिंसा को बर्दाश्त नहीं करेगी और इसके लिए जिम्मेदार लोगों को नहीं बख्शेगी। वह मारे गए श्रीलंकाई नागरिक प्रियंता कुमारा के लिए प्रधानमंत्री कार्यालय में आयोजित एक शोक सभा को संबोधित कर रहे थे। प्रियंता की सियालकोट में ईशनिंदा के आरोप में भीड़ ने पीट-पीटकर हत्या के बाद उनके शव को आग लगा दी थी। खान ने कहा कि पाकिस्तान एकमात्र ऐसा देश है जिसकी स्थापना इस्लाम के नाम पर हुई थी, लेकिन सियालकोट जैसी घटनाएं शर्म की बात हैं। उन्होंने कहा कि हम पूरी तरह से अलग दिशा में जा रहे हैं और राष्ट्र को पैगंबर साहब के जीवन का अध्ययन करना चाहिए।

खान ने कहा कि सियालकोट के व्यापारिक समुदाय ने मृतक श्रीलंकाई नागरिक के परिवार के लिए 1,00,000 डॉलर एकत्र किए हैं। उन्होंने कहा कि पीड़ित परिवार को जीवनपर्यंत अवधि के लिए उनका (मृतक) मासिक वेतन मिलेगा।

पाक रक्षामंत्री ने शर्मनाक बयान पर दी सफाई

पाकिस्तान के रक्षामंत्री परवेज खट्टक ने इस घटना पर की अपनी शर्मनाक टिप्पणी पर सफाई दी है। खट्टक ने कहा, मैंने सियालकोट लिंचिंग पर टिप्पणी सरकार व टीएलपी समझौते को लेकर पूछे गए सवाल पर की थी। मैंने कहा था कि इस घटना को किसी भी सियासी दल या सरकार से नहीं जोड़ा जाना चाहिए।

दक्षिण कोरिया में बच्चों को कोरोना वैक्सीन लगाने पर जारी आदेश के खिलाफ पेरेंट्स का विरोध प्रदर्शन

सियोल। दक्षिण कोरिया में कई माता-पिता यूनियन ने किशोरों के बीच कोविड-19 के प्रसार को रोकने के उद्देश्य से बच्चों के लिए पास किए वैक्सीन लगाने के जनादेश के खिलाफ गुरुवार को विरोध प्रदर्शन किया। सरकार ने कहा है कि फरवरी से, 12 साल या उससे अधिक उम्र के किसी भी व्यक्ति को सार्वजनिक स्थानों में प्रवेश करने के लिए वैक्सीन पास दिखाना होगा, जिसमें निजी ट्यूशन सेंटर, पुस्तकालय और अध्ययन कैफे शामिल हैं, जहां अधिकांश छात्र स्कूल के बाद जाते हैं। छूट की आयु वर्तमान में 17 वर्ष निर्धारित की गई है।

हालांकि, जनादेश ने कुछ माता-पिता के बीच माहौल बिगाड़ दिया, जो संभावित दुष्प्रभावों और जो समझते हैं कि टीका लगवाने के बावजूद संक्रमण हो रहा है, तो ऐसी सब रिपोर्ट का हवाला देते हुए अपने बच्चों का टीकाकरण करने से इनकार करते हैं। माता-पिता संघों के कम से कम 70 सदस्य गुरुवार को चेओंगजू शहर में कोरिया रोग नियंत्रण और रोकथाम एजेंसी की इमारत के सामने इकट्ठा हुए, जिसमें 'वैक्सीन तानाशाही' लिखा हुआ था। एक अन्य कार्यकर्ता समूह द्वारा इस सप्ताह किए गए एक सर्वेक्षण में दिखाया गया कि

18,000 से अधिक माता-पिता में से 93त्न ने जवाब दिया कि वे छात्रों पर वैक्सीन पास जनादेश लागू करने के विचार के खिलाफ हैं। स्वास्थ्य अधिकारियों ने कहा है कि टीके गंभीर लक्षणों से सुरक्षा प्रदान करते हैं और किशोरों में प्रतिकूल दुष्प्रभावों की दर वयस्कों की तुलना में कम है।

बता दें कि यहां वैक्सीन लगाने का जनादेश जारी हुआ है, क्योंकि नवंबर में कक्षाओं को फिर से शुरू करने के बाद दक्षिण कोरिया में किशोरों में संक्रमण तेजी से बढ़ा है। पिछले चार हफ्तों में 100,000 बच्चों में से 210 संक्रमणों की सूचना मिली, जबकि वयस्कों की समान संख्या में से केवल 167 ने सकारात्मक परीक्षण किया। इस सप्ताह नए दैनिक संक्रमण पहली बार बढ़कर 7,000 से अधिक हो गए।

म्यांमार में सेना का घिनौना कृत्य :गांववालों को इकट्ठा किया, हाथ बांधे और जिंदा जला दिया, पांच बच्चों समेत 11 की मौत

सियोल। लोकतंत्र समर्थकों को बंदूक के बल पर कुचल रही म्यांमार की सेना की तानाशाही बढ़ती ही जा रही है। रिपोर्ट के अनुसार इस बार म्यांमार की सेना ने ग्रामीणों पर कहर बरपाया है। बताया जा रहा है कि म्यांमार की सेना ने पांच बच्चों समेत 11 ग्रामीणों को जिंदा जला दिया है। म्यांमार के उत्तर-पश्चिम के सगाइंग क्षेत्र के डॉन ताव गांव में जले हुए शवों की तस्वीरें और एक वीडियो मंगलवार को सोशल मीडिया पर फैल जाने के बाद घटना की जानकारी सामने आई।

वीडियो फुटेज भी आई सामने

इस वीडियो फुटेज को पुरुषों को गोली मारने और जलाने के कुछ ही समय बाद लिया गया था, वहीं कुछ पीड़ित कथित तौर पर उस समय भी जीवित थे जब वीडियो बनाया जा रहा था। एक फरवरी के तख्तापलट के बाद से इस क्षेत्र में सैन्य शासन के विरोधियों द्वारा स्थापित जुंटा की सेना और मिलिशिया के बीच भयंकर लड़ाई देखी गई है। वीडियो में देखा जा

सकता है कि पहले सेना ने कुछ गांव वाले को इकट्ठा किया फिर हाथ बांध दिए और फिर आग के हवाले कर दिया। संयुक्त राष्ट्र के प्रवक्ता स्टीफन दुजारिक ने 11 लोगों की भीषण हत्या की रिपोर्टों पर गहरी चिंता व्यक्त की और इस तरह की हिंसा की कड़ी निंदा करते हुए कहा, विश्वसनीय रिपोर्टों से संकेत मिलता है कि मारे गए लोगों में पांच बच्चे भी शामिल थे।

अमेरिका:सीनेट ने बाइडन प्रशासन के प्रस्ताव को किया इनकार, निजी व्यवसाय के लिए टीकाकरण अनिवार्य करने पर था जोर

वाशिंगटन। अमेरिकी सीनेट ने बाइडन प्रशासन के उस प्रस्ताव को खारिज कर दिया, जिसमें निजी कारोबारों से जुड़े लोगों को टीकाकरण अनिवार्य करने के प्रस्ताव दिया गया था। प्रस्ताव में 100 या अधिक श्रमिकों वाले व्यवसायों में उनके कर्मचारियों को कोरोना वायरस के खिलाफ टीका लगाया जाए या साप्ताहिक परीक्षण के लिए प्रस्तुत किया जाए। सीनेट में इसको लेकर वोटिंग भी कराई गई , जिसमें 52-48 वोट हासिल हुए। हालांकि, अदालतों ने इसे अभी के लिए रोक लगा दी है। फिर भी, वोट ने सीनेटरों को एक ऐसी नीति के विरोध में आवाज उठाने का मौका दिया, जिसके बारे में उनका कहना है कि इससे व्यवसायों से घर वापस आने का डर पैदा हो गया है और उन असंबद्ध घटकों से जो अपनी नौकरी खोने की चिंता करते हैं, नियम को लागू होना चाहिए। नियम के तहत, 100 या अधिक श्रमिकों वाली निजी क्षेत्र की कंपनियों को अपने कर्मचारियों को कोविड-19 के खिलाफ पूरी तरह से टीका लगाने या साप्ताहिक रूप से वायरस के लिए परीक्षण करने और काम पर मास्क पहनने की आवश्यकता होती है।

पूर्वी पाकिस्तान में नरसंहार से भारत ने की थी लाखों शरणार्थियों की रक्षा : तिरुमूर्ति

नोबेन्यूयार्क। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि टीएस तिरुमूर्ति ने शरणार्थियों के मानवाधिकार संरक्षण के लिए प्रतिबद्धता जताते हुए कहा जब पश्चिमी पाकिस्तान ने पूर्वी पाकिस्तान में नरसंहार शुरू किया तो भारत ने लाखों शरणार्थियों को अपने देश में शरण दी और तब जारी नरसंहार से उनकी रक्षा की। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में शरणार्थियों के संयुक्त राष्ट्र उच्चायुक्त (यूएनएचसीआर) की ओर से तिरुमूर्ति ने कहा कि सशस्त्र संघर्ष रोकने, आतंकवाद की रोकथाम और स्थायी शांति की स्थापना से लोगों को अपने देश को छोड़ने को विवश नहीं होना पड़ेगा। हम सरकारी स्तर पर ऐसी नीतियां नहीं बना सकते जहां उन्हें एक देश में प्रताड़ित किया जाए और फिर दूसरे देश में उनको शरणार्थी बनाने का प्रबंध हो। उन्होंने कहा कि इस मुद्दे पर किसी देश की संप्रभुता की अवधारणा को कम नहीं आंकना चाहिए। अंतरराष्ट्रीय कार्रवाई उस अवधारणा के दायरे में ही हो।

राजदूत तिरुमूर्ति ने कहा कि समकालीन इतिहास में भारत के सत्कार में कोई कमी नहीं रही है। पड़ोसी देशों के शरणार्थियों की मदद करने के मामले में भारत का बेहतरीन रिकार्ड है। फिर चाहे वह तिब्बती हों, या बांग्लादेश, श्रीलंका, अफगानिस्तान और म्यांमार के हमारे भाई-बहन हों। भारत ने इस विषय में हमेशा पूरी सहृदयता से काम लिया है। उन्होंने बताया कि इतिहास साक्षी है कि भारत ने हमेशा उन लोगों को शरण दी है जो विदेशी भूमि में सताए गए हैं। शरणार्थियों के मुद्दों पर भारत का रुख हमेशा मानवीय रहा है। हमने सदियों पहले सताए गए यहूदियों और पारसियों को शरण दी। उन्हें भारत में अपना घर मिला। अब उनकी संस्कृति हमारी संस्कृति में रच बस गई है। भारतीय राजदूत ने कहा कि मौजूदा समय में भारत लाखों शरणार्थियों का घर है। साथ ही यह देश अपने ही संसाधनों से उनकी देखरेख कर रहा है। उन्होंने कहा कि भारत चाहता है कि अब इन शरणार्थियों को अपने देश में सम्मानजनक, सुरक्षित और सतत वापसी मिले।

पश्चिमी इराक में हवाई हमला, इस्लामिक स्टेट के 6 आतंकी ढेर

बगदाद। इराक के पश्चिमी प्रांत अनबर में हुए एक हवाई हमलेके दौरान छह आतंकी मारे गए। ये सभी इस्लामिक स्टेट समूह के थे। यह हवाई हमला इराक के युद्धक विमान द्वारा अंजाम दिया गया था। यह जानकारी इराकी सेना ने सोमवार को दी। इराकी सेना के कमांडर-इन-चीफ के प्रवक्ता याहिया रसूल ने एक बयान में कहा कि अंतरराष्ट्रीय गठबंधन के एक टोही विमान ने अनबर प्रांत में एक रेगिस्तानी इलाके में आतंकी ठिकाने को खोज निकाला और इराकी युद्धक विमानों से हवाई हमला किया। इसमें इस्लामिक स्टेट के छह आतंकी ढेर हो गए। इसके बाद इस आतंकी ठिकाने पर इराकी आर्मी पहुंची ताकि यह पता लग सके कि वहां और भी आतंकी हैं या नहीं , कितनी मात्रा में हथियार आदि है।

पिछले ही हफ्ते उत्तरी इराक में IS ने किया था हमला

तीन दिन पहले ही उत्तरी इराक के एक गांव में इस्लामिक स्टेट के

आतंकियों के हमले में कुर्दिश बल के एक सदस्य समेत कम से कम 12 लोगों की मौत हो गई। सरकारी प्रसारक रूडा ने अपनी वेबसाइट पर बताया है कि यह हमला मखमौर क्षेत्र के एक गांव में गुरुवार देर शाम को हुआ जिसके बाद कुर्दिश पेशमेर्गा बलों के साथ टकराव पैदा हो गया। मारे गये लोगों में नौ पेशमर्गा एवं तीन नागरिक हैं। इस्लामिक स्टेट को साल 2017 में लड़ाई के मैदान में हरा दिया गया था लेकिन कुर्दिश पेशमर्गा लड़ाकों समेत इराकी सुरक्षा बलों को निशाना बनाकर हमले किया जाना यहां आम घटना है। अनेक इलाकों में आतंकी सक्रिय हैं।

गत महीनों के दौरान इस्लामिक स्टेट के हमले सुन्नी प्रांतों में मौजूद इराक के सुरक्षा बलों पर अधिक हो रहे हैं। बता दें कि इन ठिकानों पर कभी आतंकियों का कब्जा था। 2017 में इस्लामिक स्टेट को इराकी सुरक्षा बलों ने हरा दिया था और इसके बाद यहां के हालात में काफी सुधार है।

तेजी से फैल रहा ओमिक्रोन, अब तक 57 देशों में मिले मामले, डब्ल्यूएचओ ने जांच बढ़ाने का किया आह्वान

जिनेवा। कोरोना का नया वैरिएंट ओमिक्रोन दुनिया के कई मुल्कों में तेजी से फैल रहा है। विश्व स्वास्थ्य संगठन यानी डब्ल्यूएचओ ने बुधवार को बताया कि कोरोना का ओमिक्रोन वैरिएंट अब तक 57 देशों में रिपोर्ट किया जा चुका है। वहीं जिम्बाब्वे समेत दक्षिणी अफ्रीका में कोरोना के मामलों में तेजी से बढ़ोतरी दर्ज की जा रही है। समाचार एजेंसी रायटर की रिपोर्ट के मुताबिक संयुक्त राष्ट्र की स्वास्थ्य एजेंसी ने ओमिक्रोन के बढ़ते प्रसार के चलते अस्पतालों में मरीजों के बढ़ने का डर जताया है।

सख्त कदम उठाने का वक्त

डब्ल्यूएचओ के महानिदेशक टेड्रोस अढानम घेब्रेयेसस ने कहा कि जिस तरह से दुनिया भर में ओमिक्रोन का प्रसार हो रहा है उससे साफ है कि महामारी पर इसका व्यापक प्रभाव पड़ेगा। अस्पतालों में मरीजों की संख्या

बढ़ने से पहले इसको रोकने के लिए सख्त कदम उठाने का समय आ गया है। उन्होंने सभी देशों से निगरानी, जांच और सीक्वेंसिंग बढ़ाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि किसी भी तरह की लापरवाही जिंदगी पर भारी पड़ेगी।

इन सवालों के जवाब को जानने में लगेगा वक्त

हालांकि, डब्ल्यूएचओ ने अपनी साप्ताहिक महामारी रिपोर्ट में कहा है कि ओमिक्रोन वैरिएंट से गंभीर संक्रमण होने और वैक्सीन से पैदा हुई प्रतिरक्षा को कमजोर करने का आकलन करने के लिए अभी और आंकड़ों की जरूरत है। डब्ल्यूएचओ ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि अगर डेल्टा वैरिएंट की इसकी गंभीरता समान या उससे कुछ कम भी होती है तब भी अस्पताल में संक्रमितों की संख्या बढ़ने की आशंका है क्योंकि यह बहुत तेजी से फैल रहा है। हालांकि, इसके घातक होने की संभावना कम है।

मौतों की संख्या में गिरावट

डब्ल्यूएचओ ने यह भी कहा कि पिछले कुछ दिनों की वृद्धि के बाद यूरोपीय क्षेत्र में कोरोना संक्रमण के मामलों और इससे होने वाली मौतों की संख्या में गिरावट आई है। डब्ल्यूएचओ के यूरोपीय क्षेत्र में यूरोप और मध्य एशिया के 53 देश हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि सोमवार तक यूरोप के 18 देशों में ओमिक्रोन के कुल 212 मामले पाए गए थे। इन सभी मरीजों में हल्के लक्षण थे या ये बिना लक्षण वाले थे।

तीन प्रतिशत की कमी

रिपोर्ट के मुताबिक पिछले हफ्ते इस क्षेत्र में संक्रमण के मामलों में दो प्रतिशत और मौतों में तीन प्रतिशत की कमी दर्ज की गई। इस दौरान 26 लाख संक्रमित मिले और 29,000 मौतें हुईं। इनमें से ज्यादातर जर्मनी और ब्रिटेन में दर्ज की गईं। यूरोप में मध्य अक्टूबर के बाद से ही संक्रमण के मामले बढ़ रहे हैं।

जिम्बाब्वे ने उठाए कड़े कदम

वहीं दूसरी ओर जिम्बाब्वे की सरकार ने ओमिक्रोन के बढ़ते मामलों पर चिंता जताई है। सरकार ने सख्ती बरतते हुए कोविड रोधी वैक्सीन नहीं लगवाने वालों को सार्वजनिक परिवहन का उपयोग करने से रोकने के लिए योजना बनाई है। सरकार का कहना है कि देश में कोविड रोधी टीकाकरण की दर को बढ़ाया जाएगा। यही नहीं वायरस को फैलने से रोकने के लिए कड़े नियम लागू किए जाएंगे। जिम्बाब्वे ने साल के अंत तक 60 फीसद आबादी के टीकाकरण का लक्ष्य रखा है।

विलायती कीकर की जगह पीपल के पेड़ से दिल्ली में ऑक्सीजन 40 गुना बढ़ाएं – स्वामी अद्वैतानंद गिरि

नई दिल्ली। दुनिया भर की राजधानी शहरों में दिल्ली की वायु गुणवत्ता सबसे खराब हो गई है. इंटरनेशनल मेडिटेशन फाउंडेशन ने समस्या का दीर्घकालिक समाधान खोजने के लिए एक अभियान शुरू किया है। विलायती कीकर के स्थान पर पीपल का पौधा लगाकर इसे प्राप्त किया जा सकता है।

स्वामी अद्वैतानंद के नेतृत्व में इंटरनेशनल मेडिटेशन फाउंडेशन दिल्ली और आसपास के क्षेत्रों में अधिक से अधिक पीपल के पेड़ लगाने के लिए एक ठोस अभियान चला रहा है। ÷हमने उत्तराखंड, राजस्थान और गोवा सहित देश के कई अन्य हिस्सों में ऐसा किया है। भारत में वायु प्रदूषण हर साल 20 लाख लोगों की जान ले रहा है। डब्ल्यूएचओ के अनुसार भारत दुनिया में सबसे अधिक पुरानी सांस की बीमारियों और अस्थमा से पीड़ित है। दिल्ली में खराब वायु गुणवत्ता 22 लाख या दिल्ली के सभी बच्चों के 50 प्रतिशत के फेफड़ों को अपरिवर्तनीय रूप से नुकसान पहुंचाती है। उन्होंने कहा।

इंटरनेशनल मेडिटेशन फाउंडेशन के अध्यक्ष स्वामी अद्वैतानंद ने कहा कि दिल्ली के जंगल में मुख्य रूप से विलायती किकर हैं जो इसके आस-पास अन्य पेड़ों को उगने नहीं देते हैं और अपनी गहरी जड़ों के साथ इसने जमीन को सूखा छोड़ दिया है। पीपल (फिकस रिलिजिओसा) के पेड़ इसके पास बहुत अच्छी तरह से उग सकते हैं और वे किसी भी अन्य पेड़ की तुलना में तेजी से बढ़ेंगे। जैसे-जैसे ये नए पेड़ बढ़ते हैं, विलायती कीकरों को एक साथ काटा जा सकता है और अंत में हटाया जा सकता है। पर्याप्त धूप प्रदान करने के लिए, शीर्ष चंदवा को साफ किया जा सकता है।

उन्होंने आगे कहा कि दिल्ली के जंगल में लगभग 90% विलायती कीकर है और इसकी जगह पीपल के पेड़ लगाने से शहर में हवा की गुणवत्ता पर जादुई प्रभाव पड़ेगा। विलायती कीकर के स्थान पर पीपल का वृक्ष लगाने से वायु शुद्ध होगी और आक्सीजन में 40 गुना वृद्धि होगी। इसे आगे बताते हुए उन्होंने कहा कि शोध रिपोर्टों के अनुसार विलायती किकर की कार्बन सीक्वेस्ट्रेशन क्षमता लगभग 11% की तुलना में पीपल के पेड़ की कार्बन सीक्वेस्ट्रेशन क्षमता लगभग 87% है। यह विलायती कीकर से करीब आठ गुना ज्यादा है। पीपल के पेड़ का आकार, इसकी छतरी विलायती कीकर से 5 गुना अधिक है। आठ गुना कार्बन पृथक्करण क्षमता को 5 गुना से गुणा करके जंगल में 40 गुना वृद्धि होती है। 87% कार्बन ज़ब्ती क्षमता का मतलब यह भी है कि पीपल 87% हवा को साफ कर सकता है और समान रूप से ऑक्सीजन का उत्पादन कर सकता है। दूसरे शब्दों में, इससे वायुमंडलीय प्रदूषकों को कम करके क्षेत्र की वायु गुणवत्ता में सुधार होगा।

स्वामी अद्वैतानंद ने कहा कि पीपल ही एक ऐसा पेड़ है जो रात में भी ऑक्सीजन देता है, विलायती कीकर रात के समय CO_2 देता है। इससे पीपल के पेड़ से मिलने वाली ऑक्सीजन की मात्रा दोगुनी हो जाती है क्योंकि दूसरे पेड़ दिन में ही ऑक्सीजन देते हैं।

निगम में आने के बाद सभी घोटालों की जांच कराएगी आप : पांडेय

■ नई दिल्ली

भाजपा शासित एमसीडी संजय गांधी ट्रांसपोर्ट नगर के 132 प्लॉट्स को औने-पौने दामों में बेचने की तैयारी में है। इन 132 प्लॉट्स में से 94 प्लॉट्स अस्पताल, शौचालय, पार्क, फूड जोन्स, नाइट शेल्टर आदि जैसे सामुदायिक सुविधाओं के लिए आवंटित थे। यह कहना है आम आदमी पार्टी के विधायक दिलीप पांडेय का। गुरुवार को पांडेय ने कहा कि जमीन के जिस टुकड़े से इनके राजस्व की आमदनी हो सकती थी उसको यह लोग बेचने जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि एमसीडी के आगामी चुनाव में सूपड़ा साफ होने के डर से भाजपा सबकुछ बेचकर अपनी तिजोरी भरने में लगी है। मेरी भाजपा से गुजारिश है कि जाते-जाते ईमानदारी का एक छोटा सा काम कर दीजिए। बस इतना बता दीजिए कि किसकी जेब में कितना पैसा गया है। पांडेय ने कहा कि आम आदमी पार्टी निगम में आने के बाद भाजपा के सभी घोटालों की जांच कराकर सभी दोषियों को जेल की सलाखों के पीछे पहुंचाएगी।

इस दौरान नॉर्थ एमसीडी के एलओपी विकास गोयल ने दिलीप पांडेय की बात से सहमति जताई और कहा कि भाजपा ने स्कूल और अस्पताल की जमीने तक नहीं छोड़ी। सब कुछ प्राइवेट माफिया को बेचकर सिर्फ और सिर्फ कमीशनखोरी और भ्रष्टाचार करने में व्यस्त है। उन्होंने कहा कि आज हम भाजपा शासित एमसीडी द्वारा जनता की जेब पर एक और अत्याचार को आपके सामने रखेंगे। नॉर्थ एमसीडी में भारतीय जनता पार्टी शासित एमसीडी ने संजय गांधी ट्रांसपोर्ट नगर में कुल 132 प्लॉट्स को औने-पौने दामों पर बेचने की तैयारी कर रखी है। औने-पौने दाम का मतलब सर्कल रेट पर बेचने जा रहे हैं। आप सभी जानते हैं कि पूरी दिल्ली में आपको सर्कल रेट पर ज़मीन नहीं मिलने वाली है।

सपूत सीडीएस बिपिन रावत जी की श्रद्धांजलि

भारत माता के अमर बलिदानी सपूत सीडीएस बिपिन रावत जी की श्रद्धांजलि कार्यक्रम बदरपुर विधानसभा के मोलड़बन्द वार्ड में स्वाभिमान देश का संगठन द्वारा किया गया जिसमें भारी संख्या में स्थानीय निवासी तथा संगठन के सदस्य मौजूद रहे। श्रद्धांजलि में स्वाभिमान देश को संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुरेंद्र सिंह की बिधूड़ी ने नम आंखों से श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए संगठन के प्रति श्री रावत जी का विश्व की सबसे बड़ी शहीद स्वाभिमान यात्रा (95 दिन, 29 राज्य,25000 km)में उनके सहयोग के बारे में बताया। सभी ने नम आंखों से भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

एक नजर

दिल्ली में दो दिवसीय लोक अदालत का आयोजन

नई दिल्ली। बिजली चोरी मामलों के निपटारे के लिए लोक अदालत का आयोजन किया जा रहा है। बीआरपीएल उपभोक्ताओं के लिए 11 दिसंबर को और बीवाईपीएल उपभोक्ताओं के लिए 11 व 12 दिसंबर को लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। बीआरपीएल उपभोक्ताओं के लिए ऑनलाइन और बीवाईपीएल उपभोक्ताओं के लिए हाइब्रिड लोक अदालत का आयोजन होगा। बिजली की सीधी चोरी हो या मीटर से छेड़छाड़ कर जाने वाली चोरी लोक अदालत में दोनों तरह के मामलों का निपटारा किया जाएगा। ऐसे मामले जो किसी अदालत फोरम में लंबित हैं, उनका भी निपटारा यहां होगा और उन मामलों का भी,जिन्हें अब तक किसी अदालत में दाखिल नहीं किया गया है। दिल्ली राज्य विधिक सेवाएं प्राधिकरण के सहयोग से इस लोक अदालत का आयोजन किया जा रहा है। इस अदालत में उपभोक्ताओं के साथ-साथ माननीय जज भी वर्चुअल तरीके से जुड़ेंगे और मामलों की सुनवाई करेंगे।

ओमीक्रॉन संदिग्धों को मिली अस्पताल से छुट्टी

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में बढ़ रहे ओमीक्रॉन के संदिग्ध मरीजों के बीच गुरुवार को पहली बार 4 कोरोना नेगेटिव ओमीक्रॉन संदिग्ध मरीजों को लोकनायक अस्पताल से छुट्टी दी गई। इन सभी मरीजों के स्वास्थ्य में लगातार सुधार हो रहा था और पिछले कुछ दिनों से यह पूरी तरह फिट मिले। साथ ही इन सभी मरीजों की आरटीपीसीआर रिपोर्ट भी नेगेटिव पाई गई है। वहीं, गुरुवार को इंदिरा गांधी एयरपोर्ट से 2 और कोरोना पॉजिटिव ओमीक्रॉन संदिग्ध मरीजों को लोकनायक अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। इस संबंध में लोकनायक अस्पताल के चिकित्सा निदेशक डॉ. सुरेश कुमार ने बताया कि गुरुवार को 4 मरीजों को छुट्टी दे दी गई। इन सभी मरीजों को ओमीक्रॉन के संदिग्ध मरीज के तौर पर भर्ती किया गया था। इनकी रिपोर्ट शुरू से कोरोना नेगेटिव थी और यह सभी ठीक पाए गए। उन्होंने कहा कि गुरुवार को इंदिरा गांधी एयरपोर्ट से 2 और कोरोना पॉजिटिव ओमीक्रॉन संदिग्ध मरीजों को अस्पताल में भर्ती किया गया है। अस्पताल में फिलहाल 30 संदिग्ध मरीज भर्ती हैं। वहीं, अन्य डॉक्टरों ने बताया कि अभी तक आए मामलों को देखते हुए कहा जा सकता कि ओमीक्रॉन के मामले तेजी से बढ़ सकते हैं, लेकिन इससे मौत का आंकड़ा नहीं बढ़ सकता।

री-साइकल किए गए पानी से टिकरी खुर्द में बनेगी नई झील

भूजल स्तर में होगा जबरदस्त इजाफा और लाखों लोगों को मिलेगा फायदा: जैन

■ नई दिल्ली

यमुना को प्रदूषित होने से रोकने के लिए हरियाणा से आने वाले 15 एमजीडी गंदे पानी को दिल्ली सरकार री-साइकल कर रही है। री-साइकल किए गए पानी से सरकार टिकरी खुर्द में मौजूद एक झील को पुनर्जीवित करेगी, जिससे भूजल को रिचार्ज करने में मदद मिलेगी। यह कहना है दिल्ली के जल मंत्री और दिल्ली जल बोर्ड (डीजेबी) के अध्यक्ष सत्येंद्र जैन का। गुरुवार को उन्होंने जानकारी देते हुए बताया कि टिकरी खुर्द स्थित झील को पुनर्जीवित करने से न सिर्फ पर्यावरण को दूषित होने से बचाया जा सकेगा, बल्कि दिल्ली में घट रहे भूजल स्तर को सुधारने में भी मदद मिलेगी और प्राकृतिक पारितंत्र को भी सुधारेगा। मंत्री ने बताया उन्होंने ड्रेन नंबर 6 के 10 किलोमीटर के हिस्से को साफ कर उसे भी रीचार्ज जोन की तरह विकसित करने का निर्देश दिया। सत्येंद्र जैन ने बताया कि मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने अगले दिल्ली विधानसभा चुनाव से पहले यमुना को साफ करने का लक्ष्य रखा है। यमुना में गिरने वाले लगभग 155 एमजीडी (मिलियन गैलन प्रति दिन) गंदगी का स्रोत पड़ोसी राज्य हैं, जिनमें 15 एमजीडी हरियाणा के ड्रेन नंबर 6 के माध्यम से, 90 एमजीडी बादशाहपुर ड्रेन के माध्यम से और 50 एमजीडी उत्तर प्रदेश से आता है। उन्होंने बताया कि दिल्ली सरकार यमुना को साफ करने की दिशा में तेजी से काम कर रही है और इसलिए दिल्ली सरकार ने पड़ोसी राज्यों से यमुना में गिरने वाले सभी प्रकार की गंदगी को ट्रीट करने का जिम्मा उठाया है। इसी सिलसिले में गुरुवार को सत्येंद्र जैन ने नरेला स्थित सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट का दौरा कर मुआयना कर किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि जिस प्रकार लगातार यमुना में पड़ोसी राज्यों की ओर से गंदा पानी और औद्योगिक अपशिष्ट बहाया जा रहा है, वह काफी चिंताजनक है। ऐसी स्थिति में केजरीवाल सरकार ने दूसरे राज्यों से आने वाले गंदे पानी को भी साफ करने का निर्णय लिया है। हालांकि, यह काम उन पड़ोसी राज्यों का ही है, लेकिन हमारा मानना है कि यमुना किसी राज्य की नहीं है, बल्कि देश की नदी है। इसलिए दिल्ली सरकार ने यमुना में गिरने वाले हर प्रकार के गंदे पानी को ट्रीट करने का फैसला किया है और नरेला स्थित एसटीपी में इसकी शुरुआत कर दी गई है।

नरेला एसटीपी की बढ़ाई जा रही क्षमता

डीजेबी अध्यक्ष ने बताया कि केजरीवाल सरकार ने कुछ महीनों पहले यह फैसला लिया था कि वह पड़ोसी राज्यों से आने वाले सीवरेज के पानी को यमुना में नहीं गिरने देगी। दिल्ली में तकरीबन 500 एमजीडी गंदा पानी सरकार के 35 एसटीपी में ट्रीट किया जाता है। दिल्ली सरकार का मानना है कि अगर यह 500 एमजीडी पानी री-साइकल होने के बाद तालाब के माध्यम से भूजल में रिसकर वापस चला जाए तो इससे दिल्ली के भूजल स्तर में काफी सुधार होगा। नरेला में बने एसटीपी की क्षमता 10 एमजीडी है, जिसको अत्याधुनिक तकनीक की मदद से बढ़ाकर 20 एमजीडी किया जाएगा। नरेला स्थित इस एसटीपी में हरियाणा से आने वाली गंदगी को साफ करने का काम शुरु कर दिया गया है और एसटीपी की क्षमता बढ़ाने का काम साथ-साथ चल रहा है। सरकार इस ट्रीट किए गए पानी से टिकरी खुर्द के पास मौजूद एक तालाब को पुनर्जीवित करेगी, जिससे भूजल स्तर को ठीक करने में मदद मिलेगी। इसके साथ ही दिल्ली सरकार यहां बायो-गैस प्लांट बनाएगी, ताकि यहां मौजूद कूड़े व मलबों से बायो चारकोल बनाया जा सके। बता दें कि मुख्यमंत्री का 2025 तक यमुना को साफ करने का लक्ष्य है।

एफसीआई ने शक्तिनगर में मनाया आजादी का अमृत महोत्सव

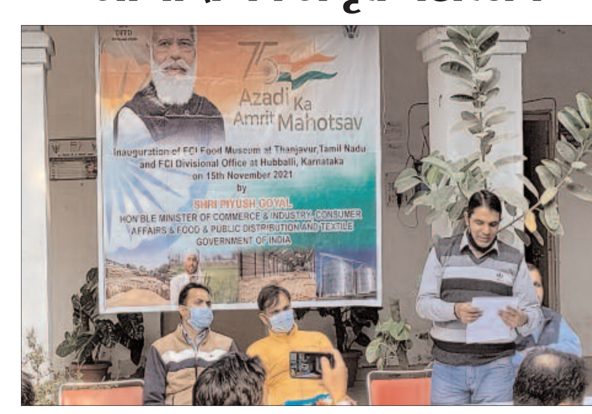

■ नई दिल्ली

भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) ने गुरुवार को अपने शक्तिनगर स्थित खाद्य संग्रह भंडार में आजादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत जागरुकता कार्यक्रम आयोजित किया। इस दौरान लेक्चरर जे पी मीणा मुख्य अतिथि के रूम में उपस्थित रहे। वहीं, डॉ एम के बंकर, टीजीटी संस्कृत, भारत नगर स्कूल, हीरा लाल, उप प्रबंधक डीएससीएससी, शक्तिनगर, रामदास, सहायक प्रबंधक डीएससीएससी, नरेला, मंडल प्रबंधक कुरु लाल मीना व शक्तिनगर के अधिकारी मुकेश कौशिक, प्रबंधक (डिपो), देवेंदर ढिल्लों, प्रबंधक व अन्य अधिकारी/कर्मचारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम संचालन संदीप आनंद द्वारा किया गया।

अब निगम स्कूल की वेबसाइट पर होगी छात्रों,कर्मचारियों का ब्यौरा

नई दिल्ली। पूर्वी दिल्ली नगर निगम ने मैनेजमेंट इंफोर्मेशन सिस्टम (एमआईएस) लैब के तहत सभी निगम स्कूलों की अलग-अलग वेबसाइट तैयार की गई है। निगम स्कूल की वेबसाइट पर ऑनलाइन टीचिंग, छात्रों व कर्मचारियों का ब्यौरा और स्कूल के इंफ्रास्ट्रक्चर से संबंधित सभी जानकारियां मौजूद हैं। कोई भी व्यक्ति ऑनलाइन माध्यम से इन स्कूलों की वेबसाइट पर विजिट कर सकता है और संबंधित जानकारी हासिल कर सकता है।

लकड़ी,कोयले की जगह अब एलपीजी से दहकेंगे तंदूर

कार्रवाई के दायरे में

- 208 तंदूरों को ध्वस्त किया
- मध्य क्षेत्र में 68
- दक्षिणी क्षेत्र में 80
- पश्चिमी क्षेत्र में 40
- नजफगढ़ क्षेत्र में 20
- 152 तंदूरो को एलपीजी में परिवर्तित
- मध्य क्षेत्र में 55
- दक्षिणी क्षेत्र में 19
- पश्चिमी क्षेत्र में 55
- नजफगढ़ क्षेत्र में 23

प्रदूषण पर नियंत्रण के लिए निगम ने उठाया कदम की कार्रवाई

■ नई दिल्ली

दिल्ली में बढ़ते वायु प्रदूषण को देखते हुए दक्षिणी दिल्ली नगर निगम ने वायु प्रदूषण पर नियंत्रण पाने के लिए कोयले व लकड़ी से चलने वाले तंदूर संचालकों के खिलाफ कार्रवाई शुरू कर दी है। इसी क्रम में गुरुवार को दक्षिणी नगर निगम ने तंदूरों पर कार्रवाई करते हुए 208 तंदूरों को ध्वस्त किया और 152 तंदूरों को एलपीजी में परिवर्तित करवाया। दक्षिणी निगम के नेता सदन इंद्रजीत सहरावत ने बताया कि लकड़ी एवं कोयले से चलने वाले पारंपरिक तंदूरों के विरुद्ध पिछले दो माह में दक्षिणी निगम द्वारा सख्त कार्रवाई करते हुए अपने सभी चारों जोन में तंदूरों को ध्वस्त किया। इसके अलावा निगम ने सभी जोनों में तंदूरो को एलपीजी में परिवर्तित करवाया। सहरावत ने जनस्वास्थ्य विभाग द्वारा की गई इस कार्रवाई के बारे में बताया कि वायु प्रदूषण के लिए कई कारक जिम्मेदार हैं जिनमें से रेस्टोरेंट, बैंक्वेट हॉल एवं ढाबों इत्यादि में लकड़ी एवं कोयले से चलने वाले पारंपरिक तंदूर भी जिम्मेदार हैं। इसके लिए रेस्टोरेंट, बैंक्वेट हॉल एवं ढाबों के संचालकों को इस के दुष्प्रभावों से अवगत कराया गया है और उन्हें इन तंदूरों को एलपीजी में परिवर्तित कराने के निर्देश भी दिए गए। उन्होंने कहा कि दक्षिणी निगम वायु प्रदूषण की रोकथाम के लिए भरसक प्रयास कर रहा है और निगम इस तरह की कार्रवाई को आगे भी जारी रखेगा।

एक सप्ताह के लिए टला डॉक्टरों का प्रदर्शन

मांगें पूरी नहीं होने पर दी फिर हड़ताल की चेतावनी

■ नई दिल्ली

नीट पीजी काउंसलिंग में हो रही देरी के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे रेजिडेंट डॉक्टरों ने फिलहाल एक सप्ताह के लिए हड़ताल को टाल दिया है। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) से मिले आश्वासन के साथ रेजिडेंट डॉक्टरों ने काम पर लौटने का फैसला किया। डॉक्टरों का कहना है कि अगर एक सप्ताह में नीट पीजी काउंसलिंग की तारीख घोषित नहीं होती तो फिर से राष्ट्रीय स्तर पर हड़ताल करेंगे। इस बार ओपीडी, इमरजेंसी के साथ कोरोना सेवाओं की ड्यूटी को भी बंद कर दिया जाएगा। इस संबंध में फेडरेशन ऑफ रेजिडेंट डॉक्टर्स एसोसिएशन (फोर्डा) के अध्यक्ष डॉ. मनीष ने कहा कि केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने सुप्रीम कोर्ट से काउंसलिंग मामले की सुनवाई जल्दी करने की अपील की है। साथ ही स्वास्थ्य मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने पीएमओ की ओर से आश्वासन दिया है कि एक सप्ताह में काउंसलिंग की तारीख घोषित की जाएगी। उसके आश्वासन के बाद फिलहाल फोर्डा ने एक सप्ताह के लिए हड़ताल को रोकने का फैसला कर तत्काल ओपीडी और अन्य चिकित्सीय सेवाओं पर लौटने का फैसला किया है। फोर्डा की अपील के बाद दिल्ली के अधिकतर अस्पतालों में डॉक्टर काम पर लौट आए। हालांकि, कई अस्पताल में डॉक्टर देर शाम तक हड़ताल पर रहे। बता दें कि छह दिसंबर से रेजिडेंट डॉक्टरों ने आपातकालीन सेवाएं बंद कर दी थी। इस दौरान अस्पतालों में ऑपरेशन भी रोक दिए गए थे। अब तक करीब साढ़े पांच हजार से अधिक ऑपरेशन टाले जा चुके हैं और सफदरजंग अस्पताल में इलाज न मिलने से एक महिला मरीज की मौत तक दर्ज की गई।

देर शाम तक चली हड़ताल

फोर्डा की घोषणा के बाद भी देर शाम तक अधिकतर अस्पतालों में डॉक्टर काम पर नहीं लौटे। रेजिडेंट डॉक्टरों की जारी हड़ताल के कारण गुरुवार को भी मरीजों को भटकना पड़ा। लेडी हार्डिंग मेडिकल कॉलेज और आरएमएल अस्पताल में गुरुवार शाम तक हड़ताल जारी रहीं। वहीं सफदरजंग अस्पताल में भी कुछ ही डॉक्टर वापस काम पर लौटे, जबकि ज्यादातर हड़ताल पर रहे। इसके अलावा दिल्ली सरकार के कई अस्पताल में भी डॉक्टर काम पर नहीं लौटे। कुछ अस्पतालों में रेजिडेंट डॉक्टर फोर्डा के फैसले से नाराज मिले। हेल्थ यूनिवर्सिटी के छात्रों ने वोटिंग करने के बाद कहा कि उनका विरोध प्रदर्शन जारी रहेगा। इनके अलावा आरएमएल और लेडी हार्डिंग मेडिकल कॉलेज के छात्रों ने भी हड़ताल वापस नहीं ली जिसके चलते दोनों ही अस्पताल प्रबंधन ने देर शाम नोटिस जारी करते हुए शुक्रवार से ओपीडी सहित सभी चिकित्सीय सेवाओं में शामिल होने का आदेश दिया है। अस्पताल प्रबंधन का कहना है कि जो लोग ड्यूटी पर वापस नहीं आएंगें उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

हमारी संसद का हाल कैसा?

किसी भी देश की संसद उसके लोकतंत्र का हृदय होती है। हमारी संसद की हृदय गति का क्या हाल है? यदि लोकसभा और राज्यसभा में सदस्यों की उपस्थिति को देखें तो हमारे लोकतंत्र का हृदय आधे से भी कम पर काम कर रहा है। अभी-अभी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने सांसदों को काफी खरी-खरी सुनाई थी। उन्होंने सदन में उनकी गैर-हाजिरी पर अपनी नाराजी दो-टूक शब्दों में जाहिर की थी। उन्होंने यह बिल्कुल सही कहा कि यदि आप सदन में हाजिर रहने से कतराएंगे तो यह भी हो सकता है कि आपका इसमें आना ही बंद हो जाए। इस सख्त बयान के बावजूद कल लोकसभा में भाजपा के कितने सदस्य उपस्थित थे? ग्यारह बजे सदन का सत्र शुरू होता है। उस समय भाजपा के सिर्फ 58 सदस्य और नौ मंत्री उपस्थित थे, जबकि भाजपा के कुल सदस्यों की संख्या 301 हैं और मंत्रियों की संख्या 78 है। 543 सदस्यों के इस सदन में दोपहर तक भाजपा के 83 और विपक्ष के 81 सदस्य थे। यह तो हाल है, उस सदन का, जो संप्रभु कहा जाता है यानी उसे सर्वशक्तिमान माना जाता है। उसकी शक्ति इतनी ज्यादा है कि वह किसी भी राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री या सर्वोच्च न्यायाधीश को चुटकी बजाते ही हटा सकता है। कोई भी कानून उसकी सहमति के बिना बन नहीं सकता, लेकिन कानून बनाने वाले जनता के प्रतिनिधि ही उसकी कीमत नहीं करते तो फिर जो भी सरकार हो, उसे वे मनमानी करने के लिए छुट्टा छोड़ देते हैं। ब्रिटेन में लोकसभा को निम्न सदन और राज्यसभा को उच्च सदन कहा जाता है, लेकिन हमारी राज्यसभा में आजकल जैसी नौटंकी चल रही है, वह 'निम्न' शब्द को भी मात कर रही है। जिन 12 विपक्षी सदस्यों को राज्यसभा से निलंबित किया गया है, उन्होंने पिछले सत्र में कागज फाड़े थे, फाइलें छीनी थीं, माइक तोड़ दिए थे, मेजों पर चढ़कर हल्ला मचाया था और मार्शलों के साथ मारपीट भी कर डाली थी।

अब भी प्रमुख विपक्षी दल राज्यसभा का बहिष्कार कर रहे हैं। उन्हें अध्यक्ष वैंकय्या नायडू ने काफी ठीक सलाह दी है। उन्होंने कहा है कि निलंबन का फैसला उन्होंने नहीं किया है बल्कि राज्यसभा ने प्रस्ताव पारित करके किया है। इसीलिए बेहतर होगा कि सदन के नेता और विपक्ष के सांसद आपस में बात करके सारे मामले को हल करें।

इस समय राज्यसभा में जो भी विधेयक पारित हो रहे हैं, वे बिना विपक्ष के ही पारित हो रहे हैं। जो सदस्य निलंबित किए गए हैं, वे तो अपनी करनी भुगत ही रहे हैं, लेकिन जो निलंबित नहीं किए गए हैं, उन्होंने स्वयं को निलंबित कर रखा है। अच्छा हो कि हमारी संसद के दोनों सदन अपने काम ठीक से करें ताकि भारतीय लोकतंत्र स्वस्थ और सबल बना रहे।

बच्चों में संक्रमण से चिंतित दुनिया

वैज्ञानिकों को जैसा अंदेशा था वह लगभग सही होता दिख रहा है। कोरोना की नई लहर ने अमेरिका में बड़ी संख्या में बच्चों को अपने आगोश में लेना शुरू कर दिया है। जानकारों के अनुसार महज एक सप्ताह में अमेरिका में एक लाख 33 हजार बच्चे कोरोना की चपेट में आ गए हैं। मोटे अनुमान के अनुसार अमेरिका में कोरोना संक्रमित बच्चों का प्रतिशत बढ़कर 11 प्रतिशत हो गया है। अमेरिका ही क्या यूरोपीय देश भी इससे अछूते नहीं है। चिंता की बात है कि कोरोना के कई जगहों पर नए लक्षण दिखाई देने लगे हैं। इसमें बच्चों के शरीर में चकत्ते देखे जा रहे हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि दुनिया के देशों में करीब एक लाख बच्चे प्रतिदिन कोरोना से संक्रमित हो रहे हैं। हमारे देश में भी कोरोना संक्रमण से प्रभावित बच्चों की संख्या बढ़ रही है। अभी तो यह संक्रमण डेल्टा वेरियंट के चलते हो रहा है, जबकि अफ्रीका से आए नए वेरियंट ओमीक्रोन की दहशत तेजी से बढ़ती जा रही है। ओमीक्रोन ने भारत सहित दुनिया के तीन दर्जन से अधिक देशों में उपस्थिति दर्ज करा दी है। पिछले दो साल से कोरोना ने सारी दुनिया में तांडव मचा रखा है। दुनिया के देशों का जनजीवन कोरोना के कारण कोई एक-दो दिन नहीं, बल्कि महीनों लॉकडाउन के दौरान घरों में कैद रह चुका है। यदि यह कहें कि कोरोना ने दुनिया के लोगों को घर में बिना किसी अपराध के घर में नजरबंद करके रख दिया तो इसमें कोई अतिशयोक्ति नहीं है। क्या घर और क्या बाहर सबकुछ ठप होकर रह गया। लोगों को ऑक्सीजन के लिए दर दर भटकते हुए इससे पहले किसी भी काल में नहीं देखा गया। आर्थिक गतिविधियां थम गईं। इन सबके बावजूद जैसे ही हालात सामान्य बनाने के प्रयास हुए, लापरवाही के चलते कोरोना का संक्रमण तेजी से बढ़ने लगा है। आखिर कोरोना प्रोटोकाल के नाम पर करना तो केवल इतना ही है कि दो गज की दूरी-मास्क है, जरूरी और सेनिटाइजर का नियमित उपयोग। पर ज्यों-ज्यों सरकारों द्वारा हालात सामान्य करने के प्रयास किए गए त्यों-त्यों दूरी और मास्क, पर उपदेश कुशल बहुतेरे होकर रह गए। ऐसे में सोशल डिस्टेंसिंग की बात और भी बेमानी होगी।

यह पहले साफ हो गया था कि कोरोना नित नए रूप बदलकर अपना खौफनाक रंग दिखाएगा। यह भी साफ हो गया था कि कोरोना की तीसरी लहर सीधे बच्चों को सर्वाधिक प्रभावित करेगी। कोरोना की दूसरी लहर ने जिस तरह हाहाकार मचाया, वह भी छुपा नहीं है, फिर भी सब पर लापरवाही भारी पड़ रही है। बच्चों पर कोरोना का बढ़ता असर दिखने लगा है। दुनिया के देशों में एक दिन में एक लाख बच्चों के संक्रमित होने का औसत निश्चित रूप से चिंतनीय है। अब सरकारों की भी मजबूरी है कि आखिर कब तक स्कूलों को बंद रखा जाए। वैसे ही दो सालों में जिस तरह से शिक्षा व्यवस्था ठप हुई है वह सबके सामने है। भारत सहित दुनिया के देशों में ऑनलाइन पढ़ाई के दुष्परिणाम सामने हैं। ऐसे में कोरोना प्रोटोकाल की सख्ती से पालना ही एकमात्र विकल्प है। यह हमें समझना होगा। भावी पीढ़ी के भविष्य को देखते हुए शिक्षण संस्थाएं तो चालू करनी ही होगी।

कटाक्ष | सुरेश मिश्र

भूल नहीं सकते कभी,सीडीएस का यत्न
दीजै रावत बिपिन को,अब तो भारत रत्न
अब तो भारत रत्न, शत्रु जिससे डर भागे
पूरा हिंदुस्तान आज,उस खातिर मांगे
कह सुरेश हे नमो-शाह ऋण आप चुकाओ
इस योद्धा को भारत रत्न आप दे जाओ

आंदोलन से किसानों को क्या मिला?

इस आंदोलन से कई किसान नेता उभरे हैं। जिनके जरिए कुछ पार्टियां चुनावी फसल काटने की कोशिश कर रही हैं। हालांकि, पूरे आंदोलन के दौरान किसानों ने अपने मंच पर कभी राजनीतिक लोगों को एंट्री नहीं दी, क्योंकि इन नेताओं को पता है कि जो भी दल सत्ता में आएगा उसके सुर बदल जाते हैं। किसान नेताओं का कहना है कि कृषि कानूनों की वापसी के बाद कम से कम अब देश के दूसरे राज्य बिहार बनने से बच जाएंगे। जहां पर पिछले करीब 15 साल से मंडियों को खत्म कर दिया गया है।

मोदी सरकार द्वारा लाए गए तीन कृषि कानूनों एवं किसानों से जुड़े अन्य मुद्दों को लेकर दिल्ली बॉर्डर पर चल रहा किसान आंदोलन रिकॉर्ड 378 दिन बाद स्थगित हो गया है। कानूनों की वापसी और अन्य मसलों पर लिखित आश्वासन मिलने के बाद उनके हौंसले बुलंद हैं। लेकिन 700 अन्नदाताओं को खोने का जख्म आज भी हरा है। फिलहाल, संयुक्त किसान मोर्चा ने आंदोलनकारी किसानों की घर वापसी का फैसला ले लिया है। लेकिन बड़ा सवाल यह है कि इस आंदोलन से किसानों को हासिल क्या हुआ? इसे हम समझने की कोशिश करते हैं। दरअसल, किसान आंदोलन सरकार के गले की फांस बनते जा रहा था। कृषि और किसानों के लिए बहुत कुछ करने के बावजूद सिर्फ इन कानूनों की वजह से सरकार के खिलाफ अन्नदाताओं की नाराजगी बढ़ रही थी। ऐसे में उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड और पंजाब जैसे किसान बहुल सूबों में विधानसभा चुनाव से ठीक पहले सरकार ने इसे वापस लेना ही बेहतर समझा, ताकि केंद्र में सत्ताधारी पार्टी बीजेपी को इन चुनाव में बड़ा झटका न लगे।

गुरु नानक जयंती के अवसर पर 19 नवंबर को पीएम मोदी ने खुद तीनों कृषि कानून की वापसी की घोषणा कर दी थी। जिसके बाद उम्मीद की जा रही थी कि किसान चले जाएंगे, लेकिन वे कानून वापसी के नोटिफिकेशन और एमएसपी की गारंटी व बिजली संशोधन विधेयक जैसे मुद्दों पर लिखित आश्चवासन मिलने का इंतजार कर रहे थे। जिसे पूरा होने के बाद 9 दिसंबर को संयुक्त किसान मोर्चा ने आंदोलन स्थगित करने का एलान किया।

किसान आंदोलन का नाम दुनिया के सबसे लंबे आंदोलनों में शुमार हो गया। दरअसल, कृषि कानून के खिलाफ संघर्ष के बहाने उन मसलों को भी धार मिली है जो किसानों को लंबे समय से बेचैन कर रहे थे। आंदोलन में जिस तरह की एकता दिखाई गई है, उससे सरकारों को किसान शब्द और उसकी ताकत याद रहेगी। ऐसे में कोई भी सरकार सिर्फ एसी कमरों में बैठकर प्लान बनाने वाले अधिकारियों की सलाह पर मनमाने सुधार का एलान करने से पहले सौ बार सोचेगी। इस आंदोलन के बाद किसान एक आवाज बनकर उभरा है, जिसकी वजह से किसान सियासी विमर्श में सबसे ऊपर बना रहेगा। कोई भी सरकार उसके सवालों को नजरअंदाज नहीं कर पाएगी। जिनके जरिए कुछ पार्टियां चुनावी फसल काटने की कोशिश कर रही हैं। हालांकि, पूरे आंदोलन के दौरान किसानों ने अपने मंच पर कभी राजनीतिक लोगों को एंट्री नहीं दी, क्योंकि इन नेताओं को पता है कि जो भी दल सत्ता में आएगा उसके सुर बदल जाते हैं।

किसान नेताओं का कहना है कि कृषि कानूनों की वापसी के बाद कम से कम अब देश के दूसरे राज्य बिहार बनने से बच जाएंगे। जहां पर पिछले करीब 15 साल से मंडियों को खत्म कर दिया गया है। अन्नदाता खुली बाजार व्यवस्था के हवाले हैं, जिसकी वजह से वहां किसानों की सबसे कम इनकम है। क्योंकि फसलों का दाम नहीं मिल रहा है। इन कानूनों में भी फसलों के दाम की कोई गारंटी नहीं थी और मंडियों के बंद होने का खतरा था। कृषि कानूनों के खिलाफ हुए किसान आंदोलन के बहाने फसलों के दाम की गारंटी देने का सवाल राष्ट्रीय बहस का विषय बन गया है। प्रस्तावित बिजली संशोधन विधेयक जैसी दूसरी समस्याओं को भी रेखांकित किया गया, जिनके जरिए किसानों पर वज्रपात की संभावना थी। एमएसपी की गारंटी देने से देश की अर्थव्यवस्था डूब जाने की बात करने वाले अर्थशास्त्रियों को झटका लगा है, क्योंकि सरकार ने इस मसले पर कमेटी बनाकर बातचीत आगे बढ़ाने के लिए लिखित तौर पर आश्वासन दे दिया है।

पराली जलाने पर अब किसानों पर क्रिमिनल केस नहीं होगा। यूपी, पंजाब, हरियाणा, राजस्थान और मध्य प्रदेश में यह किसानों का बड़ा सवाल था। इस आंदोलन को 'खत्म' न करके अभी स्थगित कहा गया है ताकि सरकार वादाखिलाफी करे तो दोबारा आंदोलन शुरू किया जा सके। इतने दिनों के लंबे संघर्ष के बाद किसान नेताओं को यह भी अच्छी तरह से पता चल गया है कि आंदोलन कैसे चलाया जाता है।

सत्ताधारी पार्टी के लोगों ने इस आंदोलन को कभी सिर्फ पंजाब के सिखों का आंदोलन बताया तो कभी उसे जाति की चाशनी में डुबोकर जाटों का आंदोलन बताने की नाकाम कोशिश की। जब देश में जातियों और धर्मों के नाम पर नफरत का एक दौर चल रहा है तब इतने लंबे आंदोलन को जाति, धर्म, क्षेत्र से उपर उठकर उसकी पहचान सिर्फ किसान बनाए रखी गई। जो अपने आप में विभिन्नता में एकता के शानदार प्रदर्शन के तौर पर देखी जाएगी।

कहा जा रहा है कि पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव को देखते हुए मोदी सरकार किसानों की नाराजगी मोल नहीं लेना चाहती थी। क्योंकि सियासत में संख्या बल सबसे अहम होता है। देश में 14.5 करोड़ किसान परिवार हैं। इसका मतलब करीब 55 से 60 करोड़ लोग। वे लोग जो गांवों में रहते हैं और वोटिंग में सबसे ज्यादा शिरकत करते हैं।

इसलिए अप्रत्याशित तरीके से कृषि कानूनों की वापसी और अन्य मांगों पर लिखित आश्वासन देने को सरकार द्वारा अपनी किसान हितैषी इमेज बचाए रखने की कोशिश के तौर पर देखा जा रहा है, क्योंकि ग्रामीण इलाके में सरकार के खिलाफ फैला असंतोष कई राज्यों के चुनाव में साफ नजर आ चुका है।

जीडीपी में कृषि का योगदान करीब 23 फीसदी है। भारत में खेती सिर्फ अर्थव्यवस्था से जुड़ा मुद्दा नहीं बल्कि सियासत भी है। क्योंकि किसानों के पास न्यूमेरिकल स्ट्रेंथ है, जो राजनीतिक सफलता के लिए सबसे जरूरी चीज है। किसानों के बिना न तो अर्थव्यवस्था चल सकती है और न कोई पार्टी सत्ता में बनी रह सकती है। कृषि कानूनों के विरुद्ध हुए आंदोलन के सभी पहलुओं को देखते हुए यह कहा जा सकता है कि भारत का निकट भविष्य शायद किसानों को ही तय करना है। इस आंदोलन की खासियत यह भी रही है कि इसमें हमारे देश के तीन महापुरुषों के परिजनों का साथ मिला। इस आंदोलन को समर्थन देने महात्मा गांधी की पोती तारा गांधी भट्टाचार्य गाजीपुर बॉर्डर पहुंचीं थीं। शहीद-ए-आजम भगत सिंह के प्रपौत्र यादवेंद्र संधू ने भी कई दिन जाकर आंदोलन को न सिर्फ समर्थन दिया, बल्कि लंगर में सेवा भी की। बाबा साहब भीमराव आंबेडकर के परपोते राजरत्न आंबेडकर का भी साथ किसान आंदोलन को मिला। इन तीनों के परिवारों का समर्थन इस आंदोलन को खास बनाता है।

- ओम प्रकाश

नए सीडीएस के सामने चुनौतियां

तमिलनाडु हेलिकॉप्टर क्रैश में निधन के बाद सीडीएस जनरल बिपिन रावत को शुक्रवार को अंतिम विदाई दी गई। इस घटना में जनरल रावत, उनकी पत्नी मधुलिका रावत समेत 13 लोगों की मौत हो गई। जनरल बिपिन रावत और उनकी पत्नी मधुलिका रावत का पार्थिव शरीर शुक्रवार को बेस हॉस्पिटल से उनके आवास पर लाया गया। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, एनएसए अजीत डोभाल, कई केंद्रीय मंत्रियों और कांग्रेस नेता राहुल गांधी समेत कई लोगों ने उन्हें श्रद्धांजलि दी। सीडीएस बिपिन रावत और उनकी पत्नी का अंतिम संस्कार हुआ। जनरल रावत के निधन से नरेंद्र मोदी सरकार के सामने रक्षा प्रतिष्ठान के पास अगले चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) को तत्काल चुनने की चुनौती खड़ी हो गई है। मोदी सरकार ने सैन्य ढांचे में सुधार के लिए सीडीएस का पद बनाया था। पहले सीडीएस होने के नाते जनरल बिपिन रावत सेना में व्यापक सुधार लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। 2016 में उन्हें सेना प्रमुख के पद पर पदोन्नत किया गया था और सेवानिवृति से ठीक एक दिन पहले एक जनवरी 2020 को उन्हें पहला सीडीएस बनाया गया था। सीडीएस के रूप में उनकी नियुक्ति स्वाभाविक रूप से पूर्वी और पश्चिमी दोनों क्षेत्रों में कठिन परिस्थितियों से निपटने के उनके अनुभव को देखते हुए की गई थी। रिपोर्ट्स के मुताबिक, सरकार अगले सीडीएस की नियुक्ति एक हफ्ते में कर सकती है। सीडीएस के चयन के लिए कोई निश्चित नियम नहीं हैं। यह मुख्य रूप से एक निर्णय है, जिसे सरकार सीमा सुरक्षा चुनौतियों को ध्यान में करती है। वायु सेना के पूर्व अधिकारियों के मुताबिक सीडीएस की नियुक्ति के लिए सरकार ने कोई रूलबुक सार्वजनिक नहीं किया है। सीडीएस की नियुक्ति के लिए बुनियादी मानदंड सरल हैं। तीनों सेवाओं भारतीय सेना, भारतीय वायु सेना और भारतीय नौसेना का कोई भी कमांडिंग ऑफिसर सीडीएस के पद के लिए पात्र हैं। सरकार को सैन्य अधिकारी की योग्यता-सह-वरिष्ठता के आधार पर निर्णय लेना होता है। सीडीएस का पद धारण करने वाले व्यक्ति की आयु 65 वर्ष से अधिक नहीं होनी चाहिए। सशस्त्र बलों के तीन सेवारत प्रमुखों में से, भारतीय सेना प्रमुख जनरल एमएम नरवणे जनरल बिपिन रावत के बाद सेना में सबसे वरिष्ठ अधिकारी हैं। जनरल नरवणे का भारतीय सेना प्रमुख के रूप में अप्रैल 2022 तक का कार्यकाल है। जनरल बिपिन रावत के सीनियर और उनके मित्र रहे मेजर जनरल ए जे वी जैनी (सेवानिवृत) अपने भाई सरीखे दोस्त के जाने से गमगीन हैं। लेकिन बहुत हिम्मत जुटाकर वे बताते हैं 'अभी चार-पांच दिनों पहले बिपिन रावत से मुलाकात हुई थी और उन्होंने मुझे कहा था अपना कार्यकाल खत्म होने से पहले मैं इंटिग्रेटेड थिएटर कमान के गठन का काम पूरा कर लूंगा। इस आधार पर मैं यह कह सकता हूं कि रावत कई काम अधूरा छोड़ गए हैं, जिसमें सबसे महत्वपूर्ण काम है इंटिग्रेटेड थिएटर कमान के गठन का। थिएटर कमांड के गठन में उनकी बड़ी भूमिका थी और इसकी जिम्मेदारी उनके पास थी। तीनों सेनाओं की अलग-अलग कमांड है। तीनों सेनाओं के बीच समन्वय बनाने के लिए इंटीग्रेटेड थिएटर कमांड को अमल में लाना नए सीडीएस के सामने बड़ी जिम्मेदारी होगी'।

नए सीडीएस को यह काम करने होंगे

1-नए सीडीएस के सामने यह चुनौती रहेगी कि इंटीग्रेटेड थिएटर कमान का गठन जल्द हो।
2- इसका कांसेप्ट पेपर तैयार करना है।
3-युद्ध के समय की रणनीति पर और वार गेमिंग पर चर्चा होनी है।
4- थिएटर कमांड्स के मापदंड तय करने होंगे।
5- क्या प्रशासनिक और वित्त समस्याएं आ सकती हैं उसके सभी पहलूओं पर काम करना है।
6- थिएटर कमांड्स की कई योजनाओं और कार्यनीतियों पर काम करना है।

बिपिन ने कहा था, थिएटर कमांड बनाने की लंबे समय से अटकी योजना को पूरा करने का काम इतना आसान नहीं है। मैं कोशिश कर रहा हूं कि सेना की तीनों सेवाओं के बीच अधिक और अच्छा तालमेल हो जाए'। जैनी याद करते हैं कि रावत ने उन्हें यह भी बताया था कि वे सेना के आधुनिकीकरण पर भी काम रहे हैं, तो जाहिर है नए सीडीए को भी रावत की इस पहल को जारी रखना होगा। साथ ही सीडीएस को यह सुनिश्चित करना होगा कि तीनों सेवाओं की प्राथमिकताओं को समान महत्व दिया जाए। तीनों सेवाओं को समग्र रूप से देखते हुए, एक दीर्घकालिक क्षमता विकास योजना विकसित करना होगा जो युद्ध सिद्धांत के अनुरूप हो। सीडीएस नियुक्त होने के दो साल से भी कम समय में, जनरल रावत ने सैन्य सुधारों की एक श्रृंखला शुरू की जो अत्यधिक महत्वपूर्ण हैं। अपने अभियान और दृढ़ संकल्प के साथ, उन्होंने यह सुनिश्चित किया होगा कि प्रक्रिया को आगे बढ़ाया जाए। अब जबकि जनरल रावत नहीं हैं, यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि इसकी गति खो न जाए।

जैनी कहते हैं आजादी के 73 साल बाद बड़ी मुश्किल से यह नियुक्ति हुई थी। भारतीय सेना अराजनीतिक आर्मी है, लेकिन अब तक सरकारें तख्तापलत के डर से सीडीएस की नियुक्ति से बचती रही। लेकिन इस सरकार ने सीडीएस की नियुक्ति तो कर दी लेकिन चूंकि यह नई नियुक्ति है इसलिए इसमें कई बातें अभी तक स्पष्ट नहीं है, जैसे चार्टर ऑफ ड्यूटी नहीं बनी, इनकी भूमिका और इनकी जिम्मेदारियों की रुपरेखा ठीक से तय नहीं हुई। उनके मुताबिक देश में सीडीएस की नियुक्ति सैन्य ढ़ांचों में बदलाव की एक क्रांति थी। इसकी नींव अभी तैयार ही हो रही थी। इसलिए नए सीडीएस को भविष्य के लिए इन बातों को जल्द ही स्पष्ट कर लेना जरूरी होगा।

कहा जाता है कि थिएटर कमांड बन जाने से भारतीय सेना बहुत शक्तिशाली हो जाएगी।

खाद्यान्न आपूर्ति में भारत

बीते 15 वर्षों में पहली बार भारत 22 अरब राष्ट्रों की लीग के लिए सबसे बड़ा खाद्यान्न आपूर्तिकर्ता देश बन गया है। खाड़ी देशों द्वारा पिछले वर्ष आयात किये गए कुल कृषि व्यापार उत्पादों में भारत की हिस्सेदारी 8.25 प्रतिशत रही, जोकि ब्राजील की 8.15 प्रतिशत की हिस्सेदारी के बनिस्पत सर्वाधिक है।

अरब-ब्राजील चैंबर ऑफ कॉमर्स के मुताबिक अरब जगत के लिए ब्राजील महत्वपूर्ण व्यापारिक साझीदार रहा है, लेकिन दोनों के बीच भौगोलिक दूरी बाधक रही है। कोरोना महामारी में वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधान आया, जिससे खाद्यान्न उत्पादों को पहुंचाने में चुनौतियां पेश आयीं।

भारत अरब देशों को फलों, सब्जियों, चीनी, अनाज और मांस की आपूर्ति मात्र हफ्ते भर के समय में कर सकता है, वहीं ब्राजील को लगभग दो महीने का समय लग जाता है। शिपिंग मार्गों विशेषकर भारत, तुर्की, अमेरिका, फ्रांस और अर्जेंटीना से व्यवधान के चलते ब्राजील की व्यापार चुनौती बढ़ी है, जिसका फायदा भारत को मिला।

महामारी काल में चीन ने अपने खाद्यान्न भंडार की क्षमता में इजाफा किया, उससे भी ब्राजील का अरब के साथ व्यापार का कुछ हिस्सा बाधित हुआ। वहीं सऊदी अरब जैसे कुछ देश घरेलू स्तर पर खाद्यान्न उत्पादन कार्यक्रमों को बढ़ावा दे रहे हैं, साथ ही आयात के अन्य विकल्पों पर भी विचार करने लगे हैं। दुबई ने संयुक्त अरब अमीरात में खाद्यान्न कारोबार से जुड़ी कंपनियों से भारतीय किसानों को जोड़ने हेतु कृषि व्यापार प्लेटफॉर्मों की शुरुआत की है।

महामारी में जिस तरह आपूर्ति श्रृंखला बाधित हुई, उससे सबक लेते हुए खाड़ी देश खाद्य सुरक्षा को मजबूत करने लगे हैं। दुबई के मल्टी कमोडिटीज सेंटर का प्लेटफॉर्म एग्रीयोटा व्यापार को सुगम बनाने की पहल का ही हिस्सा है। भारतीय वाणिज्य मंत्रालय के अनुसार, भारत से होनेवाले कृषि निर्यात में 2020-21 में बीते वर्ष के मुकाबले लगभग 25 प्रतिशत वृद्धि हुई है। यह बढ़ोतरी उस अवधि में हुई, जब भारत के सकल निर्यात में सात प्रतिशत से अधिक की गिरावट रही। साल 2020-21 में कृषिगत निर्यात में 32.5 बिलियन डॉलर तक विस्तार हुआ, जो 2012-13 के रिकॉर्ड निर्यात 32.7 बिलियन डॉलर के करीब रहा। कुल निर्यात में कृषि की हिस्सेदारी 11 प्रतिशत से अधिक हो गयी है, जोकि उच्चतम स्तर पर है। यह भारतीय कृषि के लिए सुखद संकेत है। वर्तमान में विविध प्रसंस्करित खाद्यान्नों के विकास पर फोकस किया जा रहा है। साल 2022 में कृषि निर्यात के 60 बिलियन डॉलर के महत्वाकांक्षी लक्ष्य को हासिल करने के लिए भारत सरकार विभिन्न स्तरों पर प्रयास कर रही है। नतीजतन, कृषि एवं प्रसंस्करित खाद्यान्न के मूल्य में उत्साहवर्धक वृद्धि हुई है। यह उच्चतर आर्थिक वृद्धि और अच्छे मुनाफे के लिए बेहतर संकेत है।

आज का कार्टून

साभार

मरीजों के सामने कैसी त्रासदी

दिल्ली के अस्पतालों में रेजिडेंट डाक्टरों की हड़ताल का दायरा फैलता जा रहा है। ऐसी स्थिति में यह समझना मुश्किल नहीं है कि जरूरतमंद मरीजों के सामने कैसी त्रासदी खड़ी हो चुकी है। सब कुछ सरकार की निगाह में है, इसके बावजूद डाक्टरों की हड़ताल न केवल पिछले कई दिनों से चल रही है, बल्कि अब उसमें कई अन्य अस्पतालों के डाक्टर भी शामिल हो गए हैं। मुश्किल यह है कि राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा, स्नातकोत्तर या नीट पीजी काउंसलिंग, 2021 में आरक्षण से संबंधित सरकार के एक फैसले के बाद हो रही देरी के जिस मुद्दे पर डाक्टरों ने हड़ताल शुरू की है, वह अभी अदालत में विचाराधीन है। सरकार मामले के अदालत में होने का हवाला दे रही है, तो डाक्टर काउंसलिंग जल्दी कराने की मांग कर रहे हैं, ताकि हजारों नए डाक्टर अस्पताल आना शुरू कर सकें। इस देरी की वजह से मौजूदा समय में अस्पतालों में काम कर रहे डाक्टरों पर अतिरिक्त बोझ पड़ रहा है। इस तरह एक ओर अतिरिक्त दबाव से उपजी परेशानी की वजह से डाक्टर हड़ताल पर हैं, तो दूसरी ओर अस्पतालों में पहुंचने वाले मरीजों को जरूरी इलाज नहीं मिल पा रहा है।

जिस वक्त स्वास्थ्य सेवाओं के मोर्चे पर सबसे ज्यादा चौकस रहने की जरूरत है, हड़ताल पर जाने वाले डाक्टरों के साथ-साथ सरकार के उदासीन रुख को कैसे देखा जाए! इससे बड़ी विडंबना क्या होगी कि कोरोना में अस्पताल

के दरवाजे पर किसी भी वक्त मौत से लड़ता कोई मरीज पहुंच सकता है, लेकिन संभव है कि उसे जरूरी इलाज न मिल पाए। हड़ताल के बढ़ते दायरे के बीच ऐसी खबरें भी आ चुकी हैं, कि किसी मरीज को देखने के लिए डाक्टर उपलब्ध नहीं हैं, तो किसी की मौत सिर्फ इसलिए हो गई कि उसे समय पर इलाज नहीं मिल सका। सवाल है कि सब कुछ सरकारों के संज्ञान में होने के बावजूद ऐसी नौबत क्यों आ गई! पिछले करीब दो साल से महामारी और इलाज के लिहाज से देश एक बेहद संवेदनशील दौर से गुजर रहा है और उसमें चिकित्सा से जुड़े सभी डाक्टरों और कर्मचारियों की ड्यूटी एक तरह से आपात सेवाओं के तहत ही चल रही है। यह समझना मुश्किल है कि हड़ताल खत्म करने की कोशिशों के बजाय सरकार ऐसे कामों या अन्य मोर्चों पर व्यस्त है, जिनकी प्राथमिकता स्वास्थ्य सेवाओं के बाद होनी चाहिए। हड़ताल पर गए डाक्टरों को भी अपने रुख पर विचार करना चाहिए कि जो मामला सुप्रीम कोर्ट के जरिए हल हो सकता है, उसे लेकर यह तकरार कितना जरूरी है। विचित्र है कि दिल्ली सरकार की ओर से औपचारिक चिंता जाहिर करने के अलावा कोई ऐसी पहलकदमी नहीं हुई है, जिससे लगे कि वह डाक्टरों को ड्यूटी पर आने के लिए कोई ठोस प्रस्ताव सामने रख रही है। जिस समय चिकित्सा सेवाएं समूचे देश की जरूरत और फिक्र के केंद्र में हैं, उसमें डाक्टरों की हड़ताल और उसे लेकर सरकार की उदासीनता या टालमटोल का रवैया हैरान करने वाला है। यह ध्यान रखने की जरूरत है कि महामारी का जोर फिलहाल कम जरूर दिख रहा है, लेकिन अब भी यह अपने जटिल स्वरूप में है। इसके अलावा, ओमीक्रान बहुरूप से लेकर तीसरी लहर की आशंका सिर पर मंडरा रही है। ऐसे में सरकार और हड़ताली डाक्टरों को हर हाल में कोई बीच का रास्ता निकालना चाहिए, ताकि पिछले त्रासद अनुभव न दोहराए जा सकें।

स्वामी प्रकाशक एवं मुद्रक प्रवीण कुमार सिंह द्वारा आला प्रिंटिंग प्रेस 3636 कटारा दिना बेग लाल कुआं, दिल्ली.... से मुद्रित एवं, ब्लॉक नं. 23 मकान नं. 399 त्रिलोकपुरी दिल्ली....91
से प्रकाशित संपादक -प्रवीण कुमार सिंह टेलीफोन नं. 011.22786172 फैक्स नं. 011.22786172
RNI, No. DELHIN383334, E-mail: gauravashalibarat@gmail.com इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के पीआरबी एट के तहत

माल ब्लाक परिसर में 101 जोड़ों का होगा सामूहिक विवाह

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा संचालित मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के अंतर्गत कार्यालय खंड विकास अधिकारी माल में सामूहिक विवाह आयोजन कार्यक्रम 11 दिसंबर शनिवार को 101 जोड़ों का विवाह का प्रथम चरण प्रातः 10रू00 बजे प्रारंभ होगा। विकासखंड माल परिसर में आयोजित होने वाले सामूहिक विवाह कार्यक्रम में मुख्य रूप से विधायिका श्रीमती जयदेवी ब्लॉक प्रमुख श्रीमती राम देवी तथा केंद्रीय राज्यमंत्री एवं मोहनलालगंज के जनप्रिय सांसद कौशल किशोर द्वारा उद्घाटन किया जाएगा। खंड विकास अधिकारी प्रतिभा जायसवाल द्वारा 101 जोड़ों का सामूहिक विवाह कराए जाने का प्रस्ताव है। राकेश कुमार मिश्र सहायक विकास अधिकारी समाज कल्याण तथा सुनील कुमार यादव ग्राम विकास अधिकारी समाज कल्याण उक्त सामूहिक विवाह का कुशलतापूर्वक संचालन कर रहे हैं। बताया जा रहा है कि लखनऊ जिले के सभी आठ विकास खंडों में सबसे अधिक माल विकासखंड परिसर में 101 जोड़ों का मेगा सामूहिक विवाह कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है।

श्री सीताराम विवाह शोभायात्रा निकाली गई

लखनऊ। तुलसी धाम से अयोध्या धाम श्री सीताराम विवाह शोभायात्रा अगहन शुक्ल पंचमी श्री सीताराम विवाह के अवसर पर सनातन धर्म परिषद एवं श्री तुलसी जन्म भूमि न्यास द्वारा 8 दिसंबर 2021 को गोस्वामी तुलसीदास की जन्म भूमि राजापुर सूकरखेत जनपद गोंडा से परसपुर रगड़गंज तरबगंज नवाबगंज होते हुए भगवान श्री राम की पावन नगरी अयोध्या के लिए भव्य शोभायात्रा निकाली गई।

शोभायात्रा में राम कुमार सोनी पूर्व प्रधान, सुरेश गुप्ता पत्रकार, उमाशंकर त्रिपाठी पूर्व प्रधान, मोहित मिश्रा, सांवल दास चौधरी, अशोक कुमार सिंह . ओंकार सिंह, बृजेश गुप्ता, मैन बहादुर सिंह, पवन कुमार गुप्ता . राम लखन, यज्ञ सैनी, रामू मिश्रा और जगदीश दुबे आदि महानुभावों ने भाग लिया ।

यात्रा का लक्ष्य गोस्वामी तुलसीदास जन्म भूमि सूकर खेत को तीर्थ स्थल घोषित करने एवं तुलसी जन्मभूमि परिसर के पास प्रस्तावित विश्वविद्यालय का नाम करण गोस्वामी तुलसीदास विश्वविद्यालय करने की मांग पर बल दिया गया। डॉ. स्वामी भगवदाचार्य अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष ने उक्त जानकारी दी।

जागेश्वर धाम में धूम धाम के साथ हुआ भगवान रामजानकी का विवाह

कोटरा पुलिस की मौजूदगी में रातभर हुआ भजन कीर्तन का आयोजन

पिरौना। कोटरा थाना क्षेत्र के वेतवा नदी स्थित जागेश्वर धाम पर माता सीता और भगवान राम का विवाह बड़ी धूमधाम से किया गया जागेश्वर महंत धर्मदास महाराज ने बताया कि प्रतिवर्ष बड़ी धूमधाम से किया जाता है जिसमे हजारो की संख्या में भक्तगणों का तांता लगा रहता है भगवान राम सीता का विवाह हिन्दू रीतिरिवाज के साथ किया जाता है जिसमे बैंडबाजों के साथ भगवान राम की बारात निकाली जाती है

जिसमे भक्तो के नाचने गाने के साथ महिलाएं की संख्या भी हजारो की संख्या में रहती हैं भजन संध्या में बाहर से आये हुए कलाकारों ने अपनी कलाओं को प्रदर्शित किया हरपाल सिंह दाऊ, प्रताप यादव, प्रतिभा विश्वकर्मा, ब्रजेंद्र सिंह यादव, दीक्षा पाल, हेमन्त तूफानी, नन्दराम कुशवाहा, धनसिंह मंचला, रामस्वरूप, उमेश गजेंद्र यादव पिरौना के साथ समस्त छतरपुर पार्टी ने अपना जलवा बिखेर दिया इसके साथ माता सीता और भगवान राम का विवाह हुआ मौके पर कोटरा पुलिस जिसमे एसआई गजेंद्र प्रताप सिंह, अतुल कुमार राजपूत की मौजूदगी में कार्यक्रम संपन्न हुआ

मनबुद्धि नाबालिग से दुराचार कर किया गर्भवती

सहारा सन्देश टाइम्स
संजय शर्मा

खड़ा पीड़ित परिवार

स्योहारा। समाज व महिला वर्ग को कलंकित करने का एक और सनसनीखेज मामला क्षेत्र के एक ग्राम से सामने आया है जिसके अंतर्गत एक कामुक दरिंदे ने पड़ोस में ही रहने वाली एक 12 वर्षीय मासूम व मनबुद्धि को अपनी हवस का शिकार बना डाला व उसके दो अन्य साथियों ने बालिका को धमकी देते हुए उसका मुंह बंद करा दिया,लेकिन मामले में अब उस समय जब नया मोड़ आ गया जब बालिका की तबियत बिगड़ गई और डॉक्टर ने उसकी जांच कराई तो बालिका 4/5 माह की गर्भवती निकली जिसके बाद उसके परिजनों में हलचल मच गई और बच्ची से दबाव बनाकर पूछा तो उसने बताया कि पड़ोस में रहने वाले उसकी उम्र से ढाई गुना मोनू पुत्र मदन सिंह ने 5 माह पूर्व जबरन दुराचार किया था व उसके साथी मोहित व अमित ने किसी को न बताने की धमकी दी थी।

पीड़ित ने थाने में दी तहरीर से आरोपियों पर कार्यवाही की मांग की है,जिस पर पुलिस ने एक आरोपी को पकड़ कर कार्यवाही शुरू कर दी है।

घूरपुर पुलिस के कारनामों की खुल रही पोल

गिरफ्त मोटर साइकिल के इंजन व पहिये की हुई हेराफेरी

सहारा सन्देश टाइम्स
उमेश चंद्र सोनी

घूरपुर पुलिस न्याय करने के बजाय खुद निभाती है वादी की भूमिका

घूरपुर प्रयागराज। घूरपुर पुलिस इन दिनों सुर्खियों में है। एक ओर जहां क्षेत्र के एक पत्रकार के साथ वादी बनकर एससीएसटी एक्ट और अवैध असलहा दिखाकर जेल भेजा गया वही दुर्घटना में शिकार घायल की मोटरसाइकिल में हेराफेरी का भी मामला प्रकाश में आया है। एक ओर जहां शासन प्रशासन से लोगों को न्याय की उम्मीद रहती है वहीं शासन-प्रशासन खुद-ब-खुद हेराफेरी करने से बाज नहीं आता। अक्सर देखा जाए तो हर थाने पर सत्यमेव जयते लिखा जरूर होता है पर उस पर कोई ध्यान नहीं देता की सत्यमेव जयते क्यों लिखा है। इसीलिए कि यहां सत्य हमेशा पराजित होता है।

पूरा मामला घूरपुर थाने का है जिसमें थाना क्षेत्र के गांव खाई निवासी सुनील कुमार शर्मा आरोप है कि उसका दो वर्ष पहले मोटर साइकिल से जाते समय ट्रक से टक्कर हो गयी थी। जहां सुनील को गंभीर रूप से घायल हो जाने पर हास्पिटल में इलाज चल रहा था। जिसमें कई दिनों के इलाज के बाद भी उसका पैर ठीक नहीं हो पाया जिसमें डाक्टरों द्वारा इलाज के दौरान उसका पैर काट दिया जाता है। जिसके बाद उसका स्वास्थ्य ठीक हुआ। जिसमें दुर्घटना के दिन ही पीड़ित की दो पहिया वाहन UP70BR6811 को घूरपुर पुलिस ने कब्जे में लेकर थाने पर लाया गया था। इसके बाद जब वह व्यक्ति सालों स्वस्थ्य होने के उपरांत घूरपुर थाने में अपनी बाइक छुड़ाने जाता है तो उसके गाड़ी का इंजन, और दोनों पहिये को भी बदल दिया गया था।जिसपर वह अपने वाहन की दशा को देख विरोध करते हुए थानाध्यक्ष से बात की तो उनके द्वारा कहा जाता है कि आप बाद में आइये हम जांच कर लेंगे और आपकी गाड़ी सही सलामत मिलेगी। क्या यह सब थानों के अंदर हो रहा है और पुलिस विभाग के उच्च अधिकारियों को भनक तक नहीं है! आम जनता किसके ऊपर भरोसा करे। अगर पीड़ित के कथन पर गौर किया जाय तो क्या घूरपुर पुलिस द्वारा घायल लोगों की मदद की जाती है या उनके द्वारा कब्जे में ली गई घायल व्यक्ति के संसाधनों की हेराफेरी की जाती है। इस प्रकार से जब रक्षक ही भक्षक हो सकते हैं या थाने के अंदर रखे वाहनों की सामानों की अदला बदली किया जाता है तो इसकी जाँच पड़ताल की जाए और ऐसे अपराध करने वाले थाने के अंदर रह रहे पुलिस कर्मियों पर दण्डात्मक कार्यावाही पुलिस के उच्च अधिकारियों द्वारा किया जाना चाहिए।

कृषि विज्ञान केन्द्र का फसल अवशेष प्रबंधन प्रशिक्षण

(संवाददाता)

हरदोई। कृषि विज्ञान केंद्र, हरदोई परिसर पर फसल अवशेष प्रबंधन के अंतर्गत चयनित ग्राम साबिरपुर, मुजाहिद पुर विकासखंड बावन एवं ग्राम उतरा, अलावलपुर विकासखंड हरियावा के कुल 25, लाभार्थियों का पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम सम्पन्न हुआ।इस प्रशिक्षण के दौरान केंद्र के वैज्ञानिकों ने फसल अवशेष प्रबंधन के विभिन्न पहलुओं पर विस्तार पूर्वक जानकारी दी। इस अवसर पर केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष डॉ रामप्रकाश ने फसल अवशेष प्रबंधन की अवधारणा एवं इसके इन सीटू प्रबंधन के बारे में विस्तृत जानकारी दी । साथ ही साथ इसके परिणामी लाभ के बारे में भी बताया। कार्यक्रम के नोडल अधिकारी डॉ डी बी सिंह ने धान के अवशेषों के प्रबंधन के बारे में जानकारी दी तथा यह भी बताया कि फसल अवशेष प्रबंधन जरूरी क्यों है। केंद्र के वैज्ञानिक डॉ दीपक कुमार मिश्र ने यंत्रीकरण जैसे हैप्पी सीडर, रिवेर्सीबल प्लाऊ द्वारा फसल अवशेष प्रबंधन के बारे में बताया। केंद्र के उद्यान वैज्ञानिक डॉ पृथ्वी पाल ने बताया कि मिट्टी पलटने वाले हल द्वारा फसलों के अवशेषों को मिट्टी में दबाया जा सकता है। केंद्र के वैज्ञानिक डॉ सी. पी.एन. गौतम ने बताया कि बायोडीकंपोजर के माध्यम से फसल अवशेष को सड़ाकर खाद बनाई जा सकती है। दोनो कार्यक्रमो का संचालन क्रमशः डॉ दीपक कुमार मिश्र एवं डॉ डी बी सिंह ने किया तथा धन्यवाद प्रस्ताव डॉ सी पी एन गौतम ने किया। इस अवसर पर कृषकों को प्रमाण पत्र एवं बैग वितरित किया गया।

जौहर डे के मौके पर आयोजित हुआ सेमिनार

मौलाना की कुर्बानियो को भुलाया नहीं जा सकता–हयात जफर

कानपुर। आज एमएमए जौहर फैन्स एसोसिएशन द्वारा प्रेमनगर स्थित कार्यालय में मौलाना मोहम्मद अली जौहर की 145 वीं जयंती पर एक सेमिनार जौहर डे के नाम से आयोजित हुआ। जिसकी अध्यक्षता राष्ट्रीय अध्यक्ष हयात जफर हाशमी व नगर महामंत्री सैय्यद जीशान अली ने किया। सेमिनार में पदाधिकारियों को सम्बोधित करते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष हयात जफर हाशमी ने कहा कि मौलाना मोहम्मद अली जौहर जंग ए आजादी के मुजाहिद थे जिन्होंने इंग्लैंड में शिक्षा प्राप्त करने के बाद वापस भारत आकर यंहा के हालात को देखते हुए ब्रिटिश शासन द्वारा उनको दिये गये बेसिक शिक्षा अधिकारी के पद को ठुकरा कर गांधी जी के साथ आजादी की लड़ाई में कूद गये उन्होंने हिन्दी, उर्दू, अंग्रेजी के अखबार निकाल कर अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ आवाज उठाई जिसके लिए ब्रिटिश शासन ने उनके अखबार पर प्रतिबंध लगाने के साथ साथ उन्हें जेल भी भेजा। हाशमी ने कहा कि 1923 को जौहर साहब अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के राष्ट्रीय अध्यक्ष चुने गए मगर अफसोस आज कांग्रेस ने अपने ही अध्यक्ष को भुला दिया 1928 में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने जौहर साहब के घर पर 21 दिन का व्रत रखा और जौहर साहब ने पूर्ण रूप से निष्ठा के साथ गांधी जी के जलपान और साफ सफाई की व्यवस्था स्वयं की। 1930 में लंदन में बुलाई गई राउंड टेबल कांफ्रेंस में भारत का नेतृत्व करने के लिए जौहर साहब को भेजा गया था। जाने से पहले जौहर साहब की माता बीआम्मा जो एक स्वतंत्रता संग्राम सेनानी थी उन्होंने कहा था कि जौहर तुम हिन्दुस्तान का आजादी का परवाना लिये बगैर वापस मत आना वरना मैं तुम्हें अपना दूध नहीं बक्शूगीं। जौहर साहब ने लंदन में आयोजित कान्फ्रेंस में संयुक्त राष्ट्र के प्रतिनिधियों से स्पष्ट कहा कि मुझे हर किमत पर हिन्दुस्तान आजाद चाहिए। वरना मै वापस नही जाऊंगा और आपको मुझे 2 गज जमीन देनी पड़ेगी जिसके बाद 4 जनवरी 1931 को उनको दिल दौरा पड़ा और लंदन में ही उनका इंतेकाल हो गया। राष्ट्रीय मीडिया सलाहकार हाफिज मोहम्मद फैसल जाफरी ने कहा कि जौहर साहब ने ही भारत में अच्छी शिक्षा के लिए जौहर विश्वविद्यालय का निर्माण कराया।

उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि यही होगी कि हम उनके बताए हुए मार्गों का अनुशरण करें। सेमिनार में प्रमुख रूप से राष्ट्रीय अध्यक्ष हयात जफर हाशमी, हाफिज मोहम्मद फैसल जाफरी, जावेद मोहम्मद खान,फिरोज अन्सारी बॉबी, सैय्यद जीशान अली,सैय्यद सुहेल, मोहम्मद इलियास गोपी, फैसल मंसूरी, मोहम्मद सुफियान,मोहम्मद ताहिर आदि मौजूद रहे।

विदेश सचिव श्रृंगला ने की शेख हसीना से मुलाकात

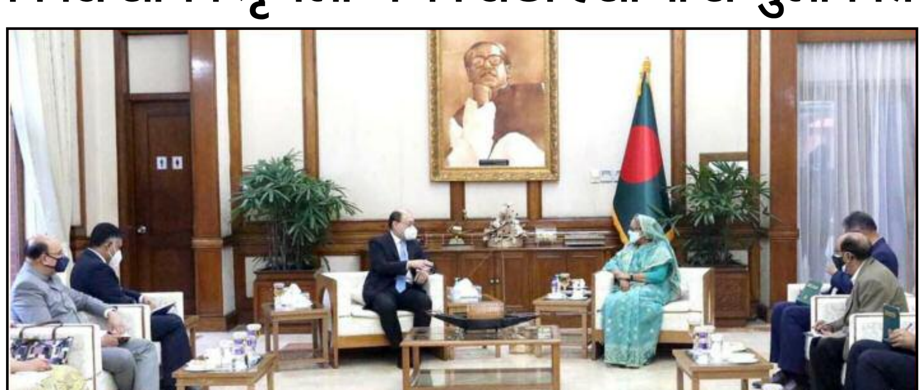

विदेश सचिव हर्षवर्धन श्रृगला ने बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने बांग्लादेश की मुक्ति और विजय दिवस के 50 वर्ष पूरे होने के अवसर पर राष्ट्रपति राम नाथ कोविंद की आगामी यात्रा पर चर्चा की।

राष्ट्रपति कोविंद की आगामी यात्रा पर हुई चर्चा।

इस बारे में ढाका स्थित भारतीय दूतावास ने ट्वीट कर कहा कि विदेश सचिव श्रृंगला ने बांग्लादेश की पीएम शेख हसीना से मुलाकात की और मैत्री दिवस की 50 वीं वर्षगांठ पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से बधाई दी। उन्होंने दिल्ली और ढाका के अलावा 16 देशों में मैत्री दिवस को लेकर आयोजित हुए सफल संयुक्त उत्सव का उल्लेख किया। बता दें कि भारत और बांग्लादेश के राजनयिक संबंधों के 50 साल पूरे होने पर श्मैत्री दिवस मनाने के एक दिन बाद श्रृंगला 7-8 दिसंबर तक पड़ोसी देश की दो दिवसीय यात्रा पर हैं। उनकी यह यात्रा राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद के 15 से 17 दिसंबर के बीच बांग्लादेश दौरे से पहले हो रही है।

18 देशों में हुआ था आयोजन-

इससे पहले 6 दिसम्बर को दोनों देशों ने संयुक्त रूप से श्मैत्री दिवसश् का आयोजन किया था। भारत और बांग्लादेश ने ऑस्ट्रेलिया, फ्रांस, जापान और अमेरिका सहित 18 देशों की राजधानियों में मैत्री दिवस मनाया था। इस दिन को भारत-बांग्लादेश दोस्ती के दिन के तौर पर जाना जाता है।

प्रधानमंत्री मोदी ने घोषित किया था मैत्री दिवस-

6 दिसम्बर 1971 को भारत ने बांग्लादेश को एक राष्ट्र के रूप में मान्यता दी थी। इस दिन को प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने मार्च 2021 में बांग्लादेश-भारत मैत्री दिवस (मोइत्री दिबोश) के रूप में नामित किया था।

मदरसा जियाउल उलूम में जलसे का हुआ आयोजन

बरवर-खीरी। नगर के मदरसा जियाउल उलूम में एक जलसे का आयोजन किया गया जलसा सुनने के लिए सैकड़ों की संख्या में लोग मौजूद रहे, मदरसे के छात्रों के प्रोग्राम का संचालन हाफिज मोहम्मद लुकमान ने किया। शायरों ने अपनी शायरी को श्रोताओं के बीच कुछ इस तरह पेश किया इरशाद -जब आए नबी बनकर महमान मदीने में- फारा से चले आए सलमान मदीने में। जनाब सैफुल्ला ने पढ़ा-धड़कनो तुम ही कहो बक्त वह कैसा होगा,सामने आंखों के जब गुंबदे खजरा होगा। मोहम्मद अनस- वच्चो को अपने साहिबे ईमान बनाओ कुरान पढ़ाओ कुरान पढाओ।। मुदस्सिर- किताबें लेकर जब बच्चे मदरसे जाने लगते हैं, जिब्रील अमी रस्ते में पर फैलाने लगते हैं । तबरेज- जीशान मेरे आका है सारे रसूलो के सुल्तान मेरे आका है सारे रसूलों के। मोहम्मद शेफ-यू लोग कहते है गमखुअर नही मिलता, तैबा में चला जाए ।

संयुक्त राष्ट्र महासभा ने अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन को दिया पर्वेक्षक का दर्जा

संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) ने अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन (आईएसए) को पर्यवेक्षक का दर्जा दिया है। इस खबर की घोषणा संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी राजदूत, टीएस तिरुमूर्ति ने बुधवार को की। उन्होंने इसे एक ऐतिहासिक निर्णय बताते हुए कहा कि अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन वैश्विक ऊर्जा वृद्धि और विकास को लाभ पहुंचाने के लिए साझेदारी के माध्यम से सकारात्मक वैश्विक जलवायु कार्रवाई का एक उदाहरण बन गया है।

संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी राजदूत टीएस तिरुमूर्ति ने यूएनजीए के इस कदम को बताया ऐतिहासिक।

राजदूत टीएस तिरुमूर्ति ने इस संबंध में एक ट्वीट कर कहा कि अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन को पर्यवेक्षक का दर्जा देने के लिए आज संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा ऐतिहासिक निर्णय लिया गया। बीते 6 वर्षों में अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन वैश्विक ऊर्जा वृद्धि और विकास के लिए साझेदारी के जरिये सकारात्मक वैश्विक जलवायु कार्रवाई का एक उदाहरण बन गया है। सभी सदस्य राष्ट्रोंय को धन्यवाद। वहीं संयुक्त राष्ट्र महासभा के 76 वें अध्यक्ष अब्दुल्ला शाहिद ने इस बारे में ट्वीट कर कहा कि संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 06 वीं समिति की रिपोर्ट के आधार पर सर्वसम्मति से संयुक्त राष्ट्र महासभा के सत्र और कार्य में भाग लेने के लिए अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन को एक पर्यवेक्षक के तौर पर आमंत्रित करने का निर्णय लिया है।

अक्टूबर में आयोजित हुई थी आम सभा-

अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन (आईएसए) की चौथी आम सभा इससे पहले अक्टूबर में आयोजित की गई थी। इसमें कुल 108 देशों ने हिस्साच लिया था, जिनमें 74 सदस्य देश, 34 पर्यवेक्षक देश, 23 सहयोगी संगठन और 33 विशेष आमंत्रित संगठन शामिल रहे।

प्रधानमंत्री ने की थी घोषणा-

अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन के शुभारंभ की घोषणा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और फांस के पूर्व राष्ट्रपति फ्रांस्वा ओलां ने नवंबर 2015 में फ्रांस के पेरिस में आयोजित यूएन क्लाइमेट चेंज कॉन्फ्रेंस ऑफ द पार्टीज के 21वें सत्र में की थी।

अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन का उद्देश्य क्या है-

आईएसए का उद्देश्य सौर ऊर्जा के उपयोग में तेजी से वृद्धि करना है ताकि इससे जुड़े देश सदी के मध्य तक वैश्विक तापमान वृद्धि को 1.5ब् तक सीमित करने के प्रयास में और शुद्ध-शून्य कार्बन उत्सर्जन के महत्वाकांक्षी लक्ष्य को प्राप्त कर सकें।

भारतीय जनता युवा मोर्चा लखनऊ महानगर अध्यक्ष मानवेंद्र प्रताप सिंह के नेतृत्व में शहीद स्मारक में अमर शहीद जनरल बिपिन रावत समेत 12 अन्य सैन्य अधिकारियों को श्रद्धांजलि

लखनऊ । आज भारतीय जनता युवा मोर्चा लखनऊ महानगर अध्यक्ष मानवेंद्र प्रताप सिंह के नेतृत्व में शहीद स्मारक में अमर शहीद जनरल बिपिन रावत समेत 12 अन्य सैन्य अधिकारी जिनका तमिलनाडु के कुन्नूर में हुए हेलीकॉप्टर हादसे में मृत्यु हो गई उनकी आत्मा की शांति के लिए सभी लोग एकत्रित हो श्रद्धांजलि एवं श्रद्धा सुमन अर्पित किए। कार्यक्रम में मुख्य रूप में महानगर अध्यक्ष मुकेश शर्मा एवं युवा मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष प्रांशु दत्त व के साथ नगर अध्यक्ष युवा मोर्चा मानवेन्द्र प्रताप सिंह, प्रदेश उपाध्यक्ष अनुभव द्विवेदी व मीडिया प्रभारी धनंजय शुक्ला रहे । प्रांशु जी ने कहा की जनरल बिपिन रावत जी के 43 वर्ष के सैन्य कार्यकाल में भारतीय सेना उच्चतम स्थान तक पहुंची , इन्हीं के कार्यकाल में सर्जिकल स्ट्राइक एवं एयर स्ट्राइक के द्वारा पाकिस्तान को मुंहतोड़ जवाब देने का काम किया गया। मुकेश जी ने कहा की उनके द्वारा किए गए कार्यों से निश्चित रूप से पूरा देश गर्व महसूस करता है।

उन्होंने देश के पहले सीडीएस अधिकारी के रूप में पद ग्रहण किया था जिसकी पूर्ति तो की जा सकती है परंतु उनके जैसा व्यक्तित्व मिल पाना शायद ही मुश्किल है । मीडिया प्रभारी अभय उपाध्याय ने बताया कि कार्यक्रम के अंत में सभी ने 2 मिनट का मौन रख शहीदों की आत्मा की शांति की प्रार्थना की। कार्यक्रम में युवा मोर्चा उपाध्यक्ष सौरभ तिवारी अंकित पांडे वैभव सिंह महामंत्री अमित त्रिपाठी अभिषेक गुप्ता मंत्री अतुल सिंह सचिन सोनकर आशुतोष तिवारी अभिषेक श्रीवास्तव सोशल मीडिया प्रभारी सचिन मिश्रा चेतन तिवारी आनंद तिवारी वंशज गुप्ता संतोष रत्नेश इशांक सौरभ नितिन सिंघल एवं सैकड़ों की संख्या में युवा साथी उपस्थित रहे ।

नीलगाय की टक्कर से बाइक सवार दो लोगों की मौके

सहारा सन्देश टाइम्स

प्रयागराज । थरवई थाना क्षेत्र में शुक्रवार की दोपहर बड़ा हादसा हो गया। नीलगाय की टक्कर से बाइक सवार दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। आसपास के ग्रामीणों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शवों को कब्जे में ले लिया है। परिवार के लोगों को हादसे की जानकारी हुई तो माहौल गमगीन हो गया। जानकारी के अनुसार बहरिया थाना क्षेत्र के अभयपुर निवासी 60 वर्षीय सत्य नारायण यादव पुत्र भागीरथी बाइक से किसी काम से थरवई थाना क्षेत्र की ओर शुक्रवार की दोपहर में जा रहे थे। उनके साथ में बाइक पर 55 वर्षीय जगदेव प्रसाद पुत्र समय लाल निवासी भरेहता भी थे। सिकंदरा से गारापुर जाने वाले मार्ग पर वजीपुर गांव के समीप हादसा हुआ। वजीपुर गांव के निकट मार्ग पर अचानक नीलगाय आ गई। इससे वाहन चालक का संतुलन बिगड़ गया। नीलगाय को टक्कर मारने के बाद बाइक सवार दोनों गिर पड़े। आसपास के लोग वहां पहुंचे हालांकि तब तक सत्य नारायण यादव और जगदेव प्रसाद की मौत हो चुकी थी। स्थानीय ग्रामीणों की सूचना पर वहां पुलिस पहुंची। जानकारी होने पर कुछ ही देर में वहां सत्य नारायण यादव और जगदेव प्रसाद के बिलखते परिवार के लोग भी पहुंच गए।

नवजात शिशु के शव को घसीटते रहे आवारा कुत्ते

सहारा सन्देश टाइम्स
संजय शर्मा

स्योहारा। गुरुवार की शाम मुरादाबाद मार्ग पर शमशान के निकट उस समय हलचल मच गई जब वहां राहगीरों ने एक नवजात के शव को कुत्तो के बीच पाया कुत्ते शव को मुह में भरकर उसको खाने का प्रयास कर रहे थे लेकिन राहगीरों की मदद से शव को छीना गया और एक बाल्मीकि युवक द्वारा शव को शमशान में दफनाया गया,कयास लगाए जा रहे हैं शव को कुत्ते शमशान से ही निकाल कर लाए होंगे।

शौचालय में लटकते ताला से ग्रामीण आक्रोशित, जिम्मेदार लापरवाह

हरदोई। केंद्र व राज्य सरकार स्वच्छता अभियान के तहत लोगों को जागरूक कर रही है। वैसे तो स्वच्छ भारत मिशन के तहत देश के सभी जरूरतमंद लोगों को प्रधानमंत्री द्वारा शौचालय वितरण किया गया है जिससे लोगों को शौच के लिए बाहर ना जाना पड़े इसके साथ ही प्रत्येक ग्राम पंचायत में एक सामुदायिक शौचालय का निर्माण भी कराया गया है। जिससे कि लोगों को शौच संबंधित समस्याओं से निजात मिल सके। ताजा मामला जनपद हरदोई के विकासखंड संडीला की ग्राम पंचायत परिहावाँ शेखवापुर मन्दिर परिसर का है जहां ग्राम पंचायत द्वारा सामुदायिक शौचालय का निर्माण तो हो गया है लेकिन अभी इस शौचालय का उपयोग गांव के जरूरतमंद लोग नहीं कर पा रहे हैं। क्योंकि सामुदायिक शौचालय में ताला लगा रहता है। इस संबंध में जब वीडीओ से बात की गई तो उन्होंने बताया कि उक्त मामला मेरे संज्ञान में नहीं है उन्होंने कहा कि जांच करवायेगें यदि कथन सही पाया गया तो कार्यवाही की जाएगी।

काजल संग पर्दे पर गर्दा उड़ाएंगे यश

भोजपुरी एक्टर यश कुमार ने अपने ड्रीम प्रोजेक्ट 'दंडनायक' का फर्स्ट लुक रिविल कर दिया है। फिल्म में यश के साथ काजल राघवानी नजर आएंगी। फिल्म का ट्रेलर भी जल्द रिलीज किया जाएगा। एक्टर यश कुमार ने सोशल मीडिया पर अपनी आने वाली फिल्म 'दंडनायक' का फर्स्ट लुक रिलीज कर दिया। पोस्ट शेयर करते हुए यश ने लिखा 'फिल्म से जुड़े तमाम टेक्नीशियन और एक्टर जिन्होंने इस फिल्म को इतना खूबसूरत बनाने में योगदान दिया है, सबको धन्यवाद। ये अब तक कि मेरी सबसे बेहतरीन फिल्म है। 'यश कुमार एंटरटेनमेंट' के बैनर तले बनी इस फिल्म का दर्शकों को काफी वक्त से इंतजार है। फिल्म की शूटिंग इसी साल आठ जुलाई से शुरू हो गई थी। फिल्म की पहली झलक आते ही फोटो सोशल मीडिया पर धड़ल्ले से शेयर किया जाने लगा। फिल्म की कहानी के साथ- साथ गाने भी दर्शक को अपनी ओर आकर्षित करते हैं। फिल्म को लेकर यश कुमार का कहना है कि मेरी तमाम फिल्मों को बेहद स्नेह और आशीर्वाद मिला है। उम्मीद है कि ये फिल्म भी आपको पसंद आएगी। फिल्म का निर्माण विशाल पैमाने पर हुआ है। फिल्म बहुत जल्द आप सब के बीच होगी। भोजपुरी के दर्शकों के लिए ये नए साल का तोहफा होगा। फिल्म का शानदार ट्रेलर भी जल्द रिलीज किया जाएगा।

वहीं दंडनायक की हीरोइन काजल राघवानी का कहना है कि फिल्म एक बेहतरीन कहानी और मेहनतकश टेक्नीशियन का मिक्सचर है। यश की एक्टिंग भी कमाल की है । फिल्म का कॉन्सेप्ट मुझे फिल्म में खींच के लाई है और मेरे ख्याल से हर भोजपुरी प्रेमी को ये फिल्म एक बार जरूर देखनी चाहिए। यश कुमार एंटरटेनमेंट की फिल्म 'दंडनायक' में यश कुमार और काजल राघवानी मुख्य भूमिका मे नजर आएंगे, लेकिन इनके अलावा फिल्म में प्रीति शुक्ला, राधे कुमार, वर्षा तिवारी, संजीव मिश्रा,नवीन मिश्रा, अवनीश दुबे, अनुराग ठाकुर, धनंजय सिंह, मनोज मोहानी और नौशाद शेख भी अहम किरदार में हैं।

अक्षरा का धमाल

भोजपुरी सिनेमा की सुपरहिट एक्ट्रेस अक्षरा सिंह इन दिनों अपने नए म्यूजिक एल्बम पानी-पानी को लेकर चर्चा में हैं, जो कि बादशाह के मशहूर गाने का भोजपुरी वर्जन है, जिसमें वे खेसारी लाल यादव के साथ दिख रही हैं। एक्ट्रेस के परफॉर्मेंस को खूब पसंद किया जा रहा है और लाखों लोग उनके ग्लैमरस अंदाज की तारीफ कर रहे हैं। भोजपुरी फिल्मों के पर्दे पर भले ही अक्षरा एक गांव की देसी नारी के रूप में दिखती हों, लेकिन रीयल लाइफ में वे बहुत ही स्टाइलिश हैं। अक्षरा भोजपुरी सिनेमा की सुपरहिट अदाकाराओं में से एक हैं।

वे न सिर्फ अभिनय से लोगों का दिल जीतती हैं बल्कि अपनी खूबसूरती से भी फैंस का अटेंशन लेती हैं। एक्टिंग अक्षरा को विरासत में मिली है, क्योंकि उनके माता-पिता भी अभिनय से जुड़े हैं। बात अगर अक्षरा के वर्क फ्रंट को लेकर करें तो सुपरहिट एक्ट्रेस वे इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म 'सबका बाप अंगूठा छाप' में बिजी हैं।

बिहारी बाबू के चलते खूब चमकल सितारा

"अबे खामोश", जली को आग कहते हैं, बुझी को राख कहते हैं, जिस राख से बारूद बने, उसे विश्वनाथ कहते हैं"। ई दुनू डायलाग सुनते आँखिन के सोझा एगो रोबदार चेहरा चमक जाला। उ रोबदार चेहरा के लोग प्यार से बिहारी बाबू, शॉटगन भा शत्रु कहेला। इहो एगो आश्चर्य के बात बा कि लोग ओह अभिनेता के प्यार से शत्रु कहेला। पटना बिहार में जनमल हिन्दी फिल्म इंडस्ट्री के मशहूर और मँझल अभिनेता शत्रुघ्न सिन्हा के देस परदेस हर जगह प्रशंसक बाड़ें।

बिहारी बाबू अपना भारी भरकम आवाज अउरी प्रभावशाली डील डौल के चलते हिन्दी सिनेमा में अइलें आ आपन अलग पहचान बना लेहलें। हालांकि उनके शुरुआत साइड रोल से भइल अउरी उ अपना करियर के कई गो यादगार भूमिका पैरेलल में रहि के ही निभवलें बाकिर उनके पूछ अउरी लोकप्रियता सुपरस्टार लेखां भइल। एक बेर अमिताभ बच्चन एगो टीवी साक्षात्कार में कहलें कि शत्रुघ्न सिन्हा में एगो विशेष प्रतिभा बा जेकरा चलते उ हमेशा भीड़ में भी चमक जालें।

सुर्खियों में कनक पांडे

भोजपुरी एक्ट्रेस कनक पांडे हमेशा अपने फैशन चॉइस की वजह से सुर्खियों में बनी रहती हैं। उन्हें अक्सर ऐसे अट्रैक्टिव आउटफिट पहने देखा जाता है और उनके ड्रेसिंग सेंस का भी चलता है। अभिनय के जरिए भले ही कनक किसी को इंप्रेस कर पाएं या नहीं, लेकिन अपने ग्लैमरस अंदाज के जरिए वे हमेशा ही लोगों का अटेंशन लेती हैं। यहां हम आपको कनक की कुछ स्टाइलिश तस्वीरें दिख रहे हैं, जिनमें वे पर्दे से अलग ही लुक में दिख रही हैं। कनक ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर काफी एक्टिव रहती हैं और आए दिन ही इंस्टाग्राम पर अपनी शोख अदाओं बिखरेती दिखती हैं। अभिनेत्री ने अपनी तस्वीरों से इंटरनेट पर तहलका मचाया हुआ है। तस्वीर में कलर पिंक शॉर्ट ड्रेस में बन हेयरस्टाइल और परफेक्ट मेकअप के साथ पोज देती हुई नजर आ रही हैं। उन्होंने इस फोटो के कैप्शन में लिखा, 'बोल्डनेस मेरा फैशन स्टेटमेंट है...' तस्वीर में कनक अपने बैक साइड बोल्ड लुक को फ्लॉन्ट कर रही हैं।

निरहुआ के छोटे भाई बने आम्रपाली के 'साजन'

भोजपुरी एक्ट्रेस आम्रपाली दुबे इन दिनों सोशल मीडिया पर कुछ ज्यादा ही चर्चा में हैं। कुछ दिन पहले आम्रपाली ने वजन और नई शुरुआत को लेकर एक फोटो शेयर की थी, जो काफी वायरल हुई थी, लेकिन इस बार आम्रपाली ने दर्शकों को बड़ा झटका दिया है। दरअसल आम्रपाली दुबे ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर अपने को- स्टार और सबसे अच्छे दोस्त निरहुआ के छोटे भाई प्रवेश लाल के साथ शादी की वीडियो शेयर की है। आपको बता दें की ये पूरा मामला काफी फिल्मी है। पर्दे पर दिनेश लाल यादव उर्फ निरहुआ संग धूम मचाने के बाद आम्रपाली अब उनके छोटे भाई प्रवेश लाल के साथ जोड़ी बनाती नजर आ रही हैं। वैसे तो ये जोड़ी भी पर्दे तक ही सीमित है, क्योंकि प्रवेश, आम्रपाली के साजन नहीं बल्कि साजन फिल्म में उनके को- स्टार हैं। इस फिल्म की शूटिंग शुरु हो चुकी है और आम्रपाली और प्रवेश दोनों ही फिल्म को लेकर काफी एक्साइटेड हैं। पिछले कुछ समय से आम्रपाली के वजन को लेकर फैन्स लगातार कमेंट कर रहे हैं। अब आम्रपाली दुबे ने खुलकर फैन्स को वजन बढ़ने को लेकर जवाब दिया है और वजह भी बताई है कि आखिर क्यों उनका वजन बढ़ गया है। उनकी इस पोस्ट पर निरहुआ का भी कमेंट आया। आम्रपाली दुबे ने अपने वजन बढ़ने को लेकर एक फोटो पोस्ट की है और लिखा है, 'अपना सिर शान से ऊंचाकर आगे बढ़ रही हूं। लोग पूछ रहे हैं कि क्या मेरा वजन बढ़ गया है? तो उसका जवाब है, हां बढ़ गया है।

अर्जुन कपूर-मलाइका अरोड़ा का रोमांटिक डिनर डेट वीडियो हुआ वायरल

अर्जुन कपूर और मलाइका अरोड़ा बीते कुछ समय से एक दूसरे को डेट कर रहे हैं। खास बात दोनों अक्सर साथ में क्वालिटी टाइम बिताते नजर आते हैं। हाल ही में ये कपल मालदीव में छुट्टियां मनाने के लिए पहुंचा था। इस दौरान इन्होंने अपनी कई खूबसूरत तस्वीरें और वीडियो फैंस के साथ सोशल मीडिया पर शेयर की हैं। वहीं तस्वीरों में हमेशा की तरह ही मलाइका का बोल्ड अंदाज फैंस को देखने के मिला। लेकिन इस बीच मलाइका एक वीडियो इंटरनेट पर काफी तेजी से वायरल हो रहा है इस वीडियो को देखकर हर कोई सरप्राइज है। अर्जुन कपूर ने सोशल मीडिया पर मलाइका के साथ अपना एक बेहद प्यारा वीडियो पोस्ट किया है। इस वीडियो में एक्टर अपनी लेडी लव को सरप्राइज देते नजर आ रहे हैं। दरअसल अर्जुन ने मलाइका के लिए एक रोमांटिक डिनर डेट का इंतजाम किया है। ऐसे में पूरी तैयारी को देखकर मलाइका खुशी से झूम उठती हैं। हालांकि वीडियो में सिर्फ मलाइका नजर आ रही हैं। वैसे ये सब कुछ अर्जुन ने समंदर के किनारे इस रोमांटिक डिनर डेट का पूरा इंतजाम किया है। इस दौरान मलाइका लॉन्ग गाउन पहने नजर आईं। और बीच की ओर बढ़ रही हैं। जहां रेत पर हार्ट के आकार की जगह है और टेबल- कुर्सियां रखी हुई हैं। टेबल के चारों ओर लाइट्स से सजाया गया है। खुले आसमान के नीचे इससे बेहतर रोमांटिक पल और क्या हो सकता था। वीडियो के बैकग्राउंड में हार्डी संधू का गाना 'बिजली-बिजली' बज रहा होता है। गौरतलब है इससे पहले पहले अर्जुन कपूर ने मलाइका के साथ मालदीव से एक और वीडियो शेयर किया था। इस वीडियो में दोनों स्विमिंग पूल में वर्कआउट करते दिख रहे थे। वीडियो में साफ दिख रहा है कि दोनों स्विमिंग पूल में पसीना बहा रहे हैं।

सलमान खान के द-बंग कॉन्सर्ट में जैकलीन फर्नांडीज को रिप्लेस करेंगी डेजी शाह

सलमान खान ने अब अपने 'द-बंग' कॉन्सर्ट से जैकलीन फर्नांडिस को रिप्लेस करने का मन बना लिया है और अब चर्चा है कि जैकलीन को रिप्लेस करके सलमान डेजी शाह को कॉन्सर्ट का हिस्सा बना सकते हैं।

रविवार रात बॉलीवुड एक्ट्रेस जैकलीन फर्नांडिस को मुंबई में ठग सुकेश चंद्रशेखर की जांच से जुड़े एक मामले में रोक लिया और एक्ट्रेस को हिरासत में लिया। मनी लॉन्ड्रिंग मामले में जैकलीन फर्नांडिस को तीसरी बार समन भेजा गया है, एक्ट्रेस को हिरासत में लिए जाने के बाद, खबरें आईं थी कि सलमान खान ने अब अपने 'द-बंग' कॉन्सर्ट से जैकलीन फर्नांडिस को रिप्लेस करने का मन बना लिया है और अब चर्चा है कि जैकलीन को रिप्लेस करके सलमान डेजी शाह को कॉन्सर्ट का हिस्सा बना सकते हैं। कुछ रिपोर्ट्स की मानें तो सलमान खान जैकलीन के अच्छे दोस्त हैं मगर अभी की सिचुएशन को देखते हुए वह जैकलीन की जगह डेजी शाह को अपने साथ टूर पर ले जा सकते हैं जो रियाद में होना है। सलमान खान नहीं चाहते हैं कि उनका नाम भी ठग सुकेश चंद्रशेखर के मामले में घसीटा जाए। एक रिपोर्ट की मानें तो अब सलमान खान ने डेजी शाह को साथ ले जाने का मन बना लिया है । एक रिपोर्ट के मुताबिक, सामने आए आरोपों के बाद सलमान खान ने जैकलीन को 'द-बंग' कॉन्सर्ट से दूर करने का फैसला लिया है और उनकी जगह डेजी शाह को अपने साथ टूर पर ले जाने पर विचार कर रहे हैं। जिस पर अब खुद डेजी शाह ने प्रतिक्रिया दी है। जैकलीन को रिप्लेस करने की खबरों पर प्रतिक्रिया देते हुए डेजी कहती हैं-'मुझे इसकी जानकारी नहीं है।' बता दें। सलमान का टूर आने वाले वीकेंड से शुरू होने जा रहा है जिसमें उनके साथ आयुष शर्मा, प्रभुदेवा, सुनील ग्रोवर, सई मांजरेकर और शिल्पा शेट्टी जैसे कई कलाकार शामिल होंगे।

घर बनाएं खुला-खुला

साजसज्जा के ये ट्रिक्स अपना कर तो देखें, छोटा घर भी बड़ा दिखेगा. खूबसूरत और बड़े घर की चाह हर किसी को होती है. मगर महानगरों में ऐसे घरों की चाह पूरी होना आसान नहीं. छोटे घरों में रहने को मजबूर होना पड़ता है. मगर थोड़ी सी सूझबूझ व साजसजावट के तरीकों पर ध्यान दे कर छोटे घर में रह कर भी बड़े और हवादार घर में रहने का एहसास ले सकती हैं.

रखें घर को व्यवस्थित

आप अपने घर को जितना अधिक व्यवस्थित व साफसुथरा रखेंगी, कमरों में उतनी ही ज्यादा जगह दिखेगी. सामान करीने से रख कर और फालतू सामान को हटा कर काफी जगह खाली कर सकती हैं. सफेद व हलके रंगों का प्रयोग करें: गहरे रंग बड़ी जगह के प्रभाव को कम कर देते हैं. इसलिए घर की दीवारों पर सफेद रंग करवाएं. फर्नीचर भी हलके रंग का खरीदें. अगर दीवारों पर सफेद रंग पसंद नहीं आता हो तो हलका हरा, गुलाबी, आसमानी, पीला आदि रंगों का चुनाव करें. पेंट एक ही रंग का करवाएं, फिर देखें कैसे कमरा बड़ा नजर आता है.

रोशनी का चुनाव

घर में भरपूर रोशनी आने दें, क्योंकि घर में पर्याप्त रोशनी उसे उज्ज्वल और बड़ा दिखाने में मदद करती है. अपने घर में रंगों का प्रभाव दिखाने के लिए लैंप्स भी लगाएं. इस से घर आकर्षक भी दिखेगा.

मल्टीपर्पज फर्नीचर का इस्तेमाल

ऐसे फर्नीचर में निवेश करें जो बहुद्देशीय हो. इस तरह का फर्नीचर आप के कमरे को व्यवस्थित दिखाता है और जगह भी ज्यादा नजर आती है. उदाहरण के लिए किचन में ऐसी बहुद्देशीय मेज का प्रयोग किया जा सकता है, जिस में बहुत से रैक हों.

घर में मिरर का प्रयोग

मिरर के प्रयोग से आप अपने कमरे को बड़ा होने का आभास दे सकती हैं. फोकल पौइंट का प्रयोग करें और अपने मिरर को ऐसे केंद्रित करें कि घर में गहराई का भ्रम पैदा हो. घर की खिड़की के सामने वाली दीवार पर दर्पण लगाएं. रोशनी के प्रतिबिंब के कारण आप के कमरे का क्षेत्र बड़ा दिखेगा.

स्ट्राइप्स का प्रयोग

घर के डैकोर में हलका सा फेरबदल ला कर भी घर का रूप बदल सकती हैं. उदाहरण के लिए धारीदार कारपेट्स कमरे को लंबा होने का आभास दे सकता है. इसी तरह घर के परदे आदि में स्ट्राइप्स वाली डिजाइनें घर को बड़ा दिखाती हैं.

उम्र के अनुसार खाने में शामिल करें पनीर

पनीर कैल्शियम और प्रोटीन से भरपूर है. यह बच्चे से लेकर बुजुर्गों तक सबके लिए बहुत फायदेमंद है. इसलिए हर व्यक्ति को अपनी उम्र के अनुसार पनीर को अपने आहार में शामिल जरूर करना चाहिए. पनीर और इससे बने सभी व्यंजन लोगों को पसंद होते हैं. यह न केवल प्रोटीन और कैल्शियम बल्कि शरीर में विटामिन –डी की कमी को भी पूरा करता है. यह शरीर में हीमोग्लोबिन के उत्पादन को उत्तेजित करने में मदद करता है और शरीर में बेहतर इम्यून सिस्टम को बढ़ावा देता है. पनीर में मौजूद विटामिन बी न केवल बढ़ते बच्चों के विकास में मददगार है, बल्कि एकाग्रता और यादाश्त में सुधार करके मास्तिष्क के स्वास्थ्य को बेहतर बनाता है. वहीं पनीर महिलाओं में ऑस्टियोपोरोरिस को रोकने में मददगार है.

6 महीने से अधिक उम्र के बच्चों के लिए

पनीर एक पौष्टिक शिशु आहार है. आप बेबी फूड जैसे गाजर की प्यूरी, सेब की प्यूरी आदि में थोड़ा सा पनीर का पेस्ट मिलाकर बच्चे को दे सकते हैं. ध्यान रखें बच्चे को इसे बहुत कम मात्रा में दिया जाना चाहिए.

बढ़ते बच्चों के लिए

बढ़ते हुए बच्चों को अपने दैनिक आहार में कार्बोहाइड्रेट के साथ पोषक तत्वों से भरपूर आहार की जरूरत होती है. ऐसे में अपने बढ़ते बच्चों के लिए पनीर के भरवां पराठे बना सकते हैं. बच्चों के लिए दिन की शुरूआत करने का यह एक हाई कार्ब नाश्ता है. आप चाहें, तो तले हुए पनीर के टुकड़ों और सब्जियों के साथ गेहूं की ब्रेड की सैंडविच बनाकर उन्हें खिला सकते हैं. पनीर टिक्का और पनीर रोल जैसे स्टार्टर्स भी बच्चों को पौष्टिक भोजन देने का एक बेहतरीन विकल्प है.

वयस्कों के लिए

दिल की बीमारियों को दूर करने के साथ ब्लड प्रेशर कम करने और हड्डियों के स्वास्थ्य को बढ़ावा देने के बाद यह स्पष्ट हो जाता है कि पनीर हर वयस्क के आहार का हिस्सा होना चाहिए. विशेषज्ञ कहते हैं कि वयस्क को अपने भोजन के विकल्प चुनते समय पनीर के साथ बहुत सारी सब्जियां शामिल करनी चाहिए. ऐसा इसलिए क्योंकि वयस्कों में चयापचय दर बच्चों की तुलना में बहुत कम होती है. ऐसे में पनीर के साथ सब्जियों को शामिल करने से भोजन को पचाना बेहद आसान हो जाता है. आप सब्जी, पुलाव, हरे पत्तेदार सलाद में पनीर का इस्तेमाल कर सकते हैं.

बुजुर्गों के लिए

पनीर को पचाना बेहद आसान होता है. चूंकि बेहतर पाचन के लिए मैग्नीशियम और फास्फोरस दोनों की जरूरत होती है, इसलिए पनीर बुजुर्गों के लिए सबसे अच्छा पौष्टिक भोजन है. हालांकि, इस बात का ध्यान रखा जाना चाहिए कि इस उम्र में आंत के स्वास्थ्य से समझौता करने के कारण इसका कैसे और कितना सेवन करना है. विशेषज्ञों की सलाह है कि बुजुर्ग लोगों के लिए पनीर को बहुत कम तेल और मसालों के साथ हल्के तरीके से पकाना चाहिए. हो सके, तो पनीर के साथ दही न दें. ध्यान रखें बुजुर्गों को ज्यादा से ज्यादा घर का बना पनीर देना फायदेमंद साबित होता है. पनीर हर आयु वर्ग के लिए बहुत फायदेमंद है. हर किसी को नियमित रूप से इसे अपने आहार में शामिल करना चाहिए.

कमर दर्द से हैं परेशान, तो...

हाल ही में लॉकडाउन खुलने के बावजूद लोगों को ऑफिस का काम घर से करना पड़ रहा है। घर से काम करने में शरीर को बहुत परेशानी हो रही है और तो और लोगों की कमर अकड़ जा रही है। ऐसे में आज हम आपको बताने जा रहे हैं बढ़ती कमर दर्द की परेशानी को आप कैसे दूर भगा सकते हैं।

अपनाएं यह घरेलू उपाय:

अगर आप आप वर्क फ्रॉम होम कर रहे है तो कमर दर्द की समस्या से बचने के लिए अपने शरीर को बीच-बीच में आराम अवश्य दें और ध्यान रहे कि प्रतिदिन सुबह एक्सरसाइज व योगासन का अभ्यास अवश्य करें।

आप चाहे तो कमर दर्द की समस्या को दूर करने के लिए अदरक को गर्म पानी में भिगोकर रखें फिर इसमें शहद मिलाकर इसका सेवन करें।

कमर के दर्द को दूर करने के लिए अदरक के तेल से कमर की मालिश करें। इसी के साथ चाहे तो तुलसी के पत्ते को गर्म पानी में भिगोकर रखे फिर इसमें शहद मिलाकर इसका सेवन करें।

हर दिन तुलसी के पत्तो का सेवन करने से कमर का दर्द दूर होता है और लाभ मिलता है। इससे आप कमर दर्द से राहत पा सकते है।

रेशम के धागों से बुनी हुई यह सुंदर साड़ी महराष्ट्रियन शादी का एक एहम हिसा है. दुल्हन के लिए खास लाल और हरे रंग की पैठनी साड़ी का चुनाव किया जाता है. साड़ी में हर नारी के आभा ऐसी खिलती जैसे किसी कुम्भार ने मिट्टी में आभा उकेरी साड़ी किसी भी औरत या लड़की की किसी भी तरह के त्योहार या किसी फंगस में पहनने जाने वाली पहली पसंद होती है वैसे तो हर औरत के वॉडरोब में सिल्क, बनारसी, बांधनी, चंदेरी, कॉटन के साड़ियों का संग्रह मिल जाता है. पर कुछ और भी पारम्परिक और डिजाइन की साड़ी महिलाओं की पसंद बन सकती है.

पैठनी साड़ी से महाराष्ट्रियन लुक में लगाएं चार चांद

ऐसे में औरंगाबाद के पैठन से हाथ कारीगरों के द्वारा बुनी हुई साड़ी को पैठानी साड़ी का नाम दिया जाता है, ऐसा माना जाता है कि सबसे पहले पैठनी साड़ी बुनने की शुरुआत पैठन से ही हुई थी, लेकिन मौजूदा समय मे महाराष्ट्र के नाशिक शहर के येवला में सबसे ज्यादा पैठनी साड़ियों को बनाया जाता है. रेशम के धागों से बुनी हुई यह सुंदर साड़ी महराष्ट्रियन शादी का एक एहम हिसा है. दुल्हन के लिए खास लाल और हरे रंग की पैठनी साड़ी का चुनाव किया जाता है. सिर्फ शादी ही नहीं बल्कि किसी भी शुभ अवसर के लिए महाराष्ट्र में पैठनी साड़ी का चलन सबसे अधिक है. लेकिन अब ये सिर्फ महाराष्ट्र नहीं बल्कि पूरे हिंदुस्तान में इस रेशमी साड़ी को पहना जाता है. वजह है इसकी सुंदरता और रंगों का चुनाव.

काली पैठनी साड़ी

पैठनी साड़ीयो के इस सुंदर संग्रह की शुरुआत हम सबसे पहले काले रंग की पैठनी के साथ करते है, इस पैठनी साड़ी पर आपको एक बेहतरीन डिज़ाइनर ब्लाउज़ भी मिलेगा. काले रंग में सुनहरे और लाल रंग की जाने वाली कारीगरी साड़ी को खूबसूरत बनाती है.

लकड़ी के बने ये उपहार आप के अजीजों के घर की शोभा में तो चार चांद लगाएंगे ही आप भी हमेशा उन की स्मृतियों में बनी रहेंगी. अवंतिका की समझ में नहीं आ रहा था कि इस बार फैस्टिव सीजन में फ्रैंड्स के बीच आइकोनिक होस्टर कैसे बने? इस के लिए उसे अनूठे उपहार भी चुनने थे ताकि फ्रैंड्स सर्कल में उस का इंप्रैशन बना रहे. उस ने कई सारे गिफ्ट कौर्नर्स, इंपोरियम, आर्ट ऐंड क्राफ्ट सैंटर्स के चक्कर काटे पर कुछ ढंग का नहीं सूझा.

फैस्टिवल के रंग वुडन क्राफ्ट के संग

एक दिन इस संबंध में बात करने पर अवंतिका की फ्रैंड आयशा ने सुझाया, ''इस बार वुडन आइटम्स ट्राई क्यों नहीं करती? लुक में भी मस्त और ट्रैंड में भी फर्स्ट और फिर देने वाले पर इंप्रैशन बने वह अलग से.''

अवंतिका को आयशा का यह आइडिया एकदम परफैक्ट लगा. अतः उस ने फटाफट पास के ही वुडन क्राफ्ट इंपोरियम में जा कर फैस्टिव सीजन के लिए खूब सारी खरीदारी की. अब वह संतुष्ट भी थी और खुश भी.

इस बार आप भी पीछे न रहें. वुडन आर्ट ऐंड क्राफ्ट शोपीस का चलन आजकल तेजी से बढ़ रहा है. ये न केवल लुक में यूनीक हैं, बल्कि बजट में भी आसानी से आ जाते हैं. हर बार वही कांच, क्रिस्टल या मैटल के उपहार देने के बजाय इस बार कुछ डिफरैंट ट्राई करें. यकीनन आप के दोस्तों को आप का यह गिफ्ट हैंपर भाएगा. बाजार में वुडन क्राफ्ट की ढेरों वैराइटी मौजूद है, जिस में आप को अपनी चौइश का बहुत कुछ मिल जाएगा. महंगे व उबाऊ गिफ्ट्स को आज वुडन क्राफ्ट बखूबी रिप्लेस कर रहा है.

क्या चुनें?

वुडन आर्ट शोपीसों की एक वाइड रेंज बाजार में मौजद है, लेकिन कहीं से भी न खरीदें. किसी विश्वसनीय इंपोरियम से ही खरीदें. गूगल पर सर्च कर ऐसे किसी इंपोरियम या आर्ट गैलरी का पता कर सकती हैं.

हार्ट पेशंट के लिए हानिकारक हो सकती हैं सर्दियां

अगर आप हृदय रोग से पीड़ित हैं, तो ठंड के मौसम में स्वस्थ रहना आपके लिए बड़ी चुनौती है. ऐसे में योग और ध्यान जैसी तकनीकों का उपयोग करें. यह आपके तनाव को दूर करने के साथ दिमाग को भी शांत करेगा. सर्दियों का मौसम बड़ा ही सुहावना होता है. लेकिन दिल के मरीजों के लिए काफी चैलेंजिंग है. सर्दी वह समय है जब दिल से जुड़ी समस्या वाले लोगों को दिल का दौरा पड़ सकता है. दरअसल, तापमान में अचानक गिरावट के कारण पेराफेरल वेसेल्स सिकुड़ जाती हैं इस प्रकार हृदय पर अधिक दबाव पड़ता है. जिसके कारण हृदय में ऑक्सीजन की आपूर्ति कम हो जाती है. नतीजतन आपके दिल को ऑक्सीजन और ब्लड पंप करने के लिए ज्यादा प्रयास करने होते हैं.

ब्लड प्रेशर की निगरानी करें-

यदि आप उन लोगों में से हैं, जिन्हें ब्लड प्रेशर की समस्या है, तो आपके लिए नंबरों पर नजर रखना बेहद जरूरी है. ऐसा करने से कार्डियक अटैक की संभावना काफी कम हो सकती है. इसलिए आपको डॉक्टर द्वारा बताई गई दवाओं को समय पर लेना चाहिए.

शराब के सेवन से बचें-

शराब त्वचा में ब्लड वेसेल्स का विस्तार कर सकती है. यह आपके शरीर के जरूरी अंगों से गर्मी निकालकर आपको गर्म महसूस करा सकती है. इसी तरह धूम्रपान से एथेरोस्कलेरोसिस होता है. इतना ही नहीं धूम्रपान करने वालों को भी दिल का दौरा पड़ सकता है. धूम्रपान न केवल हृदय की तरफ ऑक्सीजन के प्रवाह को कम करता है बल्कि आपकी हार्ट रेट और ब्लड प्रेशर को भी बढ़ाने के लिए जिम्मेदार है.

स्वस्थ आहार लें-

ताजे, फल और सब्जियां , बीज, मेवा, फलियां और दालों का सेवन ज्यादा से ज्यादा करें. दिल के रोगियों को ठंड के दिनों में गर्म सूप या गर्म भोजन का सेवन ही करना चाहिए. विशेषज्ञ मानते हैं कि नमक या चीनी से भरपूर भोजन खाने से बचना दिल को स्वस्थ रखने का बेहतर तरीका है. डॉक्टर भी दिल के रोगी को प्रोसेस्ड, जंक और ऑयली फूड्स से बचने की सलाह देते हैं.

किचन गार्डन में हर्ब पौधें जरूर लगाएं

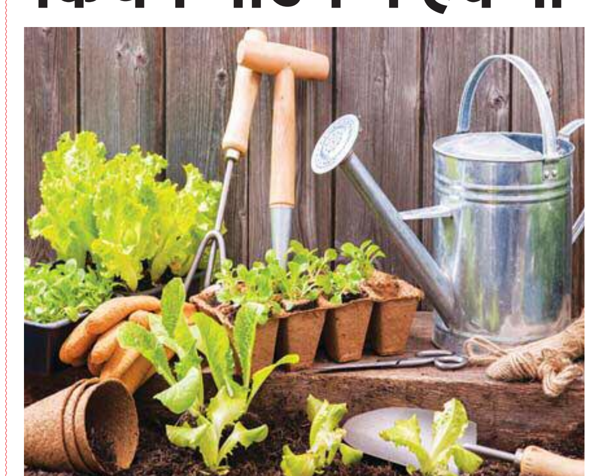

आज हम आपको कुछ हर्बल पौधों के बारे में बताएंगे जिन्हें लगाकर आप अपने खाने के स्वाद तो बढ़ाएगें ही साथ ही आप स्वस्थ भी रहेंगे. हरियाली किसे नही अच्छा लगता और बागवानी का शौक लगभग हर किसी को होता है, शहरों में रहने वाले लोग अपने घरों में अच्छी बागवानी करना चाहते हैं. लेकिन उनके पास जगह की समस्या होती है. बहुत से लोगों के घर में इतनी जगह नहीं होती है कि वे पेड़-पौधे लगा सकें. सबसे ज्यादा समस्या शहरों में रहने वाले लोगों का होता है, क्योंकि उनका जीवन 2 बीएचके और 3 बीएचके फ्लैट में ही गुजर रहा है. ऐसे में ज्यादातर लोग अपने बालकनी या छतों पर ऐसे पौधे लगाना पसंद करते हैं जो किचन गार्डन की सुंदरता बढ़ाने के साथ ही उनके किचन में भी काम आए. आज हम आपको कुछ हर्बल पौधों के बारे में बताएंगे जिन्हें लगाकर आप अपने खाने के स्वाद तो बढ़ाएगें ही साथ ही आप स्वस्थ भी रहेंगे.

रोजमेरी

रोजमेरी के पौधे में आयरन, कैलशियम और विटामिन बी6 की भरपूर मात्रा होती है. रोजमेरी के पौधे में ऐसे तत्व होते हैं जिससे आपकी एकाग्रता भी बढ़ती है. इसे आप गमले में लगाएं साथ ही यह भी सुनिश्चित करें कि पौधे पर डायरेक्ट सूरज की रोशनी ना पड़े.

पार्सले

पार्सले के पौधों में विटामिन सी और विटामिन के भरपूर मात्रा में मिलते हैं. जो किडनी स्टोन्स, कब्ज, मधुमेह के रोगियों के लिए बहुत फायदेमंद होते है, पार्सले के बीजों को गिली मिट्टी में 7-10 इंच की दूरी ही लगाएं. पार्सले के इस्तेमाल से आपके खाने का स्वाद और रंग दोनों बढ़ जाता है.

थाइम

थाइम कैंसर जैसी कई अन्य बीमारियों से आपको स्वस्थ रखने की क्षमता रखता है. कई तरह के बैक्टीरियल इनफेक्शन और स्कीन की परेशानी से भी थाइम छुटकारा दिलाता है. गले की खराश से लेकर आर्थराइटस में भी थाइम काफी फायदेमंद है.थाइम को घर पर आसानी से उगाया जा सकता है.

चिकन पॉक्स के दाग मिटाने के लिए करें उपाय

शरीर पर चिकन पॉक्स होने पर छोटे-छोटे दाने हो जाते हैं। इसमें बहुत तेज खुजली होती है और बुखार भी आ जाता है। इसके लिए हम कुछ घरेलु इलाज करते हैं जिससे ये ठीक हो जाये। लेकिन इसके दाग रह जाते हैं जो अक्सर दिखने में अजीब लगते हैं।

अपनाएं ये घरेलू टिप्स:

शहद में भरपूर मात्रा में ब्लीचिंग के गुण भी मौजूद होते हैं जो त्वचा से किसी भी निशान को हल्का करने का काम करते हैं। अगर आप रोजाना अपने दागो पर शहद लगाते हैं तो इससे आपके धीरे-धीरे कम होने लगेंगे।

निंबू में भरपूर मात्रा में सिट्रिक एसिड और विटामिन सी मौजूद होता है। इसमें दाग मिटाने के गुण मौजूद होते हैं। अगर आप चिकन पॉक्स के दागों को हटाना चाहते हैं, तो रोजाना अपने शरीर पर नींबू का रस लगाएं।

नारियल का तेल हर घर में मौजूद होता है। यह स्किन के लिए बहुत फायदेमंद होता है। इसे शरीर पर लगाने से चिकन पॉक्स के दाग धीरे-धीरे कम हो जाते हैं।

घर की सीढ़ियों का भी रखें ख्याल

अगर आप भी अपना घर बनवाने जा रहे हैं तो उसमें सीढ़ियों का विशेष ध्यान रखें. जमीन खरीदकर मनमाफिक आशियाना बनवाने की चाह रखने वालों की कमी आज भी कुछ कम नहीं. क्या आपकी भी कुछ ऐसी ही ख्वाहिश है? अगर जवाब हां में है तो घर का कंस्ट्रक्शन कराते समय कुछ चीजों का खास ध्यान रखना जरूरी है. कंस्ट्रक्शन से पहले जाहिर है सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए आप सॉयल टेस्टिंग तो कराएंगे ही साथ ही घर को भूकंप जैसी प्राकृतिक आपदा से सुरक्षित रखने के लिए भूकंप-रोधी संरचना तैयार कराने पर भी विचार करेंगे. इन सब के साथ यह जरूर ध्यान रखें कि जब आप घर का नक्शा या फिर डिजाइन किसी आर्किटेक्ट से डिजाइन कराएं तो उसे सीढ़ियों की ऊंचाई और चौड़ाई पर विशेष ध्यान देने को कहें.

- सीढ़ियों बनाते समय हेड रूम का ध्यान रखना जरूरी है, जिससे कि लंबे व्यक्तियों का सिर छत से न टकराए. अक्सर ऐसा होता है कि जल्दीबाजी में सीढ़ियों से उतरते हुए सिर अथवा माथा छत या छज्जे से टकरा जाता है और चोट लग जाती है.
- सीढ़ियों को कम से कम 840 एमएम और ज्यादा से ज्यादा एक मीटर तक अपनी जरूरत के अनुसार रखना चाहिए.
- अच्छी सीढ़ी वही है जिसमें चढ़ते और उतरते वक्त आपको बहुत ज्यादा मेहनत न करनी पड़े. आम तौर पर किसी भी वयस्क का एक पग यानी स्टेप 600 एमएम यानी 2 फुट का होता है. इसको ध्यान में रखते हुए ही सीढ़ियों का निर्माण कराएं.
- यह ध्यान रखें कि सीढ़ियों पर ऊपर चढ़ते हुए दुगनी ऊर्जा लगानी पड़ती है, ऐसे में अगर सीढ़ियों ऊंची-नीची होंगी, उनमें सामंजस्य नहीं होगा तो दुर्घटना की संभावना बनी रहेगी.
- घर में इस्तेमाल की जाने वाली सीढ़ियों में 250 एमएम का ट्रेड और 165 एमएम से 175 एमएम तक का राइजर इस्तेमाल किया जा सकता है. आप इसे ज्यादा से ज्यादा 220 एमएम तक का रख सकते हैं. अगर राइजर ज्यादा ऊंचा होगा तो पैर भी ज्यादा ऊंचाई तक उठाने होंगे, जिससे चंद सीढ़ियों चढ़ने के बाद ही थकान महसूस होने लगेगी.
- सीढ़ियां इस तरह डिजाइन कराई जानी चाहिए कि उस तक आसानी से पहुंचा जा सके.
- अगर कमरों के दरवाजे सीढ़ियों के साथ खुल रहे हों तो ऐसे में कम से कम 310 मिलीमीटर तक की न्यूनतम दूरी जरूर बनाकर रखनी चाहिए. इसका फायदा यह होगा कि कमरे से सीढ़ियों तक आसानी से स्टेप-अप किया जा सकेगा.
- सीढ़ियों को कभी बहुत तंग नहीं रखना चाहिए. ऐसा होने से खासकर ऊपरी मंजिलों पर फर्नीचर चढ़ाने और उतारने में परेशानी का सामना करना पड़ता है.
- सीढ़ियों की डेकोरेशन के लिए तमाम तरह के विकल्प मौजूद हैं. इन्हें सजाने में सबसे ज्यादा भूमिका रेलिंग की होती है. रेलिंग के लिहाज से आयरन या फिर स्टील फिनिश वाली रेलिंग का इस्तेमाल भी किया जा सकता है.

आज की रेसिपी

मलीदा

सामग्री :

- 150 gms रवा
- 120 ग्राम गुड़
- 75 ग्राम घी
- 30 ग्राम किशमिश
- 20 ग्राम बादाम
- 20 ग्राम पिस्ता
- 100 ml (मिली.) दूध
- 10 ग्राम खाद्य गोंद

विधि :

- एक बाउल में रवा लें, इसमें 50 एमएल गर्म पानी डालकर केनेड बना लें. इससे एक उंगली के जितनी लंगी मुठिया बना लें और इसे घी या तेल में गोल्डन ब्राउन होने तक फ्राई कर लें.
- इसे ठंडा होने दें और हाथों से दरदरा क्रम्बल कर लें.
- एक पैन में घी, गुड़ डालें और गुड़ को पिघलने दें. इसमें दरदरा रवा मिक्चर, दूध डालें और इसे धीरे धीरे गाढ़ा होने दें.
- आंच को बंद कर दें, इस पर नट्स और फ्राई गोंद डालकर सर्व करें.

एशेज टेस्ट में इंग्लैंड की वापसी

ब्रिस्बेन

इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के बीच ब्रिस्बेन में खेले जा रहे पहले टेस्ट मैच के तीसरे दिन इंग्लैंड के बल्लेबाज छाए रहे। पहली पारी में 147 ढेर होने वाले इंग्लैंड के बल्लेबाजों ने दूसरी पारी में शानदार वापसी करते हुए 2 विकेट के नुकसान पर 220 रन बना लिए हैं। कप्तान जो रूट और डेविड मलान हाफ सेंचुरी लगाकर नाबाद हैं। हालांकि ऑस्ट्रेलिया की टीम अब भी 58 रन से आगे है। इससे पहले ऑस्ट्रेलिया ने अपनी पहली पारी में सभी विकेट खोकर 425 रन बनाए थे। ऑस्ट्रेलिया ने तीसरे दिन 7 विकेट 343 रन से आगे खेलते हुए 82 रन जोड़े।

कप्तान जो रूट और मलान ने संभाली पारी

पहली पारी में 147 ढेर होने वाली इंग्लैंड की दूसरी पारी में ओपनर रॉरी बर्न्स और हसीब हमीद कुछ खास नहीं कर पाए। इंग्लैंड का पहला विकेट 23 विकेट पर गिर गया। रॉरी बर्न्स 13 रन बनाकर आउट हो गए। इंग्लैंड का दूसरा विकेट भी 61 रन पर गिर गया। हसीब हमीद भी 27 रन बनाकर पैवेलियन लौट गए। उसके बाद पारी को संभालने की कमान कप्तान जो रूट और डेविड मलान ने अपने कंधों पर ले लिया। दोनों के बीच 159 रनों की नाबाद साझेदारी हो चुकी है। रूट 158 गेंदों का सामना कर 86 रन और डेविड मलान 177 गेंदों का सामना कर 80 रन पर नाबाद हैं।

स्टार्क और पैट कमिंस को मिला एक-एक विकेट

ऑस्ट्रेलिया की तरफ से दूसरी पारी में पहली सफलता पैट कमिंस ने 8.6 ओवर में रॉरी बर्न्स का विकेट लेकर दिलाई। वहीं दूसरी सफलता मिचेल स्टार्क ने 61 रन पर हसीब हमीद का विकेट लेकर दिलाई। ट्रेविस ने खेली 152 रन की पारी वहीं सुबह ट्रेविस ने तीसरे दिन 112 रन से आगे खेलते हुए 150 रन पूरे किए। वह 152 रन पर मार्क वुड की गेंद पर बोल्ड हो गए। वहीं मिचेल स्टार्क 10 रन बनाकर नाबाद रहे। तीसरे दिन ऑस्ट्रेलिया अपनी पारी में 82 रन ही जोड़ सकी। 343 रन से आगे खेलने उतरी ऑस्ट्रेलिया का तीसरे दिन आठवां विकेट मिचेल स्टार्क का 391 के स्कोर पर गिरा। वह 10 रन से आगे खेलते हुए 25 रन जोड़कर 35 रन पर आउट हो गए। उनका विकेट क्रिस वोक्स ने लिया। वहीं 9 वां विकेट 420 रन पर गिरा। नाथन लियोन ने 24 गेंदों का सामना कर 15 रन बनाए।

रॉबिन्सन और वुड ने तीन-तीन विकेट लिए

इंग्लैंड की ओर से रॉबिन्सन और मार्क वुड को 3-3 विकेट मिले। रॉबिन्सन ने 23 ओवर में 58 रन देकर 3 विकेट लिए। वहीं मार्क वुड ने 25.3 ओवर में 85 रन देकर 3 विकेट लिए। इसके अलावा क्रिस वोक्स ने 2 और जैक लीच और जो रू को 1-1 विकेट मिले।

जो रूट ने टेस्ट क्रिकेट में रचा इतिहास

इंग्लैंड के कप्तान जो रूट ने शुक्रवार को ब्रिस्बेन के गाबा में शुरुआती एशेज टेस्ट के तीसरे दिन ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ इंग्लैंड की लड़ाई का शानदार तरीके से नेतृत्व किया। जो रूट ने खेल के सबसे लंबे प्रारूप में एक और अर्धशतक जमाया। इंग्लैंड की टीम पहली पारी में ऑस्ट्रेलिया के सामने 147 रन पर ढेर हो गई थी। खुद जो रूट भी फ्लाप रहे थे, लेकिन दूसरी पारी में वे संभलकर खेले और रिकॉर्ड भी टीम के लिए बना दिया। दाएं हाथ के बल्लेबाज जो रूट अब एक कैलेंडर ईयर में इंग्लैंड के बल्लेबाज द्वारा बनाए गए सर्वाधिक टेस्ट रन का रिकॉर्ड अपने नाम कर चुके हैं। जो रूट ने करीब 20 साल पुराने एक रिकॉर्ड को तोड़ा है। पूर्व कप्तान माइकल वान ने इंग्लैंड के लिए साल 2002 में 1481 रन बनाए थे, लेकिन अब जो रूट इंग्लैंड की दूसरी पारी के 38वें ओवर में उनसे आगे निकल गए, जब उन्होंने नाथन लियोन की गेंद पर सिंगल लिया।

पूर्व कोच शास्त्री का आरोप

2014 के बाद मेरे खिलाफ हुई साजिश

नई दिल्ली

टीम इंडिया के पूर्व कोच रवि शास्त्री ने अपने कार्यकाल को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि BCCI में कुछ लोग मुझे और भरत अरुण को कोच के रूप में नहीं देखना चाहते थे। आप देखिए चीजें किस तरह से बदली हैं, जिसे वो गेंदबाजी कोच नहीं बनाना चाहते थे, वो भारत के सबसे शानदार गेंदबाजी कोच बने। मैं किसी एक इंसान का नाम नहीं ले सकता, लेकिन मैं ये पक्के तौर पर बता सकता हूं कि इस बात की पूरी कोशिश की गई थी कि मुझे कोच का पद न मिले। बता दें कि शास्त्री को 2017 में टीम इंडिया का हेड कोच बनाया गया था। उससे पहले 2014 से 2015 के वर्ल्ड कप तक वो टीम के डायरेक्टर थे। इसी दौरान उनके साथ साजिश शुरू हुई थी। वर्ल्ड कप के बाद शास्त्री को हटा दिया गया था। डंकन फ्लेचर के बाद माना जा रहा था कि वो टीम के हेड कोच बनेंगे, लेकिन अनिल कुंबले को टीम का कोच बना दिया गया। कुंबले के हटने के बाद शास्त्री फिर टीम इंडिया के कोच बने।

रवि शास्त्री की कोचिंग में टीम इंडिया कोई भी ICC ट्रॉफी अपने नाम नहीं कर पाई। 2021 के टी-20 वर्ल्ड कप में टीम सेमीफाइनल तक भी नहीं पहुंच पाई। वहीं 2019 के वनडे विश्व कप में भारतीय टीम को सेमीफाइनल में न्यूजीलैंड के हाथों हार का सामना करना पड़ा था। शास्त्री ने आगे कहा, 'मुझे दुख हुआ था जिस तरह से मुझे टीम से हटाया गया वो सही नहीं था। मुझे टीम से बाहर करने के बेहतर तरीके हो सकते थे। जब मैं टीम को छोड़ कर गया था तो वह अच्छी स्थिति में थी। मेरे दूसरे कार्यकाल में मैं काफी विवादों के बाद आया था। जो लोग मुझे बाहर रखना चाहते थे। ये उनके मुंह पर करारा तमाचा था।'

रवि शास्त्री के कोचिंग में ही टीम इंडिया ने ऑस्ट्रेलिया की धरती पर पहली बार टेस्ट सीरीज अपने नाम की थी। उन्होंने आगे कहा कि जब मैं अपना सफर देखता हूं तो ये टीम वो टीम थी जो 300 रनों का टारगेट पीछा करते समय 30-40 रन से पीछे रह जाती थी। अब ये टीम 328 रन आसानी से चेज कर लेती है। एडिलेड टेस्ट 2014 में हमने ये मैसेज टीम को भेजा था कि हम इसी तरह की क्रिकेट खेलना चाहते हैं। वहीं, धोनी से विराट के पास कप्तानी आई थी, फिर अचानक मुझे टीम से बाहर जाने को कह दिया गया था। कुछ दिन बाद मुझे पता चला कि मैं अब टीम का हिस्सा नहीं हूं। मुझे किसी ने कारण भी नहीं बताया था।

2019 वर्ल्ड कप पर क्या बोले शास्त्री?

2019 के वनडे वर्ल्ड कप में अंबाती रायडू को टीम से बाहर करने के सवाल पर रवि ने कहा, 'मैं इस बारे में कुछ नहीं बता सकता। मुझे दिक्कत थी कि आप वर्ल्ड कप के लिए तीन विकेटकीपर बल्लेबाज क्यों चुन रहे हैं? आपको अंबाती या श्रेयस को चुनना था।' 'मुझे ये लॉजिक आज तक समझ नहीं आया कि धोनी, पंत और दिनेश को टीम में क्यों लिया गया था। मैं चयनकर्ताओं के बीच में नहीं पड़ता था, जब तक मुझे ये न कहा जाए कि आपको फीडबैक देना है।'

रोहित शर्मा को लेकर कही थी ये बात

एक अन्य इंटरव्यू में शास्त्री ने रोहित शर्मा को लेकर कहा, 'रोहित हमेशा वही करते हैं, जो टीम के लिए सबसे अच्छा होता है। वह टीम में मौजूद हर खिलाड़ी का पूरा फायदा उठाना जानते हैं।' पूर्व मुख्य कोच ने आगे कहा कि रोहित और कोहली दुनिया के दो ऑल-फॉर्मेट बल्लेबाजों के रूप में विकसित हुए, जिस पर उन्हें खुशी और गर्व है।

कीवी गेंदबाज का विवादित बयान

मिशेल बोले- टीम इंडिया घर के शेर भारतीय फैन्स ने किया जमकर ट्रोल

मुंबई

न्यूजीलैंड के पेसर और IPL में मुंबई इंडियंस के पूर्व खिलाड़ी मिशेल मैक्लेनाघन सोशल मीडिया पर किए गए पोस्ट के बाद ट्रोल हो रहे हैं। मिशेल ने भारत और न्यूजीलैंड सीरीज में भारत की 1-0 से जीत के बाद उन्हें घर का शेर करार दिया। सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए लिखा कि टीम इंडिया ICC वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप में न्यूजीलैंड को अपनी परिस्थितियों में हराकर काफी उत्साहित है। टीम इंडिया को जीत की बधाई। मिशेल के इस पोस्ट के बाद भारतीय फैन्स ने उन्हें ट्रोल करना शुरू कर दिया। एक यूजर ने लिखा कि न्यूजीलैंड टीम के फैन होने के नाते मुझे आपका ये पोस्ट बिल्कुल अच्छा नहीं लगा। जैसा कि आपके कप्तान केन विलियमसन हमेशा कहते हैं कि हार को एक्सेप्ट करना सीखो। एक अन्य यूजर ने लिखा कि हर कोई अपने देश में शेर होता है, लेकिन हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि भारत ने ऑस्ट्रेलिया को उसके घर में और इंग्लैंड को इंग्लैंड में जाकर हराया है। हमें इसका सम्मान करना चाहिए।

टी-20 वर्ल्ड कप के भारतीय दौरे पर न्यूजीलैंड आई टीम को टीम इंडिया ने टी-20 और टेस्ट सीरीज में हराया। भारतीय टीम ने पहले तीन टी-20 मैचों की सीरीज में न्यूजीलैंड को 3-0 से हराया। उसके बाद दो टेस्ट मैचों की सीरीज को 1-0 से अपने कब्जे में किया।

अंडर-19 एशिया कप के लिए टीम इंडिया का ऐलान

यश धुल होंगे टीम के कप्तान ● 25 दिसंबर को पाकिस्तान से भारत का मुकाबला

नई दिल्ली

BCCI ने शुक्रवार को 23 दिसंबर से शुरू होने वाले अंडर-19 एशिया कप के लिए 20 सदस्यीय टीम का ऐलान कर दिया है। इसके साथ ही बोर्ड ने नेशनल क्रिकेट अकादमी में लगाए जाने वाले कैम्प के लिए भी 25 खिलाड़ियों का चयन किया है। ये खिलाड़ी 11 से 19 दिसंबर तक कैम्प का हिस्सा होंगे।

बता दें, अंडर-19 एशिया कप सबसे ज्यादा भारतीय टीम ने ही अपने नाम किया है। अब तक टीम ने 7 बार एशिया कप जीता है। 23 दिसंबर को वो आठवीं बार खिताब जीतने के इरादे से उतरेगी।

यश धुल होंगे टीम के कप्तान

अंडर-19 टीम की कमान दिल्ली के रहने वाले यश धुल दी गई है। टीम में दो विकेटकीपर्स को जगह मिली है। दिनेश बना और आराध्य यादव के रूप में टीम के पास दो विकेटकीपर हैं। भारत को अपना पहला मैच UAE के खिलाफ 23 दिसंबर को खेलना है। 25 दिसंबर को भारत का सामना पाकिस्तान से होगा। इसके दो दिन बाद टीम 27 दिसंबर को अफगानिस्तान से भिड़ेगी। टूर्नामेंट का पहला सेमीफाइनल 30 दिसंबर को खेला जाएगा। फाइनल 1 जनवरी को खेला जाएगा।

पूरी टीम इस प्रकार है- यश धुल (कप्तान), हरनूर सिंह पन्नू, अंग्रिश रघुवंशी, अंश गोसाई, एसके राशीद, अन्नेश्वर गौतम, सिद्धार्थ यादव,

कौशल ताम्बे, निशांत सिंधू, दिनेश बना, आराध्य यादव, राजनगद बावा, राजवर्धन हनगारगेकर, गर्व सांगवान, रवि कुमार, रिशित रेड्डी, मानव पारख, अमृत राज उपाध्याय, विकी ओसवाल, वास वुत्स।

स्टैंडबाय खिलाड़ी- आयूष सिंह ठाकुर, उदय शरण, शाश्वत डंगवाल, धनुष गौड़ा, पीएम सिंह राठौर।

बट्ट का BCCI को सपोर्ट

कहा- कोहली को कप्तानी के पद से हटाया जाना सही फैसला

नई दिल्ली । BCCI ने विराट कोहली की जगह रोहित शर्मा को वनडे टीम का नया कप्तान बनाया है। इस फैसले को पाकिस्तान के पूर्व सलामी बल्लेबाज और कप्तान सलमान बट्ट ने सही बताया है। सलमान बट्ट ने कहा कि कोहली को वनडे टीम की कप्तानी से हटाए जाने के फैसले पर मुझे कोई हैरानी नहीं हुई। अगर रोहित शर्मा सिर्फ टी-20 टीम के कप्तान होते तो यह सही नहीं होता। लिमिटेड ओवरों का कप्तान कोई एक ही होना चाहिए। बोर्ड के इस फैसले से विराट पर से दबाव भी कम होगा। वैसे भी भारतीय टीम अधिक टी-20 नहीं खेलती है, तो रोहित को वनडे की जिम्मेदारी मिलनी ही थी। बता दें बोर्ड ने कोहली को वनडे की कप्तानी से इस्तीफा देने के लिए 48 घंटे का अल्टीमेटम दिया था। कोहली ने इसको लेकर कोई जवाब नहीं दिया, तो बोर्ड ने उन्हें खुद इस पद से हटा दिया।

कोहली को लेकर गांगुली ने क्या कहा?

पूर्व भारतीय कप्तान और अब बोर्ड अध्यक्ष सौरव गांगुली ने कहा कि यह फैसला BCCI और चयनकर्ताओं ने मिलकर लिया है। BCCI ने विराट से टी-20 की कप्तानी नहीं छोड़ने को कहा था, लेकिन वह सहमत नहीं हुए। गांगुली ने कहा कि चयनकर्ताओं का मानना था कि लिमिटेड ओवर्स के फॉर्मेट में दो अलग-अलग कप्तान नहीं होने चाहिए। इसलिए ये फैसला लिया गया।

अब अतीत को भुलाकर भविष्य पर ध्यान देने का समय है : नीरज चोपड़ा

एजेंसी, चुला विस्टा (अमेरिका)। भारत के भाला फेंक के स्टार खिलाड़ी नीरज चोपड़ा के लिये तोक्यो ओलंपिक की उपलब्धि अब अतीत की बात है और वह अभ्यास के लिये यहां पहुंचने के बाद आगामी वर्षों में सफलता हासिल करने पर ध्यान केंद्रित करना चाहते हैं। चोपड़ा कोच क्लॉज बार्तोनिज की देखरेख में 90 दिन तक यहां की विश्वस्तरीय सुविधाओं में अभ्यास करेंगे। भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) ने पिछले शुक्रवार को उनके प्रस्ताव को तुरत-फुरत मंजूरी दे दी थी। चोपड़ा ने ट्वीट किया, ''यह समय अतीत को भुलाकर भविष्य पर ध्यान केंद्रित करने का है। प्रतियोगिता से इतर अभ्यास के लिये पहुंच गया हूं तथा और बेहतर बनने के लिये प्रक्रिया शुरू करने को उत्सुक हूं। '' भारतीय एथलेटिक्स महासंघ (एएफआई) के प्रस्ताव को चार घंटे के भीतर मंजूरी दे दी गयी थी । प्रतिष्ठित चुला विस्टा एलीट एथलीट ट्रेनिंग सेंटर में अभ्यास के लिये लक्ष्य ओलंपिक पोडियम कार्यक्रम (टॉप्स) के तहत स्वीकृत लागत 38 लाख रुपये होगी। चोपड़ा ने लिखा, ''साइ महानिदेशक, टॉप्स और एएफआई के अधिकारियों तथा इसे साकार करने में शामिल प्रत्येक व्यक्ति का आभारी हूं।'' चोपड़ा ने तोक्यो में सात अगस्त को 87.85 मीटर भाला फेंककर एथलेटिक्स में भारत के लिये पहला ओलंपिक स्वर्ण पदक जीता था।

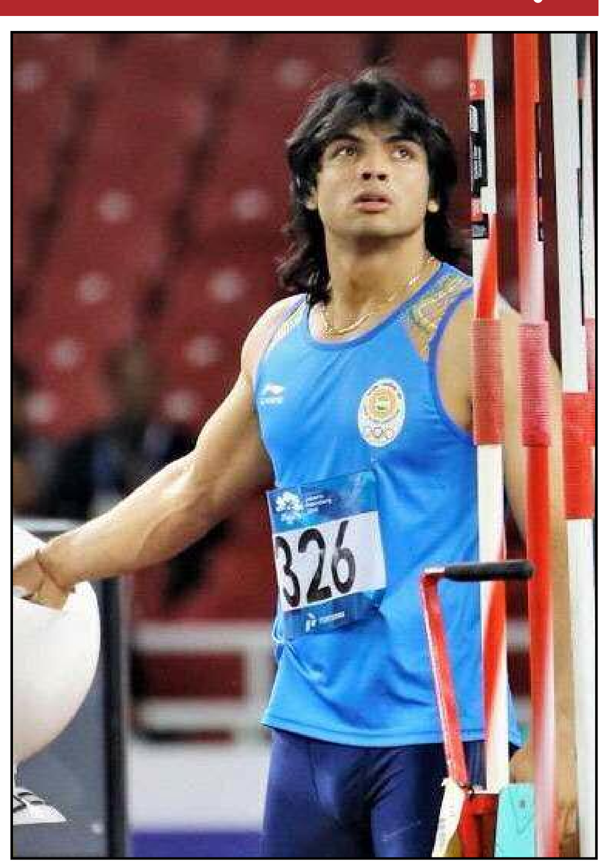

इन तीन खिलाड़ियो को आईसीसी महीने के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी के पुरस्कार के लिए नामांकित किया गया

एजेंसी, दुबई। ऑस्ट्रेलिया के विस्फोटक सलामी बल्लेबाज डेविड वार्नर, पाकिस्तान के बल्लेबाज आबिद अली और न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज टिम साउदी को मंगलवार को नवंबर माह के लिए आईसीसी (अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद) के महीने के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी के पुरस्कार के लिए नामंकित किया गया। महिला वर्ग में इस सूची में वेस्टइंडीज की हरफनमौला हेली मैथ्यूज के साथ पाकिस्तान की बायें हाथ की स्पिनर अनम अमीन और बांग्लादेश की नाहिदा अख्तर शामिल है। नवंबर के महीने का नामांकन संयुक्त अरब अमीरात एवं ओमान में हुए आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप के मैचों सहित सभी प्रारूपों में प्रदर्शन के आधार पर है। आईसीसी की एक स्वतंत्र मतदान अकादमी और दुनिया भर के प्रशंसक विजेताओं का फैसला करने के लिए मतदान कर सकते हैं, जिसकी घोषणा अगले सप्ताह की जाएगी। प्रशंसकों को मत डालने के लिए आमंत्रित किया गया है। वार्नर टी20 विश्व कप में 'प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट' थे। उन्होंने पाकिस्तान के खिलाफ सेमीफाइनल में 49 और न्यूजीलैंड के खिलाफ फाइनल में 53 रनों की शानदार पारी खेली थी। इस दौरान टी20 अंतरराष्ट्रीय की चार पारियों में उन्होंने 69.66 के औसत और 151.44 के स्ट्राइक रेट से 209 रन बनाए। उनके यह प्रदर्शन आस्ट्रेलिया को विश्व चैंपियनशिप बनाने में अहम भूमिका निभाई। पाकिस्तान के सलामी बल्लेबाज आबिद अली को चटगांव में बांग्लादेश के खिलाफ आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) श्रृंखला के पहले मैच में 133 और 91 रन की पारी खेली। वह इस मैच के मैन ऑफ द मैच भी रहे। साउदी ने सबसे छोटे प्रारूप में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के तुरंत बाद कानपुर में भारत के खिलाफ डब्ल्यूटीसी श्रृंखला के शुरुआती टेस्ट में आठ विकेट चटकाये। यह मैच ड्रॉ पर छूटा। उन्होंने टी20 विश्व कप के दौरान नवंबर में खेले गये मैचों में सात विकेट विकेट लिये और अपनी टीम को फाइनल में पहुंचने में अहम भूमिका निभाई। महिलाओं के वर्ग में बांग्लादेश की नाहिदा ने इस दौरान चार एकदिवसीय में 13 विकेट झटके और महज 2.22 रन प्रति ओवर खर्च किये। अनम ने भी नवंबर में 13 विकेट लिये और तीन रन प्रति ओवर के हिसाब से रन खर्च किये। वेस्टइंडीज की हरफनमौला मैथ्यूज को दूसरी बार नामांकन मिला है। उन्होंने इससे पहले जुलाई में अपनी कप्तान स्टैफनी टेलर के साथ नामांकन हासिल किया था। उन्होंने नवंबर में चार एकदिवसीय मैचों में लगातार अच्छा प्रदर्शन करते हुए 141 रन बनाये और 13.11 की औसत से नौ विकेट हासिल किये।

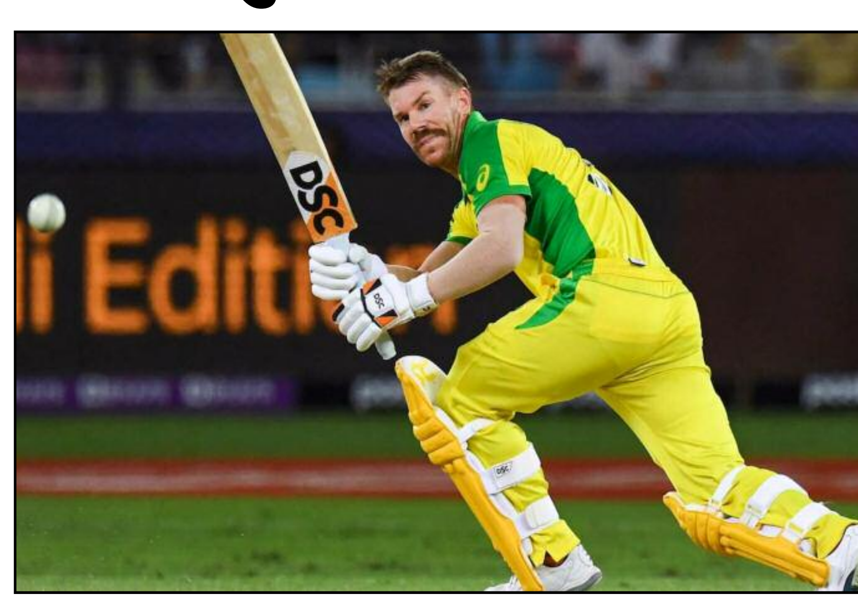

ओडिशा ने आंध्र को हराया

एजेंसी, मुंबई। कप्तान सुभ्रांशु सेनापति के शतक से ओडिशा ने विजय हजारे ट्रॉफी एकदिवसीय क्रिकेट टूर्नामेंट के ग्रुप ए में यहां आंध्र को 63 रन से हराया जबकि गुजरात और विदर्भ ने भी अपने अभियान का आगाज जीत के साथ किया।

गुजरात ने जम्मू-कश्मीर को पांच विकेट से हराया जबकि विदर्भ ने हिमाचल प्रदेश को सात विकेट से शिकस्त दी। ओडिशा ने सुभ्रांशु के 116 रन के अलावा सलामी बल्लेबाज संदीप पटनायक (57) के साथ उनकी दूसरे विकेट की 92 और गोविंद पोदार (46) के साथ तीसरे विकेट की 124 रन की साझेदारी की बदौलत 50 ओवर में पांच विकेट पर 278 रन बनाए। सुभ्रांशु ने 120 गेंद की अपनी पारी में आठ चौके और दो छक्के जड़े। विकेटकीपर बल्लेबाज राजेश धूपर ने भी 17 गेंद में नाबाद 28 रन बनाए। आंध्र की शुरुआत बेहद खराब रही और उसने पांचवें ओवर में 17 रन तक ही तीन विकेट गंवा दिए थे। टीम इस खराब शुरुआत से नहीं उबर पाई और अंततरू 46.3 ओवर में 215 रन पर सिमट गई। रिकी भुई 74 रन के साथ आंध्र के शीर्ष स्कोरर रहे जबकि मनीष गोलामारू ने 41 गेंद में 48 रन का योगदान दिया। ओडिशा की ओर से जयंत बेहड़ा ने 24 रन देकर चार जबकि देवव्रत प्रधान ने 56 रन देकर दो विकेट चटकाए। दूसरी तरफ गुजरात ने चिंतन गजा (30 रन पर चार विकेट) और हेमंग पटेल (29 रन पर तीन विकेट) की धारदार गेंदबाजी से जम्मू-कश्मीर को 42.1 ओवर में 171 रन पर समेटने के बाद 79 गेंद शेष रहते पांच विकेट पर 172 रन बनाकर जीत दर्ज की। गुजरात की ओर से भार्गव मेराई ने 83 गेंद में पांच चौकों की मदद से नाबाद 57 रन बनाए जबकि रिपल पटेल ने 33 रन की पारी खेली। एक अन्य मैच में कप्तान रिषी धवन (61) के अर्धशतक के बावजूद हिमाचल की टीम 46 ओवर में 213 रन पर सिमट गई।

फुटबॉल क्लब टोटेनहैम के कई खिलाड़ी और कोच कोरोना वायरस से संक्रमित

एजेंसी, लंदन। इंग्लिश प्रीमियर लीग (ईपीएल) फुटबॉल क्लब टोटेनहैम के कई खिलाड़ी और कोचिंग स्टाफ के सदस्य कोरोना वायरस से संक्रमित पाए गए हैं। टीम के कई खिलाड़ियों के अलावा कोचिंग स्टाफ के दो सदस्य भी पॉजिटिव पाए गए हैं जबकि और पीसीआर परीक्षण होंगे। इन पॉजिटिव मामलों से रेनेस के खिलाफ होने वाले करो या मरो के यूरोपा कांफ्रेंस लीग मुकाबले और फिर ब्राइटन और लीसेस्टर के खिलाफ होने वाले ईपीएल मुकाबलों की टीम की तैयारियों को झटका लगा है। पिछले सत्र में भी कोविड-19 के कारण एस्टन विला और फुलहैम के खिलाफ टीम के मुकाबले रद्द हो गए थे। मौजूदा सत्र में भी दो खिलाड़ियों के गलत पॉजिटिव नतीजे आए थे लेकिन पीसीआर परीक्षण के नेगेटिव नतीजे के बाद उन्हें खेलने की स्वीकृति दी गई थी।